महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

17 वर्षों से निरंतर....

Website:- www.malwaherald.com

RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

मालवा हेराल्ड

सुविचार

क्रोध में हम वह सब खो सकते हैं जो हमने शांत रहकर प्राप्त किया था

वर्ष : 17 अंक : 10 | उज्जैन, शनिवार 20 जून 2026 | पृष्ठ-8 मूल्य-1 रुपए

न्यूज ब्रीफ

सुप्रीम कोर्ट का नीट-यूजी के दोबारा आयोजन से जुड़ी याचिकाओं पर तुरंत सुनवाई से इनकार

नई दिल्ली/ जीएनएस। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को मेडिकल पाठ्यक्रमों में प्रवेश की परीक्षा नीट-यूजी, 2026 के दोबारा आयोजन से जुड़ी दो अलग-अलग याचिकाओं पर तत्काल सुनवाई करने से इनकार कर दिया। याचिकाओं में आरोप लगाया गया है कि प्रभावित अभ्यर्थियों को परीक्षा की तैयारी के लिए पर्याप्त समय नहीं दिया गया है, इसलिए इसे स्थगित कर नई तिथि घोषित की जाए। परीक्षा का दोबारा आयोजन 21 जून को होना है। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और जस्टिस वी. मोहना की पीठ ने कहा कि इन याचिकाओं पर जुलाई में जस्टिस पीएस नरसिम्हा की अध्यक्षता वाली पीठ सुनवाई करेगी, जब कोर्ट आंशिक कामकाज के दिनों के बाद सामान्य कामकाज शुरू करेगा। कोर्ट ने कहा कि जस्टिस नरसिम्हा की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष पहले से ही परीक्षा से जुड़ी याचिकाएं लंबित हैं। नई याचिका में केंद्र व अन्य से मांग की गई है कि वे अभ्यर्थियों की बातों (रिप्रेजेंटेशन) पर विचार के बाद 21 जून को दोबारा परीक्षा के आयोजन की व्यवहार्यता पर पुनर्विचार करें। याचिका में कहा गया है कि याचिकाकर्ताओं ने कई राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के अभ्यर्थियों के पक्ष को संकलित किया है और उसे रिकार्ड पर रखा है। इन सभी में एक जैसी चिंताएं दिखती हैं, जिसमें मानसिक आघात, तीव्र घबराहट, मूल परीक्षा रद होने से पैदा हुई अनिश्चितता, तैयारी के लिए अपर्याप्त समय, परीक्षा की निष्पक्षता को लेकर आशंकाएं, अन्य परीक्षाओं के साथ टकराव, लाजिस्टिकल दिक्कतें और मानसिक स्वास्थ्य पर बुरा असर शामिल हैं। याचिका में कहा गया कि इसमें परीक्षा के दोबारा आयोजन के फैसले को चुनौती नहीं दी गई है। याचिकाकर्ताओं की शिकायत केवल दोबारा परीक्षा की तिथि तय करने के मनमाने व अनुचित तरीके को लेकर है, जिसमें अभ्यर्थियों को तैयारी के लिए पर्याप्त समय नहीं दिया गया है।

हैदराबादः 75 लाख रुपये की MG Cyberster चलाते दिखा नाबालिग, पिता पर मामला दर्ज

हैदराबाद/ जीएनएस। हैदराबाद पुलिस ने नाबालिग बच्चे द्वारा लग्जरी स्पोर्ट्स कार चलाने के वायरल वीडियो के मामले में उसके पिता के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस ने कार को भी जब्त कर लिया है। घटना ने सड़क सुरक्षा और अभिभावकों की जिम्मेदारी को लेकर नई बहस छेड़ दी है। जानकारी के अनुसार, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम के एक पेज पर एक वीडियो साझा किया गया था, जिसमें 12 वर्ष से कम उम्र का प्रतीत होने वाला बच्चा हैदराबाद के आउटर रिंग रोड (ओआरआर) पर एमजी साइबरस्टर चलाता नजर आ रहा था। पोस्ट में वाहन का अस्थायी पंजीकरण नंबर TG09AP3320 भी बताया गया था। शिकायत मिलने के बाद राजेंद्रनगर ट्रैफिक पुलिस ने मामले की जांच शुरू की। राजेंद्रनगर ट्रैफिक पुलिस के एसएचओ सीएच राजू ने बताया कि सोशल मीडिया पर वीडियो सामने आने के तुरंत बाद पुलिस टीम को वाहन की पहचान और तलाश के लिए भेजा गया। जांच के दौरान कार, नाबालिग चालक और उसके पिता की पहचान कर उन्हें हिरासत में लिया गया। बाद में मामले को आगे की कार्रवाई के लिए राजेंद्रनगर थाना पुलिस को सौंप दिया गया। पुलिस ने पिता के खिलाफ नाबालिग को वाहन चलाने की अनुमति देने, खतरनाक तरीके से वाहन चलाने तथा पुलिस आदेशों की अवहेलना करने सहित विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया है। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि कानून के अनुसार जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उल्लेखनीय है कि एमजी साइबरस्टर भारत की पहली ऑल-इलेक्ट्रिक रोडस्टर कार है।

कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए मॉनीटरिंग सिस्टम को और अधिक प्रभावी बनाए- केंद्रीय मंत्री श्री खट्टर

सिंहस्थ 2028 की तैयारियों की समीक्षा बैठक संपन्न

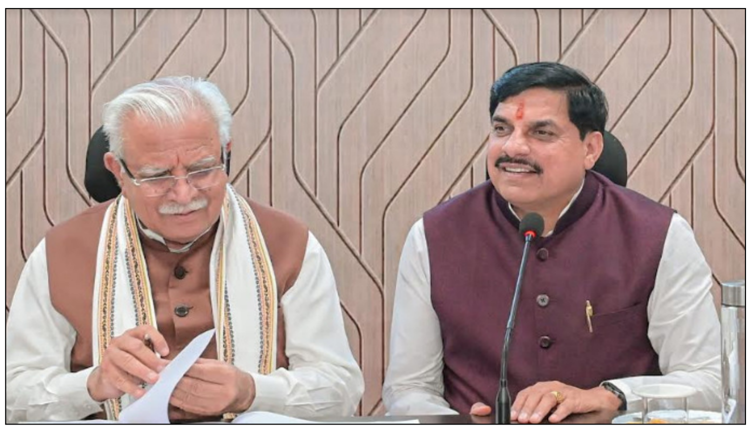

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सिंहस्थ 2028 के लिए नगरीय विकास विभाग द्वारा स्वच्छता, पेयजल, भोजन व्यवस्था, सुरक्षा, परिवहन तथा स्वास्थ्य सेवाओं से संबंधित सभी कार्य प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण किए जाएँ। सिंहस्थ महापर्व राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय महत्व का आयोजन है, इसलिए सभी व्यवस्थाएँ उसी स्तर के अनुरूप सुनिश्चित की जाएँ। उक्त निर्देश केन्द्रीय ऊर्जा, शहरी विकास एवं आवासन मंत्री श्री मनोहर लाल खट्टर ने प्रशासनिक संकुल भवन स्थित कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष मे ऊर्जा एवं स्वच्छ भारत मिशन की राज्य स्तरीय समीक्षा बैठक मे दिए ।

बैठक में स्वच्छ भारत मिशन की समीक्षा के दौरान ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन, उपयोग किए जा चुके जल के पुनर्प्रबंधन तथा शौचालय निर्माण कार्यों की विस्तार से समीक्षा की गई। केन्द्रीय मंत्री श्री खट्टर ने कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए मॉनिटरिंग सिस्टम को और अधिक प्रभावी बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रदेश की सभी 16 स्मार्ट सिटीज़ में स्वच्छता के व्यापक प्रचार-प्रसार हेतु प्रभावी आईईसी (सूचना, शिक्षा एवं संचार) मॉडल विकसित कर डिजिटल माध्यमों से जन-जागरूकता अभियान संचालित करने के निर्देश दिए। साथ ही व्यक्तिगत एवं सामुदायिक शौचालयों की आवश्यकता का सर्वे कर वास्तविक मांग के अनुसार स्वीकृति प्रस्ताव भेजने तथा सामुदायिक शौचालयों की स्वच्छता एवं रखरखाव पर विशेष ध्यान देने को कहा।

केंद्रीय मंत्री श्री खट्टर ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में स्वच्छता अभियान को सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ संचालित किया जा रहा है। सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए अभियान को और अधिक प्रभावी बनाएं।

बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सिंहस्थ के दौरान श्रद्धालुओं को स्वच्छ जल उपलब्ध कराने के लिए किए जा रहे कार्यों की जानकारी देते हुए केन्द्रीय मंत्री श्री खट्टर को कान्ह क्लोज डक्ट डायवर्जन परियोजना तथा सिलारखेड़ी-सेवरखेड़ी परियोजना की प्रगति से अवगत कराया।

विद्युत वितरण एवं परिचालन क्षेत्र की समीक्षा के दौरान केन्द्रीय मंत्री श्री खट्टर ने रिवैम्प्ड डिस्ट्रीब्यूशन सेक्टर स्कीम के अंतर्गत शासकीय देयकों एवं सब्सिडी भुगतान को संबंधित वित्तीय वर्ष में ही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बैठक के प्रारंभ में कहा कि यह हम सबका सौभाग्य है कि केंद्रीय मंत्री श्री खट्टर की अध्यक्षता में उज्जैन में सिंहस्थ और नगरीय विकास से संबंधित कार्यों की राज्य स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की जा रही है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के कार्यकाल के सफलतापूर्वक 12 वर्ष पूर्ण हूए है। विकास के कार्य तेज गती से किए जा रहे है। मध्यप्रदेश भी कदम से कदम मिलाकर चल रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा केंद्रीय मंत्री श्री खट्टर का पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया गया।

बैठक में सर्वप्रथम आगामी सिंहस्थ महापर्व 2028 के अंतर्गत प्रक्रियाधीन विकास कार्यों की प्रगती और तैयारियों की समीक्षा की गई। कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह ने पॉवर पॉईंट प्रेजेन्टेशन के माध्यम से सिंहस्थ 2028 के अंतर्गत प्रगतिरत योजनाओं और विकासकार्यों के बारे में जानकारी दी। बैठक में बताया गया कि इस बार के सिंहस्थ में लगभग 40 करोंड़ से अधिक श्रद्धालुओं के आगमन की संभावना है। सिंहस्थ के अंतर्गत उज्जैन के अलावा अन्य जिलों में 25 हजार करोड़ रुपए से अधिक की राशि के विभिन्न प्रकार के कार्य किए जा रहे है। इन कार्यों में सड़के, सेतु, नवीन घाट निर्माण और शहर के बुनियादी ढ़ाचें के विकास से संबंधित कई महत्वपूर्ण योजनाएं सम्मिलित है। इसके अलावा उज्जैन में सिंहस्थ के दौरान शिप्रा नदी के जल से स्नान हो सके इसके लिए सेवरखेडी-सिलारखेडी परियोजना पर कार्य किया जा रहा है।

इसके अलावा 919 करोड़ की लागत से कान्ह-क्लोज डक्ट डायवर्सन परियोजना पर कार्य किया जा रहा है ताकि शिप्रा नदी में दूषित जल न मिल सकें। इसके अलावा 778 करोड़ रुपए की लागत से 29 कि.मी. से अधिक नवीन घाटों का निर्माण किया जा रहा है और 120 करोंड रुपए की लागत से मौजुदा स्थाई घाटों का उन्नयन कार्य भी किया जा रहा है। जिससे 04 करोड़ से अधिक श्रद्धालु 24 घंटे में स्नान कर सकेंगे। उज्जैन की कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए 1692 करोड़ रुपए की लागत से उज्जैन - इंदौर 06 लेन मार्ग, 2,935 करोड़ रुपए की लागत से उज्जैन - इंदौर ग्रीनफिल्ड मार्ग, 5,017 करोड़ रुपए की लागत से उज्जैन-जावरा 04 लेन मार्ग, 2,523 करोड़ रुपए की लागत से उज्जैन - झालावाड 04 लेन मार्ग, 351 करोड़ रुपए की लागत से उज्जैन - मक्सी 04 लेन मार्ग का निर्माण किया जा रहा है।

पासपोर्ट डिलीवरी पूरी तरह से लोकतांत्रिक, बोले विदेश मंत्री जयशंकर

नई दिल्ली/ जीएनएस। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने शुक्रवार को कहा कि आज पासपोर्ट डिलीवरी की प्रक्रिया सचमुच लोकतांत्रिक हो गई है और यह आसान सेवा एक समृद्ध, दुनिया से जुड़े और विकसित भारत के लिए इंजन का काम करती है।

पासपोर्ट सेवा दिवस के मौके पर आयोजित सालाना रीजनल पासपोर्ट आफिसर्स कांफ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में सालाना पासपोर्ट जारी करने की संख्या बढ़कर 138 लाख से अधिक हो गई है, जो भारत और यहां के लोगों की बढ़ती आकांक्षाओं को दिखाता है। विदेश मंत्री ने कहा कि आज पासपोर्ट सेवा तेज और आसानी से उपलब्ध हो गई है, जबकि पहले पासपोर्ट पाना एक विशेषाधिकार जैसा था।उन्होंने कहा कि आज पासपोर्ट की डिलीवरी की सुविधा सचमुच सबके लिए सुलभ हो गई है।

अपने संबोधन से पहले, जयशंकर ने देश के अलग-अलग हिस्सों से आए विजेताओं को कई कैटेगरी में पासपोर्ट सेवा पुरस्कार भी दिए। विदेश मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि 2014 में पासपोर्ट सेवा केंद्रों की संख्या 77 थी, जो अब 545 से अधिक हो गई है।

कोलकाता से अगरतला जा रही IndiGo की फ्लाइट पर गिरी बिजली, 147 लोग विमान पर थे सवार

नई दिल्ली/ जीएनएस। भारतीय विमानन प्राधिकरण के एक अधिकारी ने बताया कि शुक्रवार को आंधी-तूफान के चलते कोलकाता हवाई अड्डे पर खड़े एक इंडिगो विमान पर बिजली गिर गई।

समाचार एजेंसी PTI के अनुसार, घटना तब हुई जब इंडिगो की फ्लाइट 6E6068 एयरोब्रिज 56रु पर खड़ी थी। एयरपोर्ट ऑपरेशन्स कंट्रोल सेंटर ने पहले ही मौसम को लेकर अलर्ट जारी कर दिया था, क्योंकि इलाके में आंधी-तूफान और भारी बारिश हो रही थी।

विमान में 147 लोग सवार थे - अधिकारी ने बताया कि इस घटना में कोई यात्री घायल नहीं हुआ है। एहतियात के तौर पर विमान में सवार सभी 141 यात्री और 6 क्रू सदस्यों को उतार लिया गया। बाद में उन्हें दूसरे विमान VT-ICD में बिठाया गया, जिसने अगरतला के लिए उड़ान भरी। इंडिगो के अनुसार, बिजली गिरने से रनवे पर काम करने वाले दो कर्मचारी को मामूली चोटे आई हैं उन्हें मेडिकल जांच के लिए अस्पताल ले जाया गया।

शुक्रवार सुबह से ही कोलकाता और उसके आस-पास के कई जिलों में आंधी-तूफान और बारिश हो रही है, जिससे कई इलाकों में जलजमाव हो गया है और ट्रैफिक की समस्या आ रही है।

परंपरागत युद्ध और इसके साधन आज भी 1947 की तरह प्रासंगिक, रक्षा मंत्री ने एल्युमिनियम एक्सट्रूजन प्रेस का किया का भूमि पूजन

मुंबई/ जीएनएस। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि परंपरागत युद्ध और इसके साधन आज भी 1947 की तरह प्रासंगिक हैं और इसी कारण एक सैन्य-औद्योगिक आधार भविष्य में भी महत्वपूर्ण बना रहेगा। उन्होंने कहा कि जब युद्ध के दौरान आपूर्ति प्रणाली प्रभावित होती है, तो हर देश चाहता है कि आवश्यक वस्तुएं घरेलू स्तर पर निर्मित हों। एक ऐसा देश जो अपनी आवश्यकताओं को पूरा कर सकता है, वह आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ सकता है।

नागपुर के अंबाझरी में यंत्र इंडिया लिमिटेड (वाइआइएल) के आर्डनेंस फैक्ट्री में 10,000 टन के अत्याधुनिक एल्युमिनियम एक्सट्रूजन प्रेस (एईपी) का भूमि पूजन करने के बाद शुक्रवार को राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत ने अगले कुछ वर्षों में तीन लाख करोड़ रुपये की रक्षा उत्पादन और 50,000 करोड़ रुपये के रक्षा निर्यात का लक्ष्य निर्धारित किया है।

उन्होंने कहा, परंपरागत युद्ध और इसके साधन आज भी 1947 की तरह प्रासंगिक हैं और 2047 में भी उनकी प्रासंगिकता लगभग समान रहेगी। हम अक्सर कहते हैं कि युद्ध की प्रकृति बदल रही है। सीमाएं धुंधली हो रही हैं। दुश्मनों की पहचान नहीं हो पा रही है। सेनाएं एक स्थान पर खड़ी हो सकती हैं और देश अस्थिर हो सकते हैं। यह सब सच है, लेकिन यह भी सच है कि कन्वेंशनल युद्ध और इसके साधन आज भी 1947 की तरह प्रासंगिक हैं।

छोटा बम-बड़ा धमाका...भारत-रूस मिलकर बना रहे हैं ब्रह्मोस का स्मॉल वेरिएंट, कितनी होगी घातक?

नई दिल्ली/ जीएनएस। भारत और रूस मिलकर ब्रह्मोस सुपरसोनिक करूज मिसाइल के छोटे और हाइपरसोनिक वेरिएंट को संयुक्त रूप से विकसित कर रहे हैं। रूसी मीडिया आरटी इंडिया के अनुसार, भारत में रूस के राजदूत डेनिस अलीपोव ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि इस कदम से भारतीय सशस्त्र बलों की मल्टी-डोमेन स्ट्राइक क्षमताओं में भारी इजाफा होगा।

यह घोषणा ऐसे समय में हुई है जब भारत और रूस ब्रह्मोस मिसाइल के पहले सफल परीक्षण के 25 वर्ष पूरे होने का जश्न मना रहे हैं। ज्ञात हो कि 12 जून 2001 को ओडिशा के चांदीपुर परीक्षण रेंज से ब्रह्मोस का पहला परीक्षण किया गया था।

केशव सिंह मामला संवैधानिक ढांचे पर काला धब्बा : निशिकांत दुबे

नई दिल्ली/ जीएनएस। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने शुक्रवार को उत्तर प्रदेश विधानसभा और इलाहाबाद हाई कोर्ट के बीच 1964 में हुए संवैधानिक टकराव का जिक्र करते हुए इसे तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के नेतृत्व में भारत के संवैधानिक ढांचे पर ÷काला धब्बा÷ बताया। %कांग्रेस का काला अध्याय 95% शीर्षक से एक्स पर किए गए पोस्ट में दुबे ने केशव सिंह विशेषाधिकार मामले का जिक्र किया।

उन्होंने लिखा, नेहरूजी के नेतृत्व में भारत के संवैधानिक ढांचे पर ऐसा काला धब्बा लगा, जिसने भूकंप ला दिया।घटनाओं का विवरण देते हुए भाजपा सांसद ने बताया कि विवाद मार्च 1964 में तब शुरू हुआ, जब उत्तर प्रदेश विधानसभा ने विशेषाधिकार कार्यवाही के तहत केशव सिंह नाम के व्यक्ति को जेल भेज दिया। हालांकि, स्थिति तब बिगड़ गई, जब इलाहाबाद हाई कोर्ट के दो जजों-जस्टिस जीडी सहगल और एनयू बेग ने विधानसभा की सजा पर रोक लगा दी। इस फैसले के विरोध में विधानसभा ने दोनों न्यायाधीशों और केशव सिंह के वकील सोलोमन को जेल भेजने का आदेश दिया। इससे भारी हंगामा हुआ। ऐसी स्थिति उत्पन्न हो गई, जहां हाई कोर्ट के न्यायाधीशों के सामने जेल जाने की नौबत आ गई।

भाजपा नेता ने कहा, विधानसभा के इस कदम के जवाब में इलाहाबाद हाई कोर्ट की पूर्ण पीठ का गठन किया गया, जिसमें 28 जज शामिल थे। इस पीठ ने न केवल विधानसभा के आदेश पर रोक लगाई, बल्कि विधानसभा अध्यक्ष और तत्कालीन मुख्यमंत्री को जेल भेजने का भी आदेश दिया। यह सब प्रधानमंत्री नेहरू के आदेश पर हुआ।दुबे ने आगे कहा-विधानसभा सभी जजों को जेल भेजने की तैयारी में थी।

तभी तत्कालीन राष्ट्रपति राधाकृष्णन ने संविधान के अनुच्छेद 143 के तहत सुप्रीम कोर्ट से राय मांगी। इस मामले की सुनवाई इसी दिन यानी 19 जून, 1964 को चीफ जस्टिस पीबी गजेंद्रगडकर की अध्यक्षता वाली संविधान पीठ ने शुरू की। संदर्भ के लिए बता दें कि सुप्रीम कोर्ट के एक जज को मानसिक रूप से अस्वस्थ घोषित किए जाने के बाद गजेंद्रगडकर को प्रधान न्यायाधीश बनाया गया था।

इस मामले का फैसला सितंबर 1964 में आया, जिसमें स्पीकर की शक्तियों को सर्वोच्च मानते हुए न्यायपालिका के हस्तक्षेप पर रोक लगा दी गई। नेहरूजी के वंशज राहुल गांधी को यह जानकारी कपिल सिब्बल के साथ साझा करनी चाहिए।

पीएम मोदी ने युवाओं के खाते में डाले 24000000000 रुपये, PM-विकसित भारत रोजगार योजना के तहत दिया इंसेंटिव

नई दिल्ली/ जीएनएस। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज शुक्रवार, 19 जून को PM-विकसित भारत रोजगार योजना के तहत युवाओं के खाते में करीब 2,400 करोड़ रुपये डाले हैं।

प्रधानमंत्री ने ये राशि उन युवाओं के खाते में डाली है, जिनकी पहली बार नौकरी लगी है और नौकरी पर जाते हुए करीब छह महीने का ही समय हुआ है।

पीएम मोदी ने युवाओं के खाते में भेजे रुपये- प्रधानमंत्री मोदी ने इस योजना के तहत सीधे युवाओं के खाते में राशि भेजी है। पीएम मोदी ने इस मौके पर बताया, प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना के तहत अब तक लगभग 70 लाख नौकरियां पैदा की गई हैं। पहली बार कर्मचारियों को सोशल सिक्योरिटी का सुरक्षा कवच भी दिया गया है।

पीएम ने आगे बताया, करीब 20 लाख युवाओं ने अपनी नई नौकरियों में छह महीने पूरे कर लिए हैं और इनमें से 10 लाख युवाओं को इस योजना के लाभार्थी के तौर पर इंसेंटिव मिला है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 2 हजार करोड़ रुपये से अधिक की राशि सीधे उनके खाते तक पहुंच चुकी है। ये राशि सिर्फ आर्थिक सहायता नहीं है, ये उनके परिश्रम को सम्मान है, ये उनके उज्ज्वल भविष्य पर देश के विश्वास की अभिव्यक्ति है।

पीएम मोदी ने कहा, दुनिया भविष्य की अर्थव्यवस्था के लिए तैयार हो रही है और भारत भविष्य की अर्थव्यवस्था का नेतृत्व करने की तैयारी कर रहा है। दुनिया फ्यूचर टेक्नोलॉजी की ओर आगे बढ़ रही है और भारत अपने युवाओं को फ्यूचर रेडी बनाने में जुटा है।

प्रधानमंत्री मोदी ने युवाओं को संबोधित करते हुए आगे कहा, यही भारत के युवाओं के लिए सबसे बड़ा अवसर है, और हमें इस अवसर का पूरा लाभ उठाना है।

लंदन के स्टेनमोर स्वामीनारायण मंदिर में भव्य सोमयज्ञ, इंदौर के आचार्य श्रीगोकुलोत्सव महाराज का सानिध्य

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। यूनाइटेड किंगडम के स्टेनमोर स्थित श्री स्वामीनारायण मंदिर में 14 से 21 जून तक भव्य सोमयज्ञ का आयोजन किया जा रहा है। यह दिव्य आयोजन सोमयज्ञ सम्राट, जगद्गुरु पीठाधीश्वर पद्मभूषण सोमयाजी दीक्षित आचार्य श्रीगोकुलोत्सवजी महाराज, सोमयाजी दीक्षित श्रीव्रजोत्सवजी महाराज एवं श्रीउमंगरायजी (व्रजेश्वराचार्यजी) इंदौर-नाथद्वारा के पावन सानिध्य में संपन्न हो रहा है।

आयोजन का मुख्य उद्देश्य विश्व शांति, समृद्धि, पर्यावरण संरक्षण तथा समस्त प्राणियों की आध्यात्मिक उन्नति के लिए प्रार्थना करना है। इस विशेष वैदिक अनुष्ठान में विभिन्न देशों से आए श्रद्धालु सहभागिता कर रहे हैं और प्रतिदिन आयोजित विष्णु गोपाल महायज्ञ में आहुतियां अर्पित कर रहे हैं।

लंदन से दूरभाष पर चर्चा करते हुए आचार्य श्रीगोकुलोत्सवजी महाराज ने बताया कि सोमयज्ञ के लिए आवश्यक संपूर्ण सामग्री भारत से विशेष रूप से भेजी गई है। इसमें यज्ञ में प्रयुक्त होने वाली समिधा, विभिन्न तीर्थों का पवित्र जल, देशी गौवंश का घी, विशेष प्रकार की छह हजार ईंटें तथा औषधीय वनस्पतियां शामिल हैं। इन सामग्रियों को छह समुद्री कंटेनरों के माध्यम से भारत से लंदन पहुंचाया गया, जिसमें लगभग दो माह का समय लगा। वहीं यज्ञ में उपयोग होने वाले विशेष यज्ञ पात्र एवं सोमलता महाराजश्री अपने साथ लेकर गए।

उन्होंने बताया कि इस प्रकार का भव्य सोमयज्ञ इससे पूर्व वर्ष 2002 में अमेरिका में आयोजित किया गया था। लंदन में हो रहे इस आयोजन में भारत के अलावा ऑस्ट्रेलिया, दुबई, अमेरिका, कनाडा, डेनमार्क, स्वीडन और इटली सहित अनेक देशों के श्रद्धालु बड़ी संख्या में भाग ले रहे हैं।

वैदिक परंपरा और सनातन संस्कृति के इस वैश्विक आयोजन को लेकर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह है। आयोजन के माध्यम से भारतीय संस्कृति, वैदिक ज्ञान और यज्ञ परंपरा का संदेश विश्वभर में प्रसारित किया जा रहा है।

इंदौर नगर निगम नर्मदा के चौथे चरण के लिए लाएगा एक हजार करोड़ रुपये के ब्लू बांड

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नर्मदा के चौथे चरण के लिए फंड जुटाने के लिए इंदौर नगर निगम फिर से बांड जारी करेगा। कुल मिलाकर एक हजार करोड़ रुपये के बांड जारी किए जाएंगे। इनको ब्लू बांड नाम दिया गया है। गुरुवार को हुई महापौर परिषद बैठक में इसे हरी झंडी मिल गई। सितंबर के अंत तक ये ब्लू बांड जारी हो जाएंगे। ऐसा करने वाला इंदौर नगर निगम देश का पहला नगरीय निकाय होगा।

एक हजार करोड़ रुपये के ब्लू बांड जारी करने के एवज में निगम को केंद्र से सौ करोड़ रुपये की सब्सिडी मिलेगी। बांड होल्डरों को निगम एक निश्चित दर से ब्याज देगा। नगर निगम इसके पहले 244 करोड़ रुपये के ग्रीन बांड जारी कर चुका है। ग्रीन बांड से जुटाए 244 करोड़ रुपये से निगम ने जलूद में 60 मेगावाट क्षमता का सोलर प्लांट स्थापित किया है। इस प्लांट से निगम को प्रतिमाह करीब पांच करोड़ रुपये की बचत हो रही है। नगर निगम को नर्मदा के चौथे चरण के लिए करीब 1600 करोड़ रुपये की आवश्यकता है। पहले नगर निगम यह राशि बैंकों से उधार लेने पर विचार कर रहा था। कुछ बैंकों से बात तय हो भी गई, लेकिन अब निर्णय लिया गया कि बैंकों से ऋण लेने के बजाय ब्लू बांड जारी कर एक हजार करोड़ रुपये जुटाए जाएं। शेष राशि बैंक से उधार ले ली जाएगी। ब्लू बांड जारी करने के लिए आवश्यक प्रक्रिया इसी माह शुरू कर दी जाएगी। इंदौर नगर निगम द्वारा फरवरी 2023 में जारी ग्रीन बांड करीब छह गुना ज्यादा सब्सक्राइब हुआ था।

दहेज में नहीं मिली बाइक और 10 लाख तो बीच सड़क पर तीन बार बोला तलाक

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। चंदननगर थाना क्षेत्र में तीन तलाक का मामला सामने आया है। दहेज में बाइक, नकदी और सोने का हार नहीं मिलने पर विवाहिता को शादी के सात माह बाद तीन तलाक देने का आरोप लगाया गया है। पुलिस ने पति, सास और ससुर के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

क्या है इसका पूरा मामला- टीआई तिलक करोले के अनुसार न्यू लक्ष्मी नगर निवासी 19 वर्षीय महक मंसूरी की शादी पिछले वर्ष 9 नवंबर को उज्जैन जिले के बड़नगर स्थित खेडावदा निवासी फारूख मंसूरी से मुस्लिम रीति-रिवाज से हुई थी। पीड़िता के पिता ने अपनी सामर्थ्य के अनुसार घरेलू सामान दिया था, लेकिन बाइक नहीं मिलने पर ससुराल पक्ष नाराज हो गया। आरोप है कि शादी के बाद पति फारूख, सास नफीसा और ससुर कमरूद्दीन मंसूरी दहेज को लेकर ताने देने लगे। उन्होंने विवाहिता को मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया तथा उसकी मां का सोने का हार और 10 लाख रुपये की मांग की। मांग पूरी नहीं होने पर उसे घर से निकाल दिया गया। पीड़िता के अनुसार 25 मई को फारूख उसे लेने आया, लेकिन घर ले जाने के बजाय ग्रीन पार्क कॉलोनी के गेट पर बुलाया। वहां उसने दोबारा दहेज की मांग की। महक द्वारा असमर्थता जताने पर आरोपित ने जान से मारने की धमकी दी और तीन बार तलाक बोलकर उसे छोड़कर चला गया। दोनों परिवारों की ओर से समझौते के प्रयास किए गए, लेकिन आरोपित पक्ष दहेज की मांग पर अड़ा रहा। इसके बाद पीड़िता ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई।

महावीर नगर के बाद अब नेहरू नगर में नलों से लगातार आ रहा दूषित और बदबूदार गंदा पानी

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। छोटा बांगड़दा के महावीर नगर में दूषित पानी का मामला अभी ठंडा भी नहीं हुआ था कि नेहरू नगर की गली नंबर तीन में नलों से दूषित पानी आने की शिकायत सामने आ गई। रहवासियों का कहना है कि नलों से शुरुआत में गंदा पानी आने की शिकायत तो कई माह से थी, लेकिन 10-15 मिनट में पानी साफ हो जाता था, लेकिन अब ऐसा नहीं हो रहा है। अब लगातार दूषित और बदबूदार गंदा पानी आ रहा है। उन्होंने कई बार इसकी शिकायत की, लेकिन कुछ नहीं हुआ। नगर निगम के अधिकारियों ने इस बारे में जांच की बात कही है।

सालों पुरानी है लाइनें- प्रारंभिक जांच में यह बात सामने आई है कि भागीरथपुरा की तरह नेहरू नगर में भी दशकों पुरानी लाइनें हैं। समय के साथ ये लाइनें जगह-जगह से टूट-फूट गई हैं। जलापूर्ति वाले दिन लोगों द्वारा मोटर लगाने की बात भी सामने आई है। अधिकारियों का कहना है कि दो दिन में एक बार पानी सप्लाइ होता है। आधे समय लाइनें खाली रहती हैं। जलापूर्ति वाले दिन लोग मोटर लगाते हैं तो वैक्यूम की वजह से आसपास का दूषित पानी लाइन में आ जाता है। उल्लेखनीय है कि वार्ड 16 के महावीर नगर में रहवासी पिछले कई दिनों से सीवरेज मिला पानी पी रहे थे। उन्होंने बोरिंग से गंदा और बदबूदार पानी आने की शिकायत भी की, लेकिन जिम्मेदारों के कान पर जूं तक नहीं रेंगी, वे इसे सामान्य शिकायत मानकर बहाने बनाते रहे। तीन दिन पहले क्षेत्र में अचानक उल्टी-दस्त के मरीज मिलने लगे तो हड़कंप मचा। नींद से जागे निगम अधिकारी मंगलवार दोपहर मौके पर पहुंचे।

प्राकृतिक खेती से किसानों की समृद्धि और पर्यावरण संरक्षण का मार्ग प्रशस्त : शंकर लालवानी

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के सेवा, सुशासन एवं गरीब कल्याण के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में कस्तूरबा ग्राम स्थित कृषि विज्ञान केंद्र में प्राकृतिक खेती विषयक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में जनप्रतिनिधियों, कृषि विशेषज्ञों और किसान बंधुओं ने सहभागिता कर प्राकृतिक खेती के महत्व तथा इसके व्यापक लाभों पर विस्तार से चर्चा की।

मुख्य अतिथि सांसद शंकर लालवानी ने अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देशभर में प्राकृतिक एवं जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं। इन प्रयासों का उद्देश्य किसानों को रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता से मुक्त कर टिकाऊ, लाभकारी और पर्यावरण अनुकूल कृषि पद्धतियों की ओर प्रेरित करना है। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक खेती से न केवल कृषि लागत में कमी आती है, बल्कि भूमि की उर्वरता बढ़ती है और पर्यावरण संरक्षण को भी बल मिलता है।

कार्यशाला के दौरान किसानों के साथ संवाद कर प्राकृतिक खेती के विभिन्न पहलुओं, कृषि लागत में कमी, जल संरक्षण, मिट्टी की गुणवत्ता सुधार तथा रसायनमुक्त खेती के लाभों की जानकारी दी गई। विशेषज्ञों ने किसानों को प्राकृतिक कृषि पद्धतियों को अपनाकर अधिक उत्पादन और बेहतर आय प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया।

भाजपा जिला अध्यक्ष श्रवणसिंह चावड़ा ने कहा कि प्राकृतिक खेती किसानों की आय बढ़ाने के साथ-साथ स्वस्थ समाज, सुरक्षित पर्यावरण और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का लक्ष्य सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के साथ किसानों को सशक्त एवं समृद्ध बनाना है, जिसमें प्राकृतिक खेती की महत्वपूर्ण भूमिका है।

कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष रीना सतीश मालवीय, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष नारायण पटेल, प्रदेश मंत्री राजीव पटेल, घनश्याम पाटीदार, डी.डी. केवड़ा, सतनाम परमार, सुनील गहलोत, श्रीमती पूनम माली, कपिल जैन, पुलकित सिंह चौहान, कृषि अनुसंधान केंद्र के अधिकारी, किसान बंधु एवं भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

गैस सिलेंडर चोरी करने वाले शातिर गिरोह का पर्दाफाश, चार आरोपी गिरफ्तार

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में संपत्ति संबंधी अपराधों पर नियंत्रण के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत तेजाजीनगर पुलिस ने गैस सिलेंडर चोरी करने वाले एक शातिर नकबजन गिरोह का पर्दाफाश करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 34 घरेलू गैस सिलेंडर, छह भारी वाहनों की बैटरियां और दो दुपहिया वाहन बरामद किए हैं। बरामद मशरूका की कुल कीमत लगभग 4.25 लाख रुपये आंकी गई है।

पुलिस के अनुसार 10 जून 2026 को माउंट बर्ग कॉलोनी स्थित एक फार्म हाउस से गैस टंकियों की चोरी की शिकायत मिलने पर थाना तेजाजीनगर में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की गई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिर तंत्र की सहायता से आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया।

पूछताछ में आरोपियों ने तेजाजीनगर, राऊ, आजाद नगर, खजराना, विजयनगर, कनाड़िया और पीथमपुर क्षेत्र में चोरी की कई वारदातों को अंजाम देना स्वीकार किया है। जांच में सामने आया कि आरोपी दिन के समय दुपहिया वाहनों से विभिन्न क्षेत्रों में रेकी करते थे। जिन घरों में ताला लगा होता और कोई मौजूद नहीं होता, वहां ताला तोड़कर प्रवेश करते और घरेलू गैस सिलेंडर चोरी कर फरार हो जाते थे।

पुलिस ने गिरोह के सरगना हिस्ट्रीशीटर बदमाश आनंद उर्फ भूरू मांडले (25) सहित सौरभ कैथवास (22), अनिकेत उर्फ अमन कौशल और राहुल पाटीदार (25) को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार सौरभ कैथवास और राहुल पाटीदार पूर्व में गैस एजेंसियों में कार्य कर चुके हैं, जिससे उन्हें गैस सिलेंडरों की बिक्री और खपत संबंधी जानकारी थी। चोरी किए गए सिलेंडरों को ठिकाने लगाने का काम मुख्य रूप से यही दोनों आरोपी करते थे।

कार्रवाई के दौरान पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 34 घरेलू गैस सिलेंडर, छह बड़े वाहनों की बैटरियां तथा वारदात में प्रयुक्त दो दुपहिया वाहन जब्त किए हैं। मामले में आगे की जांच जारी है और अन्य वारदातों में आरोपियों की संलिप्तता की भी पड़ताल की जा रही है।

इस कार्रवाई में थाना प्रभारी तेजाजीनगर निरीक्षक देवेन्द्र मरकाम, उपनिरीक्षक राजेन्द्र सिंह नायक, आरक्षक दीपेन्द्र राणा, प्रदीप रावत, राजकुमार रावत तथा महिला आरक्षक रानी सेंधव की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस अधिकारियों ने कहा है कि संपत्ति संबंधी अपराधों में शामिल अपराधियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

रेशम समृद्धि योजना के तहत नवीन हितग्राहियों का ऑनलाइन पंजीयन प्रारंभ

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सहायक संचालक रेशम कार्यालय इंदौर के अंतर्गत इंदौर, धार, झाबुआ एवं अलीराजपुर जिलों में रेशम संचालनालय मध्यप्रदेश की विभागीय रेशम समृद्धि योजना के तहत वर्ष 2026-27 के लिए नवीन कृषकों का ऑनलाइन पंजीयन प्रारंभ कर दिया गया है। रेशम कार्यालय इंदौर के सहायक संचालक ने बताया कि योजना के अंतर्गत कृषकों को एक एकड़ सिंचित निजी भूमि पर शहतूत (मलबरी) पौधारोपण कर मलबरी रेशम कृमिपालन अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। इच्छुक कृषक विभागीय रेशम पोर्टल https//eresham.mp.gov.in पर अपना ऑनलाइन पंजीयन कर योजना का लाभ प्राप्त कर सकते हैं। बताया गया कि रेशम उत्पादन से जुड़कर कृषक अपनी आय में वृद्धि कर सकते हैं। योजना से संबंधित अधिक जानकारी के लिए इच्छुक कृषक जिला रेशम कार्यालय इंदौर से कार्यालयीन समय पर संपर्क कर सकते हैं।

इंदौर की कॉलोनियों के संपत्ति कर रेट जोन में बदलाव स्वीकार्य नहीं, महापौर परिषद की बैठक में विरोध के बाद प्रस्ताव लिया वापस

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर की कॉलोनियों के संपत्तिकर रेट जोन में कोई बदलाव नहीं होगा। गुरुवार को हुई महापौर परिषद की बैठक में इसका प्रस्ताव तो रखा गया था, लेकिन एमआईसी के सभी सदस्यों ने एकमत होकर विरोध कर दिया। इसके बाद प्रस्ताव लौटाना पड़ा।

बैठक में नगर निगम के 539 विनियमित कर्मचारियों को स्थाई करने का प्रस्ताव भी स्वीकृत हुआ। इन कर्मचारियों के वेतन में तीन से पांच हजार रुपये प्रतिमाह की बढ़ोतरी होगी। बैठक में मुक्तिधाम और कब्रस्तान के संचालन के संबंध में मानक संचालन प्रक्रिया एसओपी बनाने का निर्णय लिया गया।

इसके अलावा विभिन्न स्थानों पर वर्षा जल संरक्षण के लिए 10 रिचार्ज बनाए जाने, छोटी ग्वालटोली स्थित सरदार वल्लभ भाई पटेल रोटरी का विकास और सुंदरीकरण करने, सरदार पटेल की पूर्व प्रतिमा हटाकर नई प्रतिमा स्थापित करने के प्रस्ताव को सहमति दी गई। यह भी तय किया गया कि सिनेमाघरों में बगैर नगर पालिक निगम, की अनुमति के प्रदर्शित किये जा रहे विज्ञापनों से लाइसेंस फीस ली जाए।

इन प्रमुख प्रस्तावों पर भी बनी सहमति- नगर निगम विश्राम बाग को 88 लाख रुपये वार्षिक रायल्टी पर निजी हाथों में सौंपेगा। इससे विश्राम बाग का रखरखाव भी हो सकेगा और निगम को राजस्व भी मिलेगा।

इस बात पर भी सहमति बनी कि कंसल्टेंसी और डीपीआर तैयार करने के लिए नए टेंडर बुलवाए जाएंगे। यह भी तय हुआ कि इस बार निगम रेट तय करने के बजाय कंसल्टेंट से दरें बुलवाई जाएं।

नगर निगम नारियल के बचे हिस्से से रस्सी बनाने का प्लांट पीपीपी मोड पर स्थापित करेगा।

बैठक में तय हुआ कि शहर के सभी मुक्तिधामों में एक दर पर लकडी और शंटियां उपलब्ध कराई जाएंगी। मुक्तिधामों में जो संस्थाएं काम करती हैं वे अपने हिसाब से इनके भाव तय नहीं कर सकेंगी।

निगम के कार्यक्रमों में नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय और अन्य जनप्रतिनिधियों के फोटो लगाए जाएंगे।

देवगुराडिया सीएनजी प्लांट की क्षमता बढ़ाने के बजाय अलग-अलग क्षेत्रों में स्थापित करेंगे नए प्लांट- स्वच्छता प्रभारी अश्विनी शुक्ला ने बैठक में कहा कि देवगुराडिया स्थित सीएनजी प्लांट जिस कंपनी के पास है वह कई साल से निगम को भुगतान नहीं कर रही है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने विश्व सिकलसेल दिवस के राज्य स्तरीय कार्यक्रम में लगाई गई प्रदर्शनी का किया अवलोकन

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने अपने पांच दिवसीय मध्यप्रदेश प्रवास के दौरान शुक्रवार को खंडवा जिले के ओंकारेश्वर में राष्ट्रीय सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन मिशन 2047 के अंतर्गत आयोजित विश्व सिकलसेल दिवस-2026 के राज्य स्तरीय कार्यक्रम में लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इस अवसर पर मध्यप्रदेश के राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल, आयुष विभाग मंत्री श्री इंदर सिंह परमार, जनजातीय कार्य विभाग मंत्री श्री विजय शाह, लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा विभाग राज्य मंत्री श्री नरेंद्र शिवाजी पटेल, धार्मिक न्यास राज्य मंत्री श्री धर्मेंद्र सिंह लोधी, सांसद श्री ज्ञानेश्वर पाटिल सहित अन्य जनप्रतिनिधि, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी और सिकलसेल उन्मूलन मित्र उपस्थित थे।

प्रदर्शनी के अवलोकन के दौरान राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने सिकलसेल उन्मूलन मिशन-2047 के तहत मध्यप्रदेश में किए जा रहे कार्यों, नवाचारों एवं जन-जागरूकता अभियानों की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने सिकलसेल रोग की रोकथाम, समय पर जांच, उपचार तथा प्रभावित परिवारों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने के लिए राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की।

प्रदर्शनी में चिकित्सा शिक्षा एवं स्वास्थ्य विभाग तथा आयुष विभाग द्वारा सिकलसेल रोग की पहचान, उपचार, परामर्श, जागरूकता अभियान तथा बचाव संबंधी उपायों को प्रभावी ढंग से प्रदर्शित किया गया। अधिकारियों ने राष्ट्रपति को मिशन के अंतर्गत चलाए जा रहे स्क्रीनिंग अभियान, जेनेटिक काउंसिलिंग, निःशुल्क उपचार व्यवस्था, सिकलसेल मोबाइल एप एवं पोर्टल एवं रोग उन्मूलन की कार्ययोजना की जानकारी दी।

जनजातीय कार्य विभाग एवं अनुसूचित जाति कल्याण विभाग द्वारा प्रदर्शनी में जनजातीय अंचलों में संचालित मोबाइल मेडिकल यूनिट की सेवाओं, सिकलसेल रोगियों के लिए उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं, अनुसूचित जाति राहत योजना तथा विभाग की अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रदर्शन किया गया। राष्ट्रपति ने इन प्रयासों की जानकारी लेकर उनकी उपयोगिता की सराहना की।

इसी प्रकार महिला एवं बाल विकास विभाग ने मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना, वन स्टॉप सेंटर, पोषण आहार, महिला हेल्पलाइन-181 सहित महिलाओं एवं बच्चों के कल्याण के लिए संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी प्रदर्शनी के माध्यम से प्रस्तुत की। राष्ट्रपति ने इन योजनाओं के माध्यम से समाज के कमजोर वर्गों तक पहुंचाई जा रही सेवाओं की भी प्रशंसा की।

प्रदर्शनी के अवलोकन के दौरान राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं प्रतिनिधियों से संवाद कर उनके कार्यों की जानकारी प्राप्त की तथा सिकलसेल उन्मूलन मिशन को सफल बनाने के लिए किए जा रहे समन्वित प्रयासों की सराहना की।

इस दौरान राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने सिकलसेल उन्मूलन मिशन 2047 से जुड़े सिकलसेल मित्रों, स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं और सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों के साथ ग्रुप फोटो भी खिंचवाया।

यह कार्यक्रम सिकलसेल रोग के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने तथा वर्ष 2047 तक इसके उन्मूलन के राष्ट्रीय संकल्प को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होगा।

इस दौरान बताया गया कि सिकलसेल रोग एक आनुवंशिक रक्त विकार है, जो माता-पिता से बच्चों में जीन के माध्यम से फैलता है। इस रोग में लाल रक्त कोशिकाएं सामान्य गोल आकार की बजाय हंसिए के आकार की हो जाती हैं। इसी कारण इसे सिकलसेल कहा जाता है। इन असामान्य कोशिकाओं के कारण शरीर में ऑक्सीजन का प्रवाह प्रभावित होता है और रक्त वाहिकाओं में रुकावट आ सकती है, जिससे कई स्वास्थ्य समस्याएं उत्पन्न होती हैं।

भारत सरकार और मध्यप्रदेश सरकार सिकलसेल उन्मूलन मिशन-2047 के तहत व्यापक स्तर पर जांच, उपचार और जन-जागरूकता अभियान चला रही हैं।

मुआवजे के लिखित आदेश लेने रोते हुए पहुंची महिला

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर सीएम डॉ. मोहन यादव बड़ा गणपति स्थित शासकीय शारदा कन्या विद्यालय में बच्चों से मिलने पहुंचे थे। इसी दौरान पीलिया खाल क्षेत्र में रहने वाली एक महिला उनके पास एक आवेदन लेकर पहुंची। महिला का कहना था कि मेट्रो स्टेशन के लिए उनके इलाके में 16 मकानों को तोड़ा जा रहा है।

इसमें उनका घर भी शामिल हैं। रोते हुए महिला ने सीएम डॉ. मोहन यादव से कहा कि उनके आस-पास तोड़े गए सभी मकान मालिकों को मुआवजा मिल गया है, लेकिन उन्हें यह नहीं मिला। महिला ने यह भी बताया कि वो तीन बहनें हैं। जब इसको लेकर अधिकारियों से बात की तो एसडीएम का कहना था कि बेटियों को मुआवजा नहीं दिया जाता है। महिला मुख्यमंत्री से रोते हुए कहने लगी कि उसे अभी मुआवजे के लिए लिखित आदेश दिलवाएं। इस दौरान सीएम ने इंदौर कलेक्टर के बुलाया और उनसे महिला को मुआवजा देने का आदेश दिया। फिर भी महिला लिखित आदेश के लिए जिद करती रही। इसके बाद सीएम ने महिला के आवेदन पर मुआवजा देने का आदेश लिखकर दिया।

महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने इंदौर विमानतल पर ससम्मान विदाई दी

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारत की महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू को उनके इंदौर प्रवास के उपरांत इंदौर विमानतल पर प्रदेश के जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने ससम्मान विदाई दी।

इस अवसर पर मंत्री श्री सिलावट ने महामहिम राष्ट्रपति को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका आत्मीय स्वागत-अभिनंदन किया तथा उनके सफल, गरिमामय एवं प्रेरणादायी इंदौर प्रवास के लिए आभार व्यक्त करते हुए शुभकामनाएं प्रेषित कीं। विदाई के दौरान प्रशासनिक अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों एवं अन्य गणमान्य नागरिकों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

शिक्षक अस्मिता, सेवाधिकार एवं सम्मान की रक्षा हेतु मध्य प्रदेश शिक्षक संघ का निर्णायक हस्तक्षेप

वर्ष 2010 से पूर्व नियुक्त शिक्षकों के अधिकारों के संरक्षण हेतु प्रधानमंत्री, केंद्रीय शिक्षा मंत्री, मुख्यमंत्री एवं स्कूल शिक्षा मंत्री के नाम सौंपा गया ज्ञापन

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। देश एवं प्रदेश के लाखों शिक्षकों की सेवा सुरक्षा, वरिष्ठता, पदोन्नति तथा संवैधानिक अधिकारों के संरक्षण के उद्देश्य से मध्य प्रदेश शिक्षक संघ, जिला शाखा मंदसौर द्वारा आज एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए जिलाधीश के माध्यम से भारत के प्रधानमंत्री, केंद्रीय शिक्षा मंत्री, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री एवं स्कूल शिक्षा मंत्री के नाम विस्तृत ज्ञापन सौंपा गया। यह महत्वपूर्ण अभियान मध्य प्रदेश शिक्षक संघ के प्रांतीय कोषाध्यक्ष श्री विनोद कुमार पुनी के कुशल मार्गदर्शन एवं नेतृत्व में संपन्न हुआ। ज्ञापन में वर्ष 2010 से पूर्व नियुक्त शिक्षकों के भविष्य, सेवाधिकारों एवं विधिक संरक्षण से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों को प्रमुखता से उठाया गया।

शिक्षकों के अधिकारों से जुड़ा गंभीर विषयों का ज्ञापन में उल्लेख किया गया कि भारतीय विधिक एवं प्रशासनिक व्यवस्था के मूल सिद्धांतों के अनुसार कोई भी नियम अथवा प्रावधान उसके लागू होने की तिथि से प्रभावी माना जाता है। ऐसे में वर्षों पूर्व तत्कालीन नियमों एवं निर्धारित पात्रताओं के आधार पर विधिवत नियुक्त शिक्षकों पर बाद में लागू किए गए मानदंडों को भूतलक्षी प्रभाव से लागू करना प्राकृतिक न्याय, वैधानिक समानता एवं संवैधानिक मूल्यों की भावना के अनुरूप नहीं है। संघ ने यह भी रेखांकित किया कि वर्ष 2010 से पूर्व नियुक्त शिक्षकों ने दशकों तक कठिन परिस्थितियों में कार्य करते हुए राष्ट्र निर्माण, सामाजिक जागरण और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के विस्तार में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। सर्वोच्च न्यायालय में पुनर्विचार याचिकाओं के निस्तारण के पश्चात उत्पन्न परिस्थितियों ने इस वर्ग में असुरक्षा एवं अनिश्चितता की भावना को जन्म दिया है, जिसका समाधान केवल नीतिगत एवं विधायी हस्तक्षेप के माध्यम से ही संभव है। संघ की प्रमुख मांगें जो उनमें 23 अगस्त 2010 से पूर्व नियुक्त सभी शिक्षकों को शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) की अनिवार्यता से स्थायी रूप से मुक्त किया जाए। शिक्षकों की सेवा, वरिष्ठता, पदोन्नति, वेतनमान एवं अन्य सभी सेवा लाभों को पूर्ण वैधानिक एवं विधायी संरक्षण प्रदान किया जाए। आवश्यकता पड़ने पर संसद में विशेष संशोधन अथवा विधायी प्रावधान लाकर इस वर्ग के शिक्षकों को स्थायी राहत प्रदान की जाए। केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी कर शिक्षकों में व्याप्त भ्रम एवं असमंजस की स्थिति का शीघ्र निराकरण किया जाए। मध्य प्रदेश शिक्षक संघ ने स्पष्ट किया कि संगठन सदैव शिक्षक सम्मान, सेवा सुरक्षा और शिक्षकों के संवैधानिक अधिकारों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध रहा है। शिक्षक केवल कर्मचारी नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण के आधार स्तंभ हैं। उनके सम्मान और अधिकारों की रक्षा समाज तथा शासन दोनों की सामूहिक जिम्मेदारी है। इस अवसर पर प्रांतीय मीडिया प्रभारी रामचंद्र मालवीय, संभागीय अध्यक्ष शंकरलाल आंजना, जिला अध्यक्ष विक्रम शर्मा, जिला सचिव भरतलाल पोपण्डिया, जिला कोषाध्यक्ष कांतिलाल राठौर सहित संघ के वरिष्ठ पदाधिकारी, कार्यकर्ता, ब्लॉक एवं तहसील इकाइयों के साथ प्रतिनिधि तथा 500 शिक्षक साथी उपस्थित रहे। मध्य प्रदेश शिक्षक संघ ने आशा व्यक्त की है कि केंद्र एवं राज्य सरकार शिक्षकों की भावनाओं का सम्मान करते हुए शीघ्र सकारात्मक निर्णय लेकर लाखों शिक्षक परिवारों को न्याय प्रदान करेगी।

बारिश में सावधानी जरूर बरतें, बिजली आपूर्ति अवरुद्ध होने पर 1912 अथवा चैटवॉट 0755-2551222 पर संपर्क करें

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। आंधी-तूफान और बारिश जैसे मौसम में भी बिजलीकर्मी युद्ध स्तर पर काम करने में जुट जाते हैं। इस जोखिम भरे काम के लिए लाइनकर्मी इस बात को ध्यान में रखकर सुरक्षा उपकरणों के साथ ही खम्बे पर चढ़ते हैं। ऐसी स्थिति में विद्युत वितरण कंपनियों ने बिजली उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे बिजली कंपनी या बिजली कर्मचारियों को दोष देने से बचें तथा बिजली की आपूर्ति बहाल करने किए जा रहे सुधार कार्य में सहयोग करें।

आंधी-तूफान और बारिश में विद्युत आपूर्ति अवरुद्ध (लोकल फाल्ट) होने की घटना ज्यादा होती है। देर रात बिजली गुल होने के कुछ देर बाद आ जाती है। वैसे तो आधुनिकीकरण की दिशा में काम चल रहे हैं फिर भी बिजली की ओवर हेड लाइन का जाल ऐसा है कि उसे चालू अथवा बंद रखने के लिए लाइनकर्मी की ही जरूरत होती है। ऐसे मौसम में जब बिजली गुल होती है तो निश्चित ही अंधेरे में खुद की जान जोखिम में डालकर कोई लाइन कर्मचारी खम्बे पर चढ़ा होता है। यह बात उपभोक्ता को अपने जहन में रखना ही होगी। साथ ही बिजलीकर्मी द्वारा उठाए गए कदमों को समझना चाहिए।

बिजली के खम्बों में बिजली प्रवाहित न हो, इसके लिए आपने सफेद रंग के इंसुलेटर पोल में लगे होते हैं। यह इंसुलेटर धूप अथवा बिजली प्रवाह के कारण गरम होते हैं, उन पर बारिश में पानी की एक बूंद पड़ते ही वह चटक जाते हैं और बिजली का प्रवाह पोल से जमीन पर उतरता है। इस दौरान तत्काल आटोमेटिक प्रणाली क्रियान्वित होकर फीडर बंद हो जाते हैं। यदि फीडर बंद न हुआ तो जानमाल की हानि होने की संभावना होती है। जब बिजली लाइन में अचानक कोई अवरोध होता है, उस समय बिजली उपकेन्द्र के कर्मचारी समीप के उपकेन्द्र से संपर्क कर उनके यहां बिजली आपूर्ति है या नहीं, इसकी जानकारी लेते हैं। बिजली आपूर्ति सुचारू होने की बात पक्की होने के बाद ही फीडर चालू किया जाता है। यदि फीडर बंद हुआ है तो उसे खराब घोषित किया जाता है।

फीडर में आई खराबी या फाल्ट को ढूंढना आसान नहीं होता है। आंधी-तूफान, बारिश और अंधेरे की परवाह न करते हुए खोज मुहिम हाथ में ली जाती है, कभी बंद पड़ी बिजली के सभी खम्बों की जांच करना पड़ती है और कभी-कभी गड़बड़ी कुछ पोल के बीच ही मिल जाती है। इसलिए उपभोक?ता धैर्य का परिचय देते हुए सुधार कार्य में जुटे अमले का सहयोग अवश?य करें। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने कहा है कि बारिश के दौरान कुछ महत्वपूर्ण बातों का ध्यान रखा जाए तो कई तरह के व्यवधानों से बचा जा सकता है।

घर में एम. सी. बी. (मिनियेचर सर्किट ब्रेकर) स्विच जरूरी लगाना चाहिए, जिससे घर की बिजली प्रवाह में कोई गड़बड़ी होने पर बिजली आपूर्ति स्वतः बंद हो जाती है और जानमाल की हानि को टाला जा सकता है। हर घर में अर्थिंग होना चाहिए जिसकी समय-समय पर जांच करना चाहिए। जहां पर बिजली उपकरण रखे हैं वहां पर सीलन नहीं होनी चाहिए। उनकी वायरिंग गीली जगह पर नहीं होना चाहिए। इसे सुरक्षित होना चाहिए।

कलेक्टर की संवेदनशील पहल से 7 बच्चों को मिला सुरक्षित भविष्य

विदिशा/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता के निर्देशन एवं सतत निगरानी के परिणामस्वरूप आज 7 जोखिमग्रस्त बच्चों को भिक्षावृत्ति एवं कचरा-पन्नी बीनने जैसी परिस्थितियों से मुक्त कर सुरक्षित संरक्षण उपलब्ध कराया गया। महिला एवं बाल विकास विभाग की टीम द्वारा बस स्टैंड क्षेत्र में अभियान चलाकर 4 बच्चों को भिक्षावृत्ति करते हुए चिन्हित किया गया, जिन्हें तत्काल रेस्क्यू किया गया। इसी दौरान कलेक्टर महोदय द्वारा डंडापुरा क्षेत्र में 3 बच्चों को कचरा-पन्नी बीनते हुए देखा गया। उन्होंने तत्काल इसकी जानकारी जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती विनीता लोढ़ा को दी। सूचना प्राप्त होते ही जिला कार्यक्रम अधिकारी द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए टीम को मौके पर भेजा गया और तीनों बच्चों को भी सुरक्षित रेस्क्यू कराया गया। इस प्रकार कुल 7 बच्चों को संरक्षण में लेकर बाल कल्याण समिति के समक्ष प्रस्तुत किया गया। समिति के अध्यक्ष श्री रामबाबू प्रजापति एवं सदस्यों श्रीमती सुनीता दांगी, श्रीमती लक्ष्मी शर्मा, श्री चंद्रभान सिंह बघेल तथा श्री दीवान सिंह मीना ने बच्चों से आत्मीय चर्चा कर उनका मनोबल बढ़ाया तथा शिक्षा एवं सुरक्षित जीवन के महत्व से अवगत कराया। बाल कल्याण समिति द्वारा बच्चों के सर्वोत्तम हित को ध्यान में रखते हुए 3 बच्चों को शिशु गृह विदिशा, 3 बच्चों को वन स्टॉप सेंटर विदिशा तथा 1 बच्चे को बाल निकेतन भोपाल में सुरक्षित आश्रय प्रदान करने के निर्देश दिए गए। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित यह अभियान जिले के ऐसे बच्चों को मुख्यधारा से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित हो रहा है।

कार्यशाला : मृदा स्वास्थ्य संरक्षण, संतुलित उर्वरक उपयोग तथा प्राकृतिक खेती पर किसानों को किया जागरूक

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। किसान कल्याण तथा कृषि विकास उप संचालक द्वारा बताया गया कि उद्यानिकी महाविद्यालय सभागार मन्दसौर में प्राकृतिक/जैविक कार्यशाला का आयोजन सांसद सुधीर गुप्ता की गरिमामय उपस्थिति में किया गया। उक्त कार्यक्रम में जनप्रतिनिधिगण तथा उप संचालक कृषि रविन्द्र मोदी, वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. जीएस चुण्डावत अधिकारी/कर्मचारी सहित लगभग 400 महिला एवं पुरूष कृषकों ने भाग लिया।

कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों को प्राकृतिक खेती, मृदा स्वास्थ्य संरक्षण, संतुलित उर्वरक उपयोग तथा कृषि एवं एल्लाईड विभाग की विभिन्न योजनाओं के प्रति जागरूक करना है, कार्यशाला में उपस्थित कृषकों, महिला किसानों एवं ग्रामीणजनों को प्राकृतिक खेती के विभिन्न घटकों की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।

विशेषज्ञों द्वारा जैविक एवं प्राकृतिक खेती से उत्पादित फसलों के प्रमाणीकरण तथा उनकी बाजार व्यवस्था पर चर्चा करते हुए किसानों को बेहतर मूल्य प्राप्त करने के उपाय बताए गए। कार्यक्रम में मृदा परीक्षण एवं मृदा स्वास्थ्य कार्ड के महत्व पर प्रकाश डालते हुए मृदा की उर्वरता बनाए रखने के लिए आवश्यक सुझाव दिए गए। साथ ही कृषि, उद्यानिकी एवं पशुपालन विभाग द्वारा संचालित विभिन्न हितग्राहीमूलक योजनाओं की जानकारी किसानों तक पहुंचाई गई। किसानों को संतुलित एवं विवेकपूर्ण उर्वरक उपयोग के महत्व से अवगत कराया गया तथा आकस्मिक कृषि योजना अंतर्गत दलहन, तिलहन एवं मिलेट फसलों के उत्पादन एवं प्रबंधन संबंधी तकनीकी जानकारी दी गई। प्राकृतिक खेती के अंतर्गत मित्र कीटों के संरक्षण एवं संवर्धन की आवश्यकता पर विशेष चर्चा करते हुए कृषि पारिस्थितिकी तंत्र में उनकी भूमिका को समझाया गया।

श्री न्यायपति तोपवाले बालाजी मंदिर पर पांच दिवसीय महोत्सव संपन्न

भव्य प्राण प्रतिष्ठा, महायज्ञ और स्वर्ण कलश आरोहण के साक्षी बने हजारों श्रद्धालु

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। धार्मिक नगरी मन्दसौर में श्रद्धा, भक्ति और उल्लास का एक अनूठा संगम देखने को मिला, जहाँ श्री न्यायपति तोपवाले बालाजी मंदिर परिसर में आयोजित पांच दिवसीय भव्य धार्मिक महोत्सव का सफलतापूर्वक समापन हुआ। मंदिर समिति के तत्वावधान में 13 से 17 जून तक चले इस गरिमामयी आयोजन में प्राण प्रतिष्ठा, पंचकुण्डात्मक महायज्ञ और स्वर्ण कलश आरोहण जैसे पवित्र अनुष्ठान संपन्न हुए, जिसमें क्षेत्र के हजारों श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और धर्म लाभ कमाया।

इस पांच दिवसीय महोत्सव के चौथे दिन 16 जून, मंगलवार को नगर में एक विशाल और भव्य शोभायात्रा निकाली गई। यह भव्य शोभायात्रा बड़े बालाजी बस स्टैंड से गाजे-बाजे के साथ प्रारंभ हुई, जो नगर के विभिन्न प्रमुख मार्गों और चौराहों से होती हुई तोपवाले बालाजी मंदिर परिसर पहुँची। शोभायात्रा का दृश्य अत्यंत मनोहारी था, जिसमें बड़ी संख्या में मातृशक्ति अपने सिर पर मंगल कलश धारण कर कतारबद्ध होकर चल रही थी। भक्ति गीतों की सुमधुर धुनों और पारंपरिक नृत्यों ने पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया। शोभायात्रा में विशेष रूप से सजी बग्गी में पूज्य संतजन विराजमान थे, जिनका मार्ग में जगह-जगह पुष्पवर्षा कर स्वागत किया गया और उपस्थित जनसमुदाय ने उनका आशीर्वाद प्राप्त किया।

महोत्सव के अंतिम और पांचवें दिन 17 जून, बुधवार को मुख्य धार्मिक अनुष्ठान संपन्न हुए। प्रातः 10 बजकर 48 मिनट के अति शुभ मुहूर्त में वैदिक विद्वानों के आचार्यत्व में मंदिर गर्भगृह में माता लक्ष्मी, भगवान कुबेर, संपूर्ण शिव परिवार, दिव्य स्फटिक शिवलिंग और न्याय के देवता शनिदेव की प्रतिमाओं की पूर्ण विधि-विधान और शास्त्रोक्त रीति से प्राण प्रतिष्ठा की गई। इस मंदिर की विशेषता यह है कि जो दिव्य स्फटिक शिवलिंग के दर्शन मात्र से भक्तों का कल्याण होता है यह मध्यप्रदेश का दूसरा स्फटिक शिवलिंग है जो मंदसौर में स्थापित हुआ है। इसी पावन घड़ी में मंदिर के शिखर पर चमचमाता स्वर्ण कलश स्थापित किया गया और साथ ही तीन ध्वजा दंड भी पूरी श्रद्धा के साथ आरोहित किए गए। इसके पश्चात वेदाचार्यों द्वारा उच्चारित वैदिक मंत्रों की गूंज के बीच पंचकुण्डात्मक महायज्ञ की पूर्णाहुति हुई, जिसमें यजमानों ने लोक कल्याण, सुख-समृद्धि और विश्व शांति की कामना के साथ आहुतियां दीं। सभी धार्मिक अनुष्ठान और महायज्ञ विधि-विधान से संपन्न होने के बाद, 17 जून की शाम को मंदिर परिसर में एक विशाल भंडारे (महाप्रसादी) का आयोजन किया गया। इस महाप्रसादी में मन्दसौर सहित आसपास के क्षेत्रों से आए हजारों भक्तों ने पूरी श्रद्धा के साथ प्रसादी ग्रहण की, जिससे देर रात तक परिसर में उत्सव जैसा माहौल बना रहा। इस भव्य और ऐतिहासिक आयोजन को सफल बनाने में जिन भी दानदाताओं और सहयोगियों ने अपना निस्वार्थ योगदान दिया, उन सभी के प्रति तोपवाले बालाजी मंदिर समिति ने हृदय से आभार व्यक्त किया और बालाजी महाराज से उनके मंगल की कामना की।

जिले के किसान भाई प्राकृतिक खेती को अपनाए- विधायक श्री परिहार

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहित करने के लिए शुक्रवार को जिला स्तर पर विधायक श्री दिलीपसिंह परिहार के मुख्य आतिथ्य में एक दिवसीय प्राकृतिक खेती पर आधारित कार्यशाला आयोजित की गई।

कार्यशाला में कृषि वैज्ञानिकों एवं प्राकृतिक खेती करने वाले किसानों ने प्राकृतिक खेती के अनुभव साझा करते हुए किसानों को रासायनिक खादों एवं कीटनाशकों के दुष्प्रभावों से अवगत कराते हुए, पूर्णतः प्राकृतिक खेती और पर्यावरण अनुकूल खेती अपनाने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि विधायक श्री दिलीपसिंह परिहार, जिला अध्यक्ष श्रीमती वंदना खण्डेलवाल, जिला पंचायत, कृषि समिति सभापतिश्रीमती मनीषा धाकड़, जिला अध्यक्ष किसान संघ श्री राजू नागदाऔर कृषि वैज्ञानिक, कृषि, आत्मा, उद्यानिकी, पशुपालन विभाग के जिला एवं खण्ड स्तरीय अधिकारी तथा बड़ी संख्या में जैविक एवं प्राकृतिक खेती करने वाले किसान बन्धु उपस्थित थे।

कार्यशाला में विधायक श्री परिहार ने प्राकृतिक खेती पर जोर देते हुए कहा, कि प्राकृतिक खेती केवल पर्यावरण की रक्षा नहीं करती बल्कि यह किसानों की खेती की लागत को कम कर शुद्ध मुनाफे को बढ़ाती है। उन्होने किसानों से अपील करते हुए शुरुआत में अपने खेत के एक छोटे से हिस्से में प्राकृतिक खेती का प्रयोग करते हुए धीरे-धीरे पूरे खेत को प्राकृतिक खेती में बदलने की सलाह दी।

कार्यशाला में उपस्थित किसान बंधुओं को श्रीमती वंदना खण्डेलवाल, श्रीमती मनीषा धाकड़, श्री राजू नागदा, श्री महेन्द्र भटनागर, ने भी संबोधित किया। कार्यशाला में प्राकृतिक खेती करने वाले दो किसानों को सम्मानित किया गया। अंत में उप संचालक कृषि श्री दिनेश मण्डलोई, ने आभार व्यक्त किया।

ब्राह्मण समाज के विरुद्ध आपत्तिजनक टिप्पणी पर एफआईआर की मांग, राष्ट्रीय परशुराम सेना ने की कार्रवाई की मांग

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक पर ब्राह्मण समाज के विरुद्ध कथित आपत्तिजनक एवं भड़काऊ टिप्पणी किए जाने के मामले में राष्टीय परशुराम सेना ने कड़ा विरोध दर्ज कराया है। मामले को गंभीरता से लेते हुए राष्टीय परशुराम सेना के जिला उपाध्यक्ष विनोद शर्मा एवं अजय शर्मा भावगढ़ थाने पहुंचे और संबंधित व्यक्ति के विरुद्ध शिकायत दर्ज कराते हुए एफआईआर की मांग की। शिकायत में आरोप लगाया गया कि सोशल मीडिया पर साझा की गई पोस्ट में ब्राह्मण समाज के प्रति अपमानजनक एवं भड़काऊ टिप्पणी की गई, जिससे समाज की भावनाएं आहत हुई हैं तथा सामाजिक सौहार्द प्रभावित होने की आशंका है। राष्टीय परशुराम सेना के पदाधिकारियों ने कहा कि किसी व्यक्ति विशेष के कथित कृत्य को आधार बनाकर पूरे समाज को बदनाम करना अनुचित है तथा ऐसे मामलों में कठोर कानूनी कार्रवाई होना आवश्यक है। संगठन ने पुलिस प्रशासन से दोषी व्यक्ति के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की मांग की। इस दौरान राष्टीय परशुराम सेना के जिला अध्यक्ष श्रीकांत शर्मा, कामेश शर्मा सहित संगठन के अन्य पदाधिकारी एवं समाजजन भी उपस्थित रहे। सभी ने एक स्वर में सामाजिक सद्भाव बनाए रखने तथा समाज विशेष के विरुद्ध आपत्तिजनक टिप्पणियां करने वालों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की।

प्राकृतिक खेती ही भविष्य की राह, कृषि विज्ञान मेले में किसानों को किया जागरूक

जबलपुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने तथा किसानों को शासकीय योजनाओं का लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से राज्य शासन के निर्देशानुसार विश्व पर्यावरण दिवस से अंतरराष्टीय योग दिवस तक चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत शुक्रवार को कृषि विश्वविद्यालय के सरदार वल्लभभाई पटेल सभागार में आत्मा परियोजना के अंतर्गत जिला स्तरीय कृषि विज्ञान मेले का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि राज्यसभा सदस्य श्रीमती सुमित्रा वाल्मीक ने किसानों से प्राकृतिक खेती अपनाने और इसके प्रचार-प्रसार में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक खेती न केवल पर्यावरण संरक्षण में सहायक है, बल्कि किसानों की आय बढ़ाने और लोगों को स्वस्थ खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराने का भी सशक्त माध्यम है। इस अवसर पर पनागर विधायक श्री सुशील कुमार तिवारी इंदु ने आधुनिक कृषि में रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के बढ़ते उपयोग से होने वाले दुष्प्रभावों के प्रति किसानों को सचेत किया। वहीं विधायक श्री अजय विश्नोई एवं श्री अशोक रोहाणी ने प्राकृतिक खेती के विभिन्न आयामों की जानकारी देते हुए बताया कि बाजार में प्राकृतिक उत्पादों की मांग लगातार बढ़ रही है, जिससे किसानों को बेहतर आर्थिक लाभ मिल सकता है। कार्यक्रम में संभागायुक्त धनंजय सिंह ने किसानों से संवाद कर उनकी समस्याएं और जिज्ञासाएं सुनीं तथा प्राकृतिक खेती एवं विभिन्न शासकीय योजनाओं से जुड़े सवालों का सकारात्मक समाधान किया। संभागायुक्त ने इस अवसर पर पौधारोपण भी किया। कार्यक्रम में जेडीए अध्यक्ष संदीप जैन, जेडीए उपाध्यक्ष प्रशांत केशरवानी, भाजपा शहर अध्यक्ष रत्नेश सोनकर, ग्रामीण अध्यक्ष राजकुमार पटेल, भाजपा के प्रदेश कोषाध्यक्ष अखिलेश जैन सहित किसान मोर्चा के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे। जेएनकेवीवी की अधिष्ठाता अल्पना सिंह ने भी कार्यक्रम में सहभागिता की। विशेषज्ञों ने दी तकनीकी जानकारी :– कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति श्री पी के मिश्रा ने किसानों को जैव इनपुट एवं बायो रिसोर्स सेंटर की उपयोगिता के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी। वहीं कृषि के संयुक्त संचालक के एस नेताम, उप संचालक उमेश कुमार कटहरे तथा आत्मा योजना की उप परियोजना संचालक नविता श्रीवास्तव ने प्राकृतिक खेती के महत्व, उसकी आवश्यकता और रासायनिक खेती से होने वाले नुकसान पर विस्तार से प्रकाश डाला।

शासकीय कार्यालयों में मितव्ययता बरतने के निर्देश

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों के दृष्टिगत प्रधानमंत्री के आह्वान के चलते राज्य शासन ने शासकीय कार्यालयों में मितव्ययता बरतने के साथ ही आमजन के बीच जन-जागरूकता अभियान चलाने के लिये विभाग प्रमुख और कलेक्टर्स को निर्देश जारी किए हैं। निर्देश में कहा गया है कि अनावश्यक यात्रा और व्यय में कमीं लाने के लिए विभागीय बैठकों, कार्य-शालाओं, प्रशिक्षण कार्यक्रमों एवं सेमीनारों का आयोजन यथा संभव वीडियों कांफ्रेंसिंग अथवा हाईब्रिड माध्यम से किया जाए।

सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी निर्देश अनुसार अधिकारियों एवं कर्मचारियों को कार्यालय आने-जाने के लिए सार्वजनिक परिवहन, कार-पूलिंग इलेक्ट्रिक वाहनों के उपयोग के लिए प्रोत्साहित करने पर बल दिया गया है। भारसाधक सचिव अपने अधीनस्थों की प्रदेश के बाहर की यात्राएं अत्यावश्यक परिस्थितियों में ही स्वीकृत करेंगे। भार साधक सचिव की प्रदेश के बाहर शासकीय कार्य के लिए यात्राएं पूर्व अनुसार मुख्य सचिव के अनुमोदन उपरांत स्वीकृत की जाएंगी। सभी विभाग भारत सरकार से संबंधित प्रकरणों के अनुसरण के लिए आवासीय आयुक्त नई दिल्ली-मुंबई की सहायता ले सकेंगे।

कृषि, उद्यानिकी तथा संबद्ध विभाग को प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने एवं रासायनिक उर्वरकों के संतुलित उपयोग को अभियान के रूप में संचालित करने के निर्देश दिए गए हैं। इसी तरह पाइप्ड नेचुरल गैस की लाइन के विस्तार के लिए खाद्य नागरिक आपूर्ति विभाग को तेजी से काम करने के निर्देश दिए गए हैं। खाद्य विभाग को प्रधानमंत्री उज्जवला योजना तथा एलपीजी उपभोक्ताओं के डुप्लीकेट और अपात्र कनेक्शनों की पहचान और उसके निराकरण के लिए अभियान चलाने को कहा गया है। निर्माण विभागों को पर्यावरण अनुकूल निर्माण सामग्री के उपयोग करने और आमजन के बीच ऐसी सामग्री के प्रचार-प्रसार के उपयोग के लिए निर्देश दिए गए हैं।

नीमच में 21 जून को होने वाली NEET पुनः परीक्षा की तैयारियां पूर्ण, नीमच के दो केंद्रों पर 926 परीक्षार्थी देंगे परीक्षा

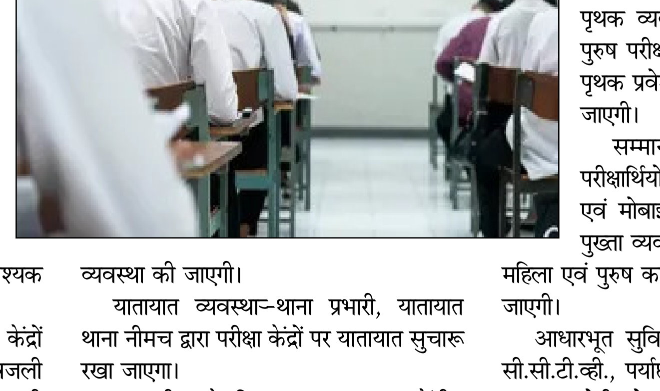

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राष्टीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा 2026 का आयोजन रविवार, 21 जून 2026 को दोपहर 02ः00 बजे से सायं 05ः15 बजे तक जिले के दो परीक्षा केंद्रों पर निर्धारित समयानुसार किया जाएगा। परीक्षा केन्द्र श्री सीताराम जाजू कन्या महाविद्यालय, नीमच में 456 परीक्षार्थी शामिल होंगे। स्वामी विवेकानंद पी.जी.कॉलेज नीमच,में 470 परीक्षार्थी इस तरह कुल 926 परीक्षार्थी इस परीक्षा में शामिल होंगे। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा के निर्देशन में नीट परीक्षा की सभी आवश्यक प्रशासनिक तैयारी पूरी कर ली गई है।

बैठक में निर्देश दिए गये है, कि परीक्षा केंद्रों पर, म.प्र.वि.वि.कं.लि.नीमच द्वारा निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी। जनरेटर की वैकल्पिक व्यवस्था कर बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी।

एम्बुलेंस व्यवस्था:–मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा 21 जून को दोनों केंद्रों पर मय चिकित्सा स्टॉफ एम्बुलेंस की व्यवस्था रहेगी।

फायर ब्रिगेड एवं पेयजल:– मुख्य नगरपालिका अधिकारी द्वारा आपातकालीन स्थिति से निपटने हेतु फायर ब्रिगेड एवं पीने के पानी की व्यवस्था की जाएगी।

यातायात व्यवस्था:–थाना प्रभारी, यातायात थाना नीमच द्वारा परीक्षा केंद्रों पर यातायात सुचारू रखा जाएगा।

इस परीक्षा के लिए नगर समन्वयक केंद्रीय विद्यलय नीमच के प्रायार्च श्री प्रियदर्शन गर्ग ने बताया, कि 21 जून को परीक्षार्थियों का केंद्रों पर प्रवेश प्रातः 11 बजे से प्रारंभ होगा और दोपहर 1.30 बजे तक ही प्रवेश का अंतिम समय रहेगा। परीक्षा केंद्रों पर प्रवेश पत्र के साथ परीक्षार्थियों को एक पासपोर्ट साईज एवं एक पोस्ट कार्ड साईज फोटो तथा परिचय पत्र लाना अनिवार्य रहेगा। परीक्षार्थी कोई भी प्रतिबंधित सामग्री लेकर केंद्र पर प्रवेश नहीं कर सकेंगे। परीक्षार्थियों को केवल पारदर्शी पानी की बोटल के साथ प्रवेश अनुमत रहेगा।

परीक्षा संबंधी महत्वपूर्ण निर्देशः पृथक व्यवस्थाः केंद्र पर महिला एवं पुरुष परीक्षार्थियों के प्रवेश की पृथक-पृथक प्रवेश की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी।

सम्मानजनक फ्रिस्किंगः महिला परीक्षार्थियों की सम्मानजनक फ्रिस्किंग एवं मोबाइल आदि सामग्री रखने की पुख्ता व्यवस्था रहेगी। फ्रिस्किंग प्रक्रिया महिला एवं पुरुष कर्मचारी द्वारा पृथक-पृथक की जाएगी।

आधारभूत सुविधाएंः सभी परीक्षा कक्षों में सी.सी.टी.व्ही., पर्याप्त प्रकाश, पंखे व कूलर की व्यवस्था रहेगी। पेयजल की उत्तम व्यवस्था एवं आपात प्रकाश के लिए जनरेटर सेट उपलब्ध रहेगें।

सुरक्षा व्यवस्थाः केंद्रों पर बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण, लाइव सीसीटीवी निगरानी एवं एच.एच.एम.डी. के माध्यम से तलाशी की व्यवस्था की गई है। थ्री-लेयर सुरक्षा लागू रहेगी।परीक्षा केंद्रों पर पर्याप्त संख्या में सुरक्षा व्यवस्था रहेगी।

सम्पादकीय

जी7 शिखर सम्मेलन में भारत की कूटनीतिक बढ़त, विवाद पर सामंजस्य भारी

जब दुनिया की सबसे धनी अर्थव्यवस्थाओं के नेता फ्रांस के शहर एवियां-ले-बैन में एकत्रित हुए तो राजनयिकों ने राहत की सांस ली कि यह तीन दिवसीय आयोजन बिना किसी बड़े विवाद के और कुछ सफलताओं के साथ संपन्न हुआ। कनाडा में हुई पिछली बैठक जहां अमेरिका के नेतृत्व वाले व्यापार युद्ध के तनाव और रूस द्वारा यूक्रेन पर आक्रमण को लेकर मतभेदों की छाया में संपन्न हुई थी, वहीं एवियां में उल्लेखनीय सामंजस्य और सौहार्द देखने को मिला।

हॉट माइक पर दर्ज नेताओं के बीच की बातचीत से भी यह साफ है। बैठक के पहले जो भी आशंकाएं थीं वे अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप द्वारा ईरान के साथ समझौते की घोषणा से काफी हद तक कम हो गईं। यह घोषणा एवियां सम्मेलन से कुछ दिन पहले हुई थी जिसके बाद होर्मुज स्ट्रेट के खुलने और पश्चिम एशिया में शांति पैदा होने की उम्मीद बनी। एवियां में दूसरा सबसे बड़ा लाभार्थी यूक्रेन रहा। यद्यपि राष्ट्रपति वोलोदीमिर जेलेंस्की को ट्रंप के साथ द्विपक्षीय बातचीत का मौका नहीं मिला लेकिन जी 7 ने अपने मतभेदों को दरकिनार कर अमेरिका को एकीकृत संयुक्त वक्तव्य पर हस्ताक्षर करने के लिए राजी कर लिया।

इसमें रूस के विरुद्ध युद्ध में यूक्रेन का समर्थन करने का वादा किया गया। ट्रंप द्वारा अतीत में दिखाए गए असमंजस और रूसी राष्ट्रपति व्लादीमिर पुतिन के प्रति उनके खुले पक्षपात को देखते हुए यह समझौता एक बड़ी उपलब्धि है। हालांकि इस कठिनाई से हासिल प्रगति पर संदेह बैठक के अंत की ओर तब जरूर पैदा हो सकता था जब ट्रंप ने कहा कि यदि वे शांति समझौते से असंतुष्ट हुए तो ईरान पर बमबारी फिर से शुरू करेंगे। इस बयान ने उनकी स्वभावगत अनिश्चितता को रेखांकित किया।

इन तमाम भूराजनीतिक सफलताओं की बात करते हुए यह याद रखने की जरूरत है कि दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश चीन इस मंच से अनुपस्थित रहता आया है। उसका राज्य के नेतृत्व वाला सब्सिडी प्रधान मॉडल वैश्विक वृद्धि पर असर डालता है। यह बैठक समृद्ध लोकतांत्रिक देशों की है लेकिन किसी भी चीनी नेता ने सदस्य या सामान्य अतिथि के रूप में इसमें हिस्सा नहीं लिया।

रूस भी 2014 में पुतिन द्वारा क्राइमिया पर आक्रमण तक इसका सदस्य था। 'संतुलित, साझा और सतत आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा देने' के विषय पर एक सत्र और संयुक्त वक्तव्य में वैश्विक असंतुलनों के गरीब देशों पर प्रतिकूल आर्थिक प्रभावों के बारे में एक औपचारिक घोषणा ने चीन के प्रभुत्व और जी7 की समाधान खोजने में अक्षमता को केवल कमजोर रूप से स्वीकार किया।

विकासशील देशों के आमंत्रित नेताओं ने ही चीन के कथानक का सबसे प्रभावी ढंग से प्रतिवाद किया। इनमें भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, ब्राजील के राष्ट्रपति लुई इनासियो लूला डी सिल्वा और केन्या के राष्ट्रपति विलियम रुटो शामिल थे। दक्षिण कोरिया और मिस्र के नेताओं के साथ उन्हें पारंपरिक सहायता से निवेश की ओर बढ़ने पर चर्चा करने के लिए आमंत्रित किया गया था। खबरों के मुताबिक प्रधानमंत्री मोदी ने कार्य सत्र में चर्चाओं का नेतृत्व किया। उन्होंने जी7 की साझेदारी की अपील का समर्थन किया लेकिन साथ ही संघर्षों के झटके को झेलने में विकासशील देशों के लिए समर्थन पर भी बल दिया।

कुल मिलाकर एवियां में मोदी की अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा और यूक्रेन के नेताओं के साथ आयोजित द्विपक्षीय बैठकों तथा जर्मनी के चांसलर और संयुक्त अरब अमीरात के नेतृत्व के साथ संपर्क ने भारत के हितों को आगे बढ़ाने में काफी योगदान दिया। एक उपलब्धि ब्रिटेन के साथ एक वर्ष पहले हस्ताक्षरित मुक्त व्यापार समझौते की कार्यान्वयन तिथि (15 जुलाई) को अंतिम रूप देना भी था जिसमें भारतीय इस्पात निर्यात के 85 फीसदी के लिए आयात सुरक्षा उपायों से महत्त्वपूर्ण छूट शामिल है।

ट्रंप के साथ प्रधानमंत्री मोदी की प्रमुख द्विपक्षीय बैठक ऐसे समय में हुई है जब अमेरिका-पाकिस्तान के बढ़ते गठजोड़, दंडात्मक शुल्क, लंबे समय से चल रही व्यापार समझौते की चर्चाओं और अमेरिकी नौसेना के हमले से भारतीय नाविकों की मौत पर भारत के विरोध के कारण दोनों देशों का रिश्ता तनावपूर्ण दौर से गुजर रहा था। इस संदर्भ को देखते हुए यह बैठक भारत के लिए तनाव में जरूरी कमी का संकेत देती है। खासकर उस समय जब वैश्विक अर्थव्यवस्था उथल-पुथल के दौर से गुजर रही है।

योग ने रची है भारतीय संस्कृतिः परम पूज्य श्री माता जी

प्रागैतिहासिक काल से आज तक योग की पद्धति में नित नए आविष्कार नए परिवर्तन और समस्त मानव जाति के उत्थान के लिए कार्य हुआ है परंतु योग का हमारी भारतीय संस्कृति से क्या संबंध है, सहजयोग की फाउंडर श्री माताजी निर्मला देवी जी ने योग और भारतीय संस्कृति के विषय पर व्यापक चर्चा की है। अगर यह जानना चाहें तो पाते हैं कि भारतीय संस्कृति का मूल आधार जो शांति का पोषण करता है वह योग की देन है कारण की जिस विश्व शांति का उद्घोषक भारत रहा है उसे भारतीयों ने बाहर नहीं अपने भीतर खोजा था। शांति की खोज पहले भीतर हुई और फिर वह बाहर फैला। यही परंपरा भारत में योग के द्वारा स्थापित है। प्रथम शरीर, मन, बुद्धि से होते हुए आत्मा तक पहुंचकर आत्मिक शांति की खोज की जाती है और तब मनुष्य विश्व शांति की बात कर सकता है। आक्रोशित आवेशित व्यक्ति की प्रतिक्रिया बढ़ती है। उसका उन पर नियंत्रण नहीं रह सकता। ऐसा व्यक्ति विश्व शांति की बात करने का अधिकारी ही नहीं है। शांति का दूत वही बन सकता है जो जोड़ने की बात करे, एकात्मता की बात करे। इस प्रकार योग भारतीय संस्कृति में भीतर तक रचता बसता है, करुणा भारतीय संस्कृति का श्रृंगार है, यह समर्पण सिखाती है, यह अहंकार प्रति अहंकार भावनाओं के द्वंद से लड़ना सिखाती है इसमें माधुर्य का बड़ा महत्व है। यही आचरण की बात आती है कि यदि हमारा आचरण और व्यवहार मधुर और शांतिपूर्ण होगा तभी हम विश्वशांति के उद्घोषक हो सकेंगे ज्ञान को पाकर मस्तिष्क अहंकारी हो जाता है, प्रगल्भ मस्तिष्क बाहरी खोज के कारण अहंकार से भर जाता है। इसी मस्तिष्क की प्रगल्भता को, मस्तिष्क की गहनता को यदि बाहर से भीतर की ओर उन्मुख कर दें तो यह योग के आत्म साक्षात्कार की जीवंत घटना को प्रकट करती है। इसे ही सहज योग बड़ी सरलता से घटित करता है जिसमें श्री माताजी निर्मला देवी द्वारा मानव जाति को सामूहिक आत्म साक्षात्कार देने की पद्धति अविष्कृत की गई है। सहज योग छोटी-छोटी प्रार्थना उसे मानव मन को बुद्धि की प्रगल्भता से हटाकर करुण और मधुर बनाकर आत्मा की ओर उन्मुख कर देता है। चित्त आत्मा में सरलता से स्थापित करने के लिए यह एक सुंदर और क्षणिक उपाय है, जिससे 10 से 15 मिनट में ध्यान की क्रिया घटित हो जाती है। कम समय में अधिक पाने का आधुनिक काल में सहजयोग से सुंदर कोई और तरीका नहीं है।

प्रकृति के पुनर्जन्म का भारत मॉडलः एक नई सभ्यता की शुरुआत

सभ्यताओं का भविष्य केवल संसदों में नहीं, खेतों की मिट्टी, जंगलों की हरियाली और जलस्रोतों की जीवनधारा में भी लिखा जाता है। ऐसे समय में जब दुनिया भूमि क्षरण, सूखे और मरुस्थलीकरण की गंभीर चुनौती से जूझ रही है, भारत ने आशा और संकल्प का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत किया है। वर्ष 2011 से 2020 के बीच देश ने 21.76 मिलियन हेक्टेयर क्षतिग्रस्त भूमि को पुनर्जीवित किया है, जो 'बॉन चैलेंज' के 26 मिलियन हेक्टेयर लक्ष्य का लगभग 84 प्रतिशत है। यह केवल भूमि बहाली का आंकड़ा नहीं, बल्कि उस राष्ट्रीय दृष्टि का प्रमाण है जिसने विकास और प्रकृति को विरोधी नहीं, बल्कि सहयात्री माना। भारत ने दुनिया को दिखा दिया है कि जलवायु नेतृत्व संपन्नता से नहीं, बल्कि दूरदृष्टि, प्रतिबद्धता और सामूहिक प्रयासों से हासिल होता है। संकल्प और संवेदनशीलता के साथ यह यात्रा वर्ष 2015 में शुरू हुई, जब भारत ने 'बॉन चैलेंज' के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताई। प्रारंभ में लक्ष्य 2020 तक 13 मिलियन हेक्टेयर और 2030 तक अतिरिक्त 8 मिलियन हेक्टेयर भूमि बहाली का था, जिसे बाद में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 2019 में यूएनसीसीडी के 14वें पक्षकार सम्मेलन के दौरान बढ़ाकर 26 मिलियन हेक्टेयर कर दिया गया। 17 जून 2026 को विश्व मरुस्थलीकरण विरोधी दिवस पर केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव द्वारा जारी दूसरी प्रगति रिपोर्ट ने इस प्रगति को वैश्विक मंच पर रखा। रिपोर्ट में तेलंगाना को सर्वाधिक भूमि पुनर्स्थापन करने वाला राज्य बताया गया, जबकि आंध्र प्रदेश, गुजरात, मध्य प्रदेश और ओडिशा का प्रदर्शन भी उल्लेखनीय रहा। इन राज्यों ने वनरोपण, जल संरक्षण, एग्रोफॉरेस्ट्री और प्राकृतिक पुनरुत्थान से अनुपयोगी भूमि को फिर से जीवन दिया।

किसी भी पर्यावरणीय कार्यक्रम की सफलता तभी है जब उसका असर सीधे जनजीवन तक पहुंचे। भारत की भूमि बहाली यात्रा की सबसे बड़ी शक्ति यह है कि उसने हरियाली के साथ आजीविका भी पैदा की। रिपोर्ट के अनुसार लगभग 1.22 अरब व्यक्ति-दिवस रोजगार सृजित हुए। ग्रामीण युवा, महिलाएं और सीमांत किसान इसके प्रमुख लाभार्थी बने। जहां कभी बंजर भूमि बेरोजगारी, पलायन और निराशा का प्रतीक थी, वहां आज हरे खेत, फलदार बाग और पशुधन के लिए चारा दिखाई देता है। इस पहल ने मिट्टी को उपजाऊ बनाया, ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गति दी, गरीबी घटाई और गांवों को आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ाया। यह सामाजिक न्याय और आर्थिक समावेशन का ऐसा मॉडल है, जिसकी प्रासंगिकता लंबे समय तक रहेगी।

इस उपलब्धि का पर्यावरणीय प्रभाव दीर्घकालिक है। स्वस्थ भूमि केवल फसल नहीं उगाती, बल्कि भविष्य की सुरक्षा भी सुनिश्चित करती है। पुनर्स्थापित भूमि कार्बन अवशोषण बढ़ाती है, मिट्टी की उर्वरता लौटाती है और जल चक्र को संतुलित करती है। इससे सूखा और बाढ़ जैसी आपदाओं की तीव्रता कम होती है। जैव विविधता को नया आवास मिलता है और पारिस्थितिक तंत्र मजबूत होता है। वैज्ञानिक लंबे समय से मानते हैं कि जलवायु परिवर्तन के विरुद्ध सबसे प्रभावी और कम खर्चीला उपाय स्वस्थ भूमि है। भारत ने इस सत्य को व्यवहार में बदलकर दिखाया है, इसलिए वैश्विक भूमि बहाली विमर्श में उसकी भूमिका अग्रिम पंक्ति में है।

दुनिया के सामने 'बॉन चैलेंज' का लक्ष्य 2030 तक 350 मिलियन हेक्टेयर भूमि पुनर्स्थापन का है। इस वैश्विक अभियान में भारत का योगदान प्रेरक और नेतृत्वकारी दोनों माना जा रहा है। यह उपलब्धि ऐसे समय में हासिल हुई है जब कई विकसित देश अपने पर्यावरणीय लक्ष्यों और आर्थिक प्राथमिकताओं के बीच संतुलन साधने में संघर्ष कर रहे हैं। भारत ने सिद्ध किया है कि आर्थिक विकास और प्रकृति संरक्षण अलग राहें नहीं, बल्कि साथ-साथ चलने वाली प्रक्रिया हैं। यह उपलब्धि वैश्विक दक्षिण की क्षमता का संदेश है कि समाधान संसाधनों से नहीं, बल्कि दूरदर्शिता और प्रतिबद्धता से निकलते हैं।

भारत की सफलता का मूल आधार उसकी नीतिगत स्पष्टता और जनभागीदारी है। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना, ग्रीन इंडिया मिशन, संयुक्त वन प्रबंधन समितियां और राज्यों की स्थानीय पहलें मिलकर काम कर रही हैं। स्थानीय समुदायों को भागीदार और संरक्षक बनाकर प्रयासों को स्थायित्व दिया गया है। एग्रोफॉरेस्ट्री ने खेती और वानिकी के बीच सहयोग बढ़ाया है, जबकि ड्रोन, सैटेलाइट निगरानी और भू-स्थानिक तकनीक ने निगरानी और मूल्यांकन को अधिक सटीक बनाया है। यही कारण है कि भारत का मॉडल एक सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि सहभागी विकास और पर्यावरण प्रबंधन का वैश्विक उदाहरण बन गया है।

फिर भी आत्मसंतोष का कोई कारण नहीं है। देश में अभी भी विशाल क्षेत्र भूमि क्षरण की समस्या से प्रभावित है। 2030 तक निर्धारित शेष लक्ष्य की प्राप्ति के लिए प्रयासों की गति और व्यापकता दोनों बढ़ानी होंगी। निजी क्षेत्र, स्टार्टअप्स, अनुसंधान संस्थानों और युवा नवाचारकों को इस अभियान से अधिक गहराई से जोड़ना होगा। जलवायु वित्त की उपलब्धता बढ़ाना भी अनिवार्य है, ताकि छोटे किसान, वनवासी और आदिवासी समुदाय इस परिवर्तन के पूर्ण लाभार्थी बन सकें। साथ ही, सतत निगरानी, वैज्ञानिक मूल्यांकन और परिस्थितियों के अनुरूप रणनीतियों में निरंतर सुधार यह सुनिश्चित करेंगे कि प्राप्त उपलब्धियां टिकाऊ और दीर्घकालिक बनी रहें।

भारत की यह हरित यात्रा केवल पर्यावरण संरक्षण का अध्याय नहीं, बल्कि राष्ट्रीय नेतृत्व की नई परिभाषा है। इसने सिद्ध किया है कि सच्ची प्रगति वही है, जिसमें प्रकृति और मानव दोनों का भविष्य सुरक्षित हो। 21.76 मिलियन हेक्टेयर भूमि की बहाली एक उपलब्धि अवश्य है, परंतु उससे भी बड़ा महत्व उस दृष्टि का है जिसने धरती को संसाधन नहीं, उत्तरदायित्व माना। आज पूरी दुनिया भारत की ओर देख रही है। वह देख रही है कि एक राष्ट्र केवल लक्ष्य निर्धारित नहीं कर रहा, बल्कि उन्हें समय से पहले वास्तविकता में बदलने का साहस भी दिखा रहा है। यह हरित क्रांति हमें स्मरण कराती है कि प्रकृति हमारी विरासत नहीं, हमारी संतानों से लिया गया ऋण है। उसकी रक्षा करके ही हम समृद्ध, सुरक्षित और सतत भविष्य का निर्माण कर सकते हैं।

-प्रो. आरके जैन

राम मंदिर में चढ़ावा चोरी

अयोध्या के भव्य राम मंदिर में चोर-डकैत भी हैं। यह सुनकर और निरंतर खबरों को खंगाल कर यह सच सामने आ रहा है कि भगवान राम के प्रति अगाध आस्था के तौर पर मंदिर में जो दान दिया जाता है या चढ़ावा दान में आता है, उसे चोर डकार रहे हैं। राम मंदिर में भी भ्रष्टाचार, घोटाला पनप रहा है। यह सिर्फ आपराधिक घटना नहीं है, बल्कि सांस्कृतिक-आध्यात्मिक शर्मिन्दगी है। अभी तक जो सामने आया है, उसके मुताबिक ये चोर-डकैत राम मंदिर की भीतरी व्यवस्था के ही अंग हैं। चढ़ावा-चोरी का आरोप 200 करोड़ रुपए का लगाया गया है। यह राजनीतिक आरोप हो सकता है, क्योंकि इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। विशेष जांच टीम ने अपनी अंतरिम रपट देनी है और इस माह के अंत तक अंतिम रपट भी आ जानी चाहिए, लेकिन चौंकाने और हैरान करने वाली बात यह है कि न तो राम मंदिर के ट्रस्ट ने पुलिस स्टेशन में कोई प्राथमिकी दर्ज कराई और न ही ट्रस्ट के सवालिया, आरोपित महासचिव चंपत राय ने इस्तीफा दिया। चंपत राय बुनियादी और नैतिक रूप से सभी स्थितियों के लिए जिम्मेदार हैं। मंदिर में वीआईपी बन कर विराजमान रहने के लिए ही उनकी नियुक्ति नहीं की गई थी। राम मंदिर में निर्माण समिति के अध्यक्ष के तौर पर नृपेन्द्र मिश्रा भी हैं, जो प्रधानमंत्री मोदी के प्रधान सचिव होते थे। उन्होंने मुख्यमंत्री के दिशानिर्देश और आशीर्वाद की बात कही है। क्या जांच दल को इनकी दरकार है? कुछ आरोपितों के घरों से लाखों रुपए की नकदी बरामद की गई है। गोबर के ढेर के नीचे भी नकदी छिपा कर रखी गई थी, लेकिन दान-चोरी तो करोड़ों में बताई जा रही है! प्रभु राम हमारे आराध्य हैं, मन-मन में बसे हैं, सदियों बाद अयोध्या में भव्य राम मंदिर बनाने का सपना साकार हुआ है, तो प्रभु के सानिध्य में ऐसे चोर-डकैत कैसे और कब पैदा हो गए? यह सुरक्षा-व्यवस्था पर भी गंभीर सवाल है। उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने तीन वरिष्ठ अधिकारियों की विशेष जांच टीम गठित तो कर दी, लेकिन इतने व्यापक अपराध के लिए प्राथमिकी दर्ज क्यों नहीं कराई गई? प्राथमिकी नहीं है, तो जांच टीम किस अपराध, किस चोरी अथवा आरोपों की जांच कर रही है? यह चोरी 'आर्थिक भीतरघात' भी है, क्योंकि आरोपित वे बताए जा रहे हैं, जो दान के नोटों की गिनती की रोजाना की प्रक्रिया और ऑडिट से जुड़े रहे हैं। नोटों की गिनती भारतीय स्टेट बैंक के कर्मचारी, मंदिर ट्रस्ट के कर्मचारी, सीसीटीवी की निगरानी में, करते रहे हैं। क्या मंदिर के भीतर ही एक 'संगठित गिरोह' ने आकार ले लिया है? कोई अकेला-दुकेला इतनी बड़ी चोरी-डकैती नहीं कर सकता। बेशक यह चोरी-डकैती 'महापाप' है और चोर असहनीय दैहिक और आत्मिक कष्टों को झेलेंगे। कीड़े पड़ेंगे उनमें! बहरहाल 2024-25 में राम मंदिर में कुल 327 करोड़ रुपए का दान या चढ़ावा आया। उसमें से दानपेटियों में ही करीब 153 करोड़ रुपए का दान आस्थावानों ने दिया। औसतन 12.75 करोड़ रुपए दान प्रति माह आया। अर्थात करीब 42 लाख रुपए रोजानाज! यह कोई सामान्य राशि नहीं है। चूंकि जनवरी, 2024 में प्रभु राम की प्रतिमा की प्राण-प्रतिष्ठा की गई थी।

योग है दुनिया के लिए भारत का शाश्वत अवदान

आज जब पूरी दुनिया युद्धों, आतंकवाद, हिंसा, मानसिक तनाव, पर्यावरणीय संकट और नई-नई बीमारियों की चुनौतियों से घिरी हुई है, तब मानवता एक ऐसे मार्ग की तलाश में है जो केवल शरीर को ही नहीं, बल्कि मन, बुद्धि और आत्मा को भी संतुलित कर सके। ऐसे संक्रमणकाल में योग केवल एक व्यायाम पद्धति या स्वास्थ्य विज्ञान नहीं, बल्कि मानव सभ्यता के लिए आशा का प्रकाश-स्तंभ बनकर उभरा है। यही कारण है कि अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस आज केवल भारत का नहीं, बल्कि सम्पूर्ण विश्व का उत्सव बन गया है। भारत अनादिकाल से योग की भूमि रहा है। इस भूमि के कण-कण में ऋषियों, मुनियों, तपस्वियों और योगियों की साधना की सुगंध समाई हुई है। वैदिक ऋषियों से लेकर भगवान महावीर, भगवान बुद्ध, आदि शंकराचार्य, रामकृष्ण परमहंस, स्वामी विवेकानन्द, महात्मा गांधी, श्री अरविन्द, आचार्य तुलसी और आचार्य महाप्रज्ञ तक, सभी ने योग को जीवन के उत्कर्ष और मानव कल्याण का आधार माना। योग ने भारत की आध्यात्मिक चेतना को ही नहीं गढ़ा, बल्कि विश्व को यह संदेश भी दिया कि मनुष्य का वास्तविक विकास भीतर से प्रारंभ होता है।

आज विश्व जिस दिशा में बढ़ रहा है, वह चिंता का विषय है। रूस-यूक्रेन युद्ध, पश्चिम एशिया में संघर्ष, आतंकवाद की घटनाएं, साम्प्रदायिक तनाव और हथियारों की बढ़ती होड़ मानव सभ्यता को भय और असुरक्षा की ओर धकेल रही है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, विज्ञान और तकनीक ने अभूतपूर्व सुविधाएं दी हैं, लेकिन इनके साथ विनाश की संभावनाएं भी बढ़ी हैं। ऐसे समय में योग की प्रासंगिकता पहले से कहीं अधिक बढ़ गई है। योग मनुष्य को भीतर से शांत, संतुलित और संवेदनशील बनाता है। जब व्यक्ति के भीतर शांति होगी, तभी समाज और राष्ट्र में शांति का वातावरण निर्मित होगा। योग का मूल अर्थ ही है-जोड़ना। यह मनुष्य को मनुष्य से, आत्मा को परमात्मा से, व्यक्ति को समाज से और मानवता को सम्पूर्ण सृष्टि से जोड़ता है। योग विभाजन नहीं, एकता का दर्शन है। इसलिए वह हिंसा, घृणा, आतंक और संघर्ष का स्वाभाविक प्रतिरोधक है। जो व्यक्ति योग के माध्यम से अपने भीतर करुणा, प्रेम और अहिंसा का विकास करता है, वह किसी के प्रति द्वेष नहीं रख सकता। यही कारण है कि महात्मा गांधी की अहिंसा और भगवान महावीर का जीव-दया का संदेश भी योग की व्यापक चेतना से जुड़ा हुआ दिखाई देता है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार आज मानसिक तनाव, अवसाद, अनिद्रा, उच्च रक्तचाप, मधुमेह, हृदय रोग, मोटापा और जीवनशैली से जुड़ी बीमारियां तेजी से बढ़ रही हैं। आधुनिक जीवन की भागदौड़ में मनुष्य बाहरी उपलब्धियों के पीछे दौड़ रहा है, लेकिन भीतर से खाली और अशांत होता जा रहा है। ऐसी स्थिति में योग एक समग्र चिकित्सा-पद्धति के रूप में सामने आया है। योग शरीर, मन और भावनाओं के बीच संतुलन स्थापित करता है। नियमित आसन, प्राणायाम और ध्यान व्यक्ति की प्रतिरक्षा शक्ति को बढ़ाते हैं, तनाव को कम करते हैं तथा मानसिक स्वास्थ्य को मजबूत बनाते हैं। कोविड-19 महामारी के दौरान भी दुनिया ने अनुभव किया कि स्वस्थ जीवनशैली और मजबूत प्रतिरोधक क्षमता कितनी महत्वपूर्ण है। उस समय योग, प्राणायाम और ध्यान ने करोड़ों लोगों को शारीरिक एवं मानसिक रूप से सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आज भी चिकित्सक और स्वास्थ्य विशेषज्ञ स्वीकार करते हैं कि योग अनेक बीमारियों की रोकथाम और प्रबंधन में अत्यंत प्रभावी सहायक माध्यम है। यह दवाओं का विकल्प नहीं, बल्कि स्वस्थ जीवन का आधार है।

योग की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह केवल रोगों से मुक्ति नहीं देता, बल्कि जीवन को दिशा देता है। पातंजलि ने योग को ÷चित्तवृत्ति निरोध÷ कहा है। अर्थात् मन की चंचलता और विकारों पर नियंत्रण। जब मन नियंत्रित होता है, तब व्यक्ति में निर्णय क्षमता, धैर्य और आत्मविश्वास का विकास होता है। आज की पीढ़ी, जो तनाव, प्रतिस्पर्धा और डिजिटल व्यसनों के बीच जी रही है, उसके लिए योग मानसिक संतुलन का सबसे सशक्त माध्यम बन सकता है। योग का एक महत्वपूर्ण पक्ष उसका नैतिक और मानवीय आयाम भी है। यम और नियम जैसे सिद्धांत सत्य, अहिंसा, अपरिग्रह, संयम और संतोष की शिक्षा देते हैं। यदि इन मूल्यों को व्यक्तिगत और सामाजिक जीवन में अपनाया जाए, तो हिंसा, भ्रष्टाचार, अपराध और सामाजिक विद्वेष जैसी समस्याओं में स्वाभाविक कमी आ सकती है। इसलिए योग केवल स्वास्थ्य का विषय नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण और सामाजिक पुनर्निर्माण का भी अभियान है। भारतीय संस्कृति की वैश्विक स्वीकार्यता में योग की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस घोषित किया जाना भारत की सांस्कृतिक शक्ति और विश्वसनीयता का बड़ा प्रमाण है। आज दुनिया के लगभग सभी देशों में योग का अभ्यास किया जा रहा है। यह केवल एक कूटनीतिक उपलब्धि नहीं, बल्कि भारतीय ज्ञान परंपरा की वैश्विक विजय है। प्रधानमंत्री मोदी ने योग के साथ-साथ भारतीय अहिंसा, आयुर्वेद, प्राकृतिक चिकित्सा, मिलेट्स आधारित भारतीय खानपान और ÷वसुधैव कुटुम्बकम्÷ की अवधारणा को भी विश्व मंच पर स्थापित करने का प्रयास किया है। यह संदेश अत्यंत महत्वपूर्ण है कि भारत केवल आर्थिक या सैन्य शक्ति बनने का सपना नहीं देखता, बल्कि मानवता को स्वस्थ, संतुलित और शांतिपूर्ण जीवन का मार्ग दिखाने की क्षमता भी रखता है। यही ÷विश्वगुरु भारत÷ की अवधारणा का मूल है।

भारतीय आयुर्वेद और योग का संबंध भी अत्यंत गहरा है। आयुर्वेद शरीर की चिकित्सा करता है, जबकि योग मन और चेतना को संतुलित करता है। दोनों मिलकर स्वस्थ जीवन की संपूर्ण व्यवस्था प्रस्तुत करते हैं। आज जब दुनिया रासायनिक दवाओं के दुष्प्रभावों और जीवनशैली जनित रोगों से चिंतित है, तब योग और आयुर्वेद एक वैकल्पिक नहीं, बल्कि पूरक एवं स्थायी समाधान के रूप में उभर रहे हैं। इतिहास साक्षी है कि योग ने हर युग में एक मौन क्रांति को जन्म दिया है। इसने राजाओं को ऋषि बनाया, योद्धाओं को संत बनाया और सामान्य मनुष्यों को असाधारण व्यक्तित्व प्रदान किए। स्वामी विवेकानन्द ने योग के माध्यम से भारतीय अध्यात्म को विश्व के सामने रखा। महात्मा गांधी ने कर्मयोग और अहिंसा के बल पर एक साम्राज्य को चुनौती दी। श्री अरविन्द ने योग को मानव चेतना के विकास का साधन बनाया। यह सब योग की परिवर्तनकारी शक्ति के उदाहरण हैं। इसलिये योग दिवस उत्सव का नहीं, संकल्प का अवसर बने। विद्यालयों, विश्वविद्यालयों, कार्यालयों, उद्योगों और सामाजिक संस्थाओं में योग को जीवनशैली के रूप में अपनाने की पहल हो। परिवारों में योग, ध्यान और सकारात्मक संवाद की संस्कृति विकसित हो। यदि व्यक्ति स्वस्थ होगा तो परिवार स्वस्थ होगा, परिवार स्वस्थ होगा तो समाज स्वस्थ होगा और समाज स्वस्थ होगा तो राष्ट्र एवं विश्व भी स्वस्थ और शांतिपूर्ण बन सकेगा।

योग और ध्यान की भारतीय परम्परा को आधुनिक युग की आवश्यकताओं के अनुरूप नई दिशा देने वाले महान दार्शनिक, चिंतक एवं आध्यात्मिक धर्मगुरु आचार्य महाप्रज्ञ का योगदान भी इस संदर्भ में अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने 'प्रेक्षाध्यान' पद्धति के माध्यम से ध्यान की पारंपरिक अवधारणाओं को एक नया वैज्ञानिक एवं प्रयोगधर्मी स्वरूप प्रदान किया। सदियों से ध्यान मुख्यतः आध्यात्मिक साधना और मोक्ष के मार्ग के रूप में देखा जाता रहा था, किन्तु आचार्य महाप्रज्ञ ने उसे जीवन-विज्ञान, मानसिक स्वास्थ्य, भावनात्मक संतुलन और व्यक्तित्व विकास से जोड़कर एक नई क्रांति का सूत्रपात किया। उनका मानना था कि मनुष्य यदि अपने शरीर, श्वास, चित्त, भावों और चेतना को 'प्रेक्षा' अर्थात् गहराई से देखना सीख जाए, तो उसके भीतर छिपी अनेक मानसिक विकृतियां स्वतः समाप्त होने लगती हैं। प्रेक्षाध्यान ने ध्यान को केवल साधु-संतों की साधना न रहने देकर सामान्य जनजीवन का हिस्सा बनाया।

वर्तमान समय में मानवता जिस दोराहे पर खड़ी है, वहां योग केवल एक विकल्प नहीं, बल्कि आवश्यकता बन गया है। यह शरीर को निरोग, मन को शांत, बुद्धि को निर्मल और आत्मा को जागृत करता है। यह युद्ध के स्थान पर शांति, हिंसा के स्थान पर करुणा और तनाव के स्थान पर संतुलन का मार्ग दिखाता है। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का वास्तविक संदेश भी यही है कि मनुष्य बाहर की दुनिया को बदलने से पहले अपने भीतर की दुनिया को बदले। भारत ने योग के माध्यम से विश्व को एक अमूल्य उपहार दिया है। यदि मानवता इस उपहार का सही अर्थों में उपयोग करे, तो एक नई वैश्विक चेतना का उदय संभव है-ऐसी चेतना, जिसमें शांति हो, स्वास्थ्य हो, सह-अस्तित्व हो और समस्त मानवता के कल्याण का भाव हो। यही योग का स्वप्न है, यही भारत का संदेश है और यही भविष्य की सबसे बड़ी आवश्यकता भी।

-ललित गर्ग

आर्थिक चुनौतियों के बीच चमक रही हैं छोटी कंपनियां

देश के शेयर बाजार को जब उसकी सबसे बड़ी कंपनियों और निफ्टी 50 के लेंस से देखा जाता है तो वह संघर्षरत नजर आता है। लेकिन अगर हम छोटी कंपनियों की ओर देखें तो एक अलग तस्वीर नजर आती है। एक ऐसी तस्वीर जहां जबरदस्त वृद्धि है, मुनाफे का विस्तार हो रहा है ?और मांग में तेजी बनी हुई है। यहां एक विरोधाभास पर गौर करना जरूरी है।

वर्ष 2025-26 की मार्च तिमाही में निफ्टी 50 कंपनियों के परिचालन लाभ में केवल 4.1 फीसदी की सालाना वृद्धि हुई और शुद्ध लाभ में मात्र 4.5 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। यह लगातार आठवीं तिमाही थी जब कमाई में वृद्धि एक अंक में रही। इसके विपरीत व्यापक निफ्टी 500 सूचकांक की कंपनियों ने परिचालन लाभ में 9.2 फीसदी की वृद्धि दर्ज की जबकि उनके समायोजित शुद्ध लाभ में 16 फीसदी की उछाल आई।

इस अंतर को और अधिक उल्लेखनीय बनाता है यह तथ्य कि दोनों समूहों ने लगभग 11-12 फीसदी की बिक्री वृद्धि दर्ज की लेकिन छोटी कंपनियां मार्जिन की बेहतर रक्षा करने और बढ़ती लागत को संभालने में सक्षम रहीं। भारत की सबसे बड़ी कंपनियों का प्रभुत्व भी धीरे-धीरे कम हो रहा है। सभी सूचीबद्ध कंपनियों के लाभ में उनका हिस्सा लगातार घटा है। यह वित्त वर्ष 25 की चौथी तिमाही के 51.8 फीसदी से घटकर वित्त वर्ष 26 की तीसरी तिमाही में 49.8 फीसदी और चौथी तिमाही में 47.1 फीसदी रह गया। पिछली तिमाहियों की तरह सबसे आकर्षक प्रदर्शन माइक्रोकैप कंपनियों से आया। उनकी बिक्री 17.5 फीसदी बढ़ी जबकि परिचालन लाभ 22 फीसदी से अधिक बढ़ा।

ऐसे मजबूत प्रदर्शन का लगातार बने रहना आश्चर्यजनक है क्योंकि व्यापक आर्थिक परिदृश्य बिगड़ गया है। पिछले महीने शुद्ध कर राजस्व 6.3 फीसदी गिर गया। ऐसा मुख्यतः माल एवं सेवा कर (जीएसटी) की कमजोर प्राप्तियों के कारण हुआ। फिर भी कई छोटी कंपनियां फल-फूल रही हैं। इसका स्पष्टीकरण उस बदलाव में निहित है जिस पर विश्लेषकों और सतर्क निवेशकों के समुदाय के बाहर बहुत कम ध्यान दिया जाता है।

आज भारत के पास सूचीबद्ध छोटी कंपनियों का असाधारण रूप से समृद्ध पारिस्थितिकी तंत्र है जो उन क्षेत्रों में काम कर रही हैं जिनमें शक्तिशाली और दीर्घकालिक विकास चालक मौजूद हैं। फार्मास्यूटिकल्स, इंजीनियरिंग, कैपिटल गुड्स, रक्षा और पावर इन्फ्रास्ट्रक्चर इनमें सबसे महत्त्वपूर्ण हैं।

बिजली– देश की अनुमानित चरम बिजली मांग वर्ष 2032 तक लगभग 460 गीगावॉट तक पहुंचने की उम्मीद है। इस आवश्यकता को पूरा करने के लिए पारेषण अधोसंरचना में भारी निवेश की आवश्यकता होगी। इसमें 1,20,000 सर्किट किलोमीटर से अधिक नई लाइनों, अतिरिक्त सब स्टेशनों और ग्रिड को धीरे-धीरे 220 किलोवोल्ट (केवी) से 400 केवी और 765 केवी नेटवर्क में उन्नत करना शामिल है।

सैद्धांतिक रूप से ही देखें तो आवश्यकता कई लाख करोड़ रुपये की है। फिर भी नियोजित व्यय का एक अंश भी उन स्मॉलकैप कंपनियों के लिए विशाल अवसर प्रस्तुत करता है जो ट्रांसफॉर्मर, स्विचगियर, सर्किट ब्रेकर, इंसुलेटर, वोल्टेज रेगुलेटर, कैपेसिटर, प्रोटेक्टिव रिले, केबल और स्मार्ट मीटर का निर्माण करती हैं।

फार्मास्युटिकल सेवाएं– यह विकास का एक और शक्तिशाली स्रोत है। भारत की कॉन्ट्रैक्ट डेवलपमेंट ऐंड मैन्युफैक्चरिंग ऑर्गनाइजेशन (सीडीएमओ) और कॉन्ट्रैक्ट रिसर्च ऐंड मैन्युफैक्चरिंग ऑर्गनाइजेशन (सीआरएमओ) कम लागत वाले आपूर्तिकर्ताओं से वैश्विक दवा कंपनियों के रणनीतिक साझेदारों में विकसित हो चुकी हैं। अनुमान है कि भारतीय सीडीएमओ बाजार का आकार 19 अरब से 23 अरब डॉलर है जिसकी वार्षिक वृद्धि दर लगभग 12 फीसदी है।

यह कई वर्षों तक टिकाऊ हो सकती है। भारत के पास अमेरिका के बाहर सबसे अधिक यूएस-एफडीए अनुपालन वाले विनिर्माण संयंत्र हैं। यह उद्योग फार्मास्युटिकल दिग्गजों द्वारा नियंत्रित नहीं है। यह एक ज्ञान-गहन व्यवसाय है जिसमें छोटी, विशेषीकृत कंपनियां अक्सर प्रतिस्पर्धात्मक लाभ रखती हैं।

डेटा सेंटर– डिजिटल अधोसंरचना की मांग लगातार बढ़ रही है और इस क्षेत्र के इस वर्ष लगभग 30 फीसदी तक विस्तार करने की उम्मीद है। वित्त वर्ष 27 के लिए केंद्रीय बजट ने पात्र विदेशी क्लाउड सेवा प्रदाताओं को 2047 तक कर राहत देकर इस प्रस्ताव को और आकर्षक बना दिया। वैश्विक स्तर पर 2026 में डेटा सेंटर में 180 अरब डॉलर से अधिक निवेश होने की उम्मीद है। लाभ मुख्यतः विभिन्न उपकरणों, बिजली उपकरणों, प्रशीतन प्रणाली, केबलिंग और अन्य सहायक अधोसंरचना के आपूर्तिकर्ताओं को मिलता है। यहां भी अधिकांश लाभार्थी छोटी कंपनियां हैं।

इंजीनियरिंग (पूंजीगत वस्तु, रक्षा)– सरकारी पूंजीगत व्यय, रक्षा स्वदेशीकरण, सरकारी पूंजीगत व्यय, रक्षा स्वदेशीकरण, परिशुद्ध उपकरणों की बढ़ती मांग, फैक्ट्री स्वचालन और निर्यात अवसरों ने मिलकर एक सतत विस्तार चक्र बनाया है। कई कंपनियां आने वाले वर्षों में दो अंकों की वृद्धि की उम्मीद कर रही हैं। कई कंपनियों के पास पहले से ही तीन साल तक विस्तारित ऑर्डर बुक हैं। बड़े संस्थागत निवेशकों विशेषकर विदेशी निवेशकों की नजर से अधिकांश अब भी दूर हैं।

-धनंजय राजौरा

कलेक्टर ऋतुराज सिंह की उपस्थिति में 'डिजिटल शाला कार्यक्रम' का हुआ शुभारंभ

देवास के सरकारी विद्यालयों में विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग एवं गणित शिक्षा को मिली नई दिशा

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सरकारी स्कूलों में विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग एवं गणित शिक्षा को सशक्त बनाने और विद्यार्थियों को भविष्य के कौशलों से लैस करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए कलेक्टर ऋतुराज सिंह की उपस्थिति में एसबीआई फाउंडेशन और मुस्कान ड्रीम्स द्वारा शुक्रवार को नूतन हायर सेकेंडरी स्कूल, देवास में 'डिजिटल शाला कार्यक्रम' का शुभारंभ किया गया। इस पहल का उद्देश्य सरकारी विद्यालयों में तकनीक-सक्षम शिक्षण को बढ़ावा देना तथा विद्यार्थियों के लिए सीखने को अधिक रोचक, सहभागितापूर्ण और अनुभवात्मक बनाना है। इस दौरान एसबीआई फाउंडेशन के प्रबंध निदेशक स्वप्न धर, एसबीआई फाउंडेशन के मुख्य प्रबंधक एवं कार्यक्रम प्रमुख परवीन कुमार, सहायक प्रबंधक सुश्री इप्शिता दत्ता तथा जिला परियोजना समन्वयक अजय मिश्रा सहित अन्य संबंधित उपस्थित थे।

इस अवसर पर कलेक्टर सिंह ने कहा कि डिजिटल शिक्षा और विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग एवं गणित शिक्षा आधारित अधिगम का संयोजन विद्यार्थियों में तार्किक सोच, समस्या-समाधान क्षमता, नवाचार और रचनात्मकता जैसे महत्वपूर्ण कौशल विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने एसबीआई फाउंडेशन और मुस्कान ड्रीम्स के संयुक्त प्रयासों की सराहना करते हुए इसे सरकारी विद्यालयों में शिक्षा परिवर्तन और भविष्य-उन्मुख सीखने को बढ़ावा देने वाली एक प्रभावी पहल बताया।

कलेक्टर सिंह ने कहा कि सभी शिक्षकगण इस फाउंडेशन लर्निंग के माध्यम से अपनी गुणवत्ता को बढ़ाते है और बच्चों को कैसे शुरू से मजबूत किया जाएं, यह सीखता है। उन्होंने सभी शिक्षकों से कहा कि इस कोर्स को सूक्ष्मता से समझे ताकि विद्यार्थियों को पढ़ाएं तो उनमें सीखने और समझने की क्षमता अच्छे से विकसित हों।

कार्यक्रम में कलेक्टर सिंह ने विद्यालय में स्थापित डिजिटल शिक्षण केंद्र का उद्घाटन किया। केंद्र में उपलब्ध डिजिटल संसाधनों एवं तकनीक-सक्षम शिक्षण व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। इस अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा तैयार विज्ञान एवं गणित के कार्यशील मॉडल विशेष आकर्षण का केंद्र रहे। इन मॉडलों ने विद्यार्थियों की जिज्ञासा, रचनात्मकता और अवधारणात्मक समझ को प्रदर्शित किया।

कार्यक्रम में मुस्कान ड्रीम्स द्वारा विकसित 'डिजिटल शाला एप' का भी प्रदर्शन किया गया। यह एप शिक्षकों को विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग एवं गणित विषयों को अधिक प्रभावी, रोचक एवं सहभागितापूर्ण तरीके से पढ़ाने में सहायता प्रदान करती है तथा कक्षा शिक्षण में तकनीक के उपयोग को सरल बनाती है।

मुस्कान ड्रीम्स के डायरेक्टर-स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप्स श्री मनोज पचौरी ने एसबीआई फाउंडेशन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि देवास जिले में तकनीक-सक्षम शिक्षा को बढ़ावा देने में एसबीआई फाउंडेशन का सहयोग महत्वपूर्ण रहा है। उन्होंने फाउंडेशन के निरंतर समर्थन और विश्वास की सराहना करते हुए कहा कि दोनों संस्थाएँ दीर्घकालिक रूप से मिलकर सरकारी विद्यालयों में आईसीटी आधारित शिक्षण, विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग एवं गणित शिक्षा एवं भविष्य के कौशलों को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह साझेदारी देवास जिले में शिक्षा के क्षेत्र में सकारात्मक एवं स्थायी परिवर्तन लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

राष्ट्रीय युवा संसद के लिए किसान पुत्र अंकित पटेल का चयन, जिले का बढ़ाया मान

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कला और संस्कृति की भूमि देवास के नाम एक और स्वर्णिम उपलब्धि जुड़ गई है। उत्तराखंड में आयोजित होने जा रही प्रतिष्ठित राष्ट्रीय युवा संसद (नेशनल युथ पार्लियामेंट) के लिए देवास जिले के युवा प्रतिभागी अंकित पटेल का चयन हुआ है। विशेष बात यह है कि पूरे जिले से इस मंच तक पहुंचने वाले अंकित एकमात्र प्रतिभागी हैं, जिन्होंने अपनी प्रतिभा, मेहनत और नेतृत्व क्षमता के दम पर यह गौरव हासिल किया है। देवास जिले के ग्रामीण क्षेत्र टिगरिया गोगा (गंगार्दी चौराहा) निवासी अंकित पटेल ने साबित कर दिया कि दृढ़ संकल्प और अथक परिश्रम के सामने कोई भी बाधा बड़ी नहीं होती। अंकित के पिता श्री जीवन पटेल एक साधारण किसान हैं। किसान परिवार से निकलकर राष्टीय स्तर के इस प्रतिष्ठित मंच तक पहुंचना न केवल उनके परिवार, बल्कि पूरे जिले के लिए गर्व का विषय बन गया है। बेटे की इस उपलब्धि से परिवार में खुशी का माहौल है और क्षेत्रवासियों में भी उत्साह देखने को मिल रहा है। राष्टीय युवा संसद के लिए आयोजित कठिन चयन प्रक्रिया में भाषाई दक्षता, तार्किक क्षमता और समसामयिक विषयों की समझ के आधार पर प्रतिभागियों का चयन किया गया। अंकित ने अपनी प्रभावशाली वक्तृत्व शैली, प्रखर विचारों और नेतृत्व कौशल से निर्णायकों को प्रभावित किया। जिलेवासियों को विश्वास है कि अंकित उत्तराखंड में आयोजित राष्टीय युवा संसद में भी अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए देवास और मध्य प्रदेश का नाम रोशन करेंगे।

कलेक्टर ऋतुराज सिंह ने जिला अस्पताल में नवनिर्मित क्रिटिकल केयर हेल्थ ब्लॉक का किया निरीक्षण

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर ऋतुराज सिंह ने जिला अस्पताल में नवनिर्मित क्रिटिकल केयर हेल्थ ब्लॉक का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने ब्लॉक में उपलब्ध कराई जाने वाली अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधाओं और निर्माण कार्यों का बारीकी से अवलोकन किया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कलेक्टर सिंह ने 8 बिस्तरीय एवं 12 बिस्तरीय वार्डों, गंभीर मरीजों के उपचार के लिए तैयार की जा रही 22 बिस्तरीय आईसीयू यूनिट, बर्न यूनिट और मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटर का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान एसडीएम देवास अभिषेक शर्मा, तहसीलदार श्रीमती सपना शर्मा, सिविल सर्जन डॉ. आर.पी. परमार, अस्पताल प्रबंधक प्रमोद गुणवान सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे। कलेक्टर सिंह ने क्रिटिकल केयर यूनिट के द्वितीय तल कनेक्टिविटी को और सुदृढ़ करने के निर्देश दिए। उन्होंने टेरेस का निरीक्षण करते हुए अस्पताल में आने वाले मरीजों के परिजनों की सुविधा के लिए एक सर्वसुविधायुक्त कैंटीन एरिया विकसित करने के लिए विशेष रूप से निर्देशित किया। कलेक्टर सिंह ने कहा कि अगले एक-दो माह में क्रिटिकल केयर हेल्थ ब्लॉक की सुविधाएँ प्रारंभ हो सकती हैं। उन्होंने दोनों ऑपरेशन थिएटर को एक साथ शुरू करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान लैब से सीधा कनेक्शन बनाने पर विशेष जोर दिया गया। उन्होंने सुरक्षा की दृष्टि से सीसीटीवी कैमरे लगाए जाने के भी निर्देश दिए हैं।

अंधेरे के कारण नहीं दिखा डिवाईडर, हाईवे पर पलट गई कार

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। हाईवे पर पसरा अंधेरा दुर्घटना का कारण बन रहा है। गुरूवार रात को भी एक स्वीफ्ट कार डिवाईडर पर चढ़कर पलट गई। गनीमत रही कि कार में सवार दोनो लोग सुरक्षित रहे और उन्हें कोई गंभीर चोंट नहीं आई।

कार में सवार चालक नईम खान ने बताया कि वह फाइनेंस का काम करते हैं और शाजापुर किसी काम से आए थे। शाम को वे वापस देवास लौट रहे थे। लेकिन हाईवे पर काफी अंधेरा होने के कारण उन्हें डिवाईडर दिखाई नहीं दिए और कार का पहिया डिवाईडर पर चढ़ गया। वहीं यहां कोई साईन बोर्ड भी नहीं था जिससे उन्हें कुछ दिखाई देता। जिसके चलते यह हादसा हो गया। जबकि वाहन की गति भी धीमी थी, लेकिन अचानक अगला पहिया डिवाइडर पर चढ़ने से कार अनियंत्रित होकर पलट गई। गनीमत रही कि कार सवार दोनो लोगों को गंभीर चोंट नहीं आई।

हाईवे पर बाधित हुआ यातायात, लोगों ने की मदद- हादसे के बाद सड़क पर करीब 10 मिनट तक जाम की स्थिति बनी रही और यातायात बाधित हुआ। सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। पुलिस ने स्थानीय नागरिकों की मदद से पलटी हुई कार को सीधा कराया और उसे सड़क किनारे खड़ा करवाया, जिसके बाद मार्ग पर आवागमन दोबारा सामान्य हो सका।

अतिक्रमण की वजह से हो रहे हादसे- सड़क किनारे अतिक्रमण की वजह से हाईवे पर हादसे होने लगे हैं। लोगों की माने तो डिपो के पास सड़क किनारे अतिक्रमण काफी बढ़ गया है। फल और सब्जी विक्रेताओं द्वारा ठेले लगाने और वहां आने वाले खरीदारों द्वारा बेतरतीब वाहन खड़े करने से सड़क संकरी हो जाती है। स्थानीय लोगों के अनुसार, इस डार्क स्पॉट और अतिक्रमण की वजह से यहां पहले भी कई हादसे हो चुके हैं।

मनुष्य के दुखों का मूल कारण है कामना: सामूहिक ध्यान में लोगो ने समझा

सहजयोग परिवार द्वारा सामूहिक ध्यान का आयोजन

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सहजयोग परिवार देवास द्वारा नर्मदेश्वर महादेव मंदिर, मधुबन गार्डन, मधुबन कॉलोनी स्थित साप्ताहिक सहजयोग ध्यान केंद्र में सामूहिक ध्यान का आयोजन किया गया।

सामूहिक ध्यान के कार्यक्रम में उपस्थित साधकों को मानव जीवन, कर्म और आत्मकल्याण से जुड़े विषयों पर मार्गदर्शन प्रदान किया गया। सामूहिक ध्यान में भगवत गीता के प्रसंग का उल्लेख करते हुए बताया गया कि एक बार अर्जुन ने भगवान श्रीकृष्ण से प्रश्न किया कि मनुष्य न चाहते हुए भी पाप क्यों करता है। इस पर भगवान ने उत्तर दिया कि कामना, क्रोध और लोभ ही मनुष्य को पाप की ओर प्रेरित करते हैं। यही दोष मनुष्य के पतन और दुख का कारण बनते हैं। वक्ताओं ने कहा कि मनुष्य के मन, इंद्रियों, बुद्धि और अहंकार में कामनाओं का वास होता है। ध्यान एवं आत्मचिंतन के माध्यम से इन पर विजय प्राप्त की जा सकती है। उन्होंने बताया कि स्वार्थ और कामना से किए गए कर्म बंधन का कारण बनते हैं, जबकि निष्काम भाव और दूसरों के हित के लिए किए गए कर्म मुक्ति तथा आनंद का मार्ग प्रशस्त करते हैं। सामूहिक ध्यान में गीता में वर्णित विभिन्न प्रकार के यशों पर भी प्रकाश डाला गया। दूसरों के हित में समय, संपत्ति और साधनों का उपयोग करना द्रव्य यश, परमात्मा की प्राप्ति के लिए सहजयोग करना सहजयोग यश, इंद्रिय संयम को संयम यश तथा भगवान की शरणागति को भक्ति यश बताया गया। साथ ही आत्मज्ञान को सर्वश्रेष्ठ यश बताते हुए कहा गया कि यह मुक्ति का सीधा मार्ग है। सामूहिक ध्यान में उपस्थित साधकों को नियमित ध्यान, एवं आत्मचिंतन के माध्यम से जीवन को सकारात्मक दिशा देने का संदेश दिया गया। आयोजन सहजयोग परिवार देवास द्वारा संपन्न हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में साधको ने भाग लिया।

शांति समिति की बैठक का आयोजन 22 जून को

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में आगामी पर्वों पर कानून एवं व्यवस्थाओं के लिए विचार विमर्श हेतु शांति समिति की बैठक का आयोजन 22 जून 2026 को सुबह 11.30 बजे कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में किया गया है। अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी ने समिति के सभी सदस्यों से बैठक में उपस्थिति का आग्रह किया हैं।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बुजुर्ग घायल, इंदौर रैफर

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। बाईक सवार एक बुजुर्ग को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। इस हादसे में बुजुर्ग गंभीर रूप से घायल हो गया जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद इंदौर रैफर कर दिया। घायल की पहचान मंगयाखेड़ी गांव निवासी गोपाल सिंह के रूप में हुई है। यह घटना सुबह करीब 10.30 बजे हुई, जब एक अज्ञात वाहन ने गोपाल सिंह की बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में गोपाल सिंह के सिर और मुंह पर गंभीर चोटें आई। सूचना मिलने पर 108 एंबुलेंस मौके पर पहुंची। एंबुलेंस के पायलेट जितेंद्र कुमार और ईएमटी मोहन बामनिया ने घायल को प्राथमिक सहायता दी और उन्हें मोहन बड़ोदिया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में प्राथमिक उपचार के बाद सिर में गंभीर चोटों के कारण उन्हें तत्काल शाजापुर जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

बच्चों के सीखने के स्तर में सुधार के लिए विद्यालयों में प्रभावी शैक्षणिक नेतृत्व सुनिश्चित करें - कलेक्टर

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर सुश्री ऋजु बाफना के मार्गदर्शन में जिले में प्रारंभिक कक्षाओं के विद्यार्थियों के अधिगम स्तर में सुधार तथा निपुण भारत मिशन के लक्ष्यों की प्राप्ति के उद्देश्य से चयनित शालाओं के प्रधानाध्यापकों का एक दिवसीय उन्मुखीकरण प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में विकासखंडों की उन शालाओं के प्रधानाध्यापक शामिल हुए, जिनके विद्यालयों में शैक्षणिक गुणवत्ता सुधार के लिए विशेष अकादमिक सहयोग की आवश्यकता चिन्हित की गई है।

कलेक्टर सुश्री बाफना ने प्रशिक्षण का निरीक्षण करते हुए निर्देश दिए कि प्रधानाध्यापक विद्यालयों में शैक्षणिक नेतृत्व की भूमिका को प्रभावी ढंग से निभाएं तथा शिक्षक संदर्शिका, मासिक ट्रैकर, रीडिंग कॉर्नर एवं गणित कॉर्नर के नियमित उपयोग को सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि विद्यालय स्तर पर बच्चों के सीखने के स्तर में सुधार के लिए सतत मॉनिटरिंग एवं सहयोगात्मक वातावरण विकसित करना आवश्यक हैं। साथ ही विद्यार्थियों के अधिगम स्तर की सही एवं वास्तविक प्रविष्टि सुनिश्चित करने तथा आंकड़ों की गुणवत्ता बनाए रखने के निर्देश दिये। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को मिशन अंकुर के विभिन्न घटकों, कक्षा 1 से 3 के निपुण लक्ष्यों, विद्यालय स्तरीय शैक्षणिक, शिक्षक सहयोग, मासिक ट्रैकर विश्लेषण, रीडिंग एवं गणित कॉर्नर की प्रभावी स्थापना तथा समृद्ध शिक्षण वातावरण निर्माण संबंधी विषयों पर जानकारी प्रदान की गई। मिशन अंकुर टीम से भोपाल से श्री सुमित साध, श्री रवि विश्वकर्मा, श्री संजय राजपूत, श्री अभिषेक चतुर्वेदी एवं श्री सभाजीत पटेल द्वारा विभिन्न सत्रों का संचालन किया गया। प्रशिक्षण में अनुपस्थित रहने वाले संस्था प्रधानों की एक-एक वेतन वृद्धि रोकने के निर्देश दिये।

12 वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को लेकर आयुष विभाग का विशेष आयोजन

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अंतर्राष्टीय योग दिवस 2026 के उपलक्ष्य में आयुष विभाग द्वारा प्रदेश के समस्त आयुष संस्थानों में ऑनलाइन योगाभ्यास प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं।

गायत्री शक्तिपीठ के मीडिया प्रभारी विक्रमसिंह चौधरी ने बताया कि जिला आयुष अधिकारी देवास डॉ. ममता जुनवाल के निर्देशन में 12 वें अंतर्राष्टीय योग दिवस को लेकर 45 मिनट का सामान्य योगाभ्यास क्रम (Common Yoga Protocol) का ऑनलाइन सत्र निरंतर आयोजित किया जा रहा हैं, इसी कड़ी में आज दिनांक 19/06/26 को यह सत्र गायत्री शक्तिपीठ साकेत नगर, देवास में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का प्रशिक्षण डॉ. प्रांजलि भारद्वाज एवं डॉ. प्रीतिबाला पाटीदार द्वारा दिया गया। आयुष विभाग का उद्देश्य आमजन को योग के प्रति जागरूक कर स्वस्थ जीवन शैली अपनाने के लिए प्रेरित करना है। कार्यक्रम में योग प्रशिक्षण डॉ. प्रांजलि भारद्वाज एवं डॉ. प्रीतिबाला पाटीदार का गायत्री मंत्र के उपवस्त्र से सम्मान किया गया । योग शिविर में इंद्रजीत शर्मा, मंजू पटेल, रामसिंह कुमावत, दीपक भावसार, रामनिवास कुशवाह, महेन्द्र राठौड़, अजयसिंह चौधरी आदि का सराहनीय सहयोग रहा । शिविर में मोहनलाल सोनी, बाबूलाल चौहान, अन्नू पटेल, नलिनी चौधरी, कार्तिक कुमार, प्रज्ञा चौधरी, ऋतिक कुमार, माधवेन्द्रसिंह चौधरी आदि ने भागीदारी की । कार्यक्रम का सफल संचालन देवकरण कुमावत ने किया एवं आभार मुनीश नामदेव ने माना।

गायत्री शक्तिपीठ एवं गायत्री प्रज्ञापीठ पर होगा योग शिविर का आयोजन - 21 जून अंतर्राष्टीय योग दिवस पर गायत्री शक्तिपीठ एवं गायत्री प्रज्ञापीठ पर योग शिविर का आयोजन किया जाएगा जिसमें गायत्री शक्तिपीठ साकेत नगर देवास पर गायत्री शक्तिपीठ के योग प्रशिक्षिका मंजू पटेल एवं प्रशिक्षक देवकरण कुमावत के मार्गदर्शन में देव संस्कृति विश्व विद्यालय शान्तिकुन्ज हरिद्वार की छात्रा श्रेया पटेल द्वारा प्रातः 6.30 से 7.30 बजे तक योग शिविर का संचालन किया जाएगा एवं गायत्री प्रज्ञापीठ विजय नगर देवास पर प्रज्ञापीठ संरक्षिका दुर्गा दीदी के सानिध्य में योग शिक्षिका निशा चौहान द्वारा प्रातः 07 से 08 बजे तक योग कराया जाएगा । अंतर्राष्टीय योग दिवस 2026 का विषय स्वस्थ वृद्धावस्था के लिए योग है, जो आधुनिक युग की सबसे महत्वपूर्ण चुनौतियों में से एक का समाधान करता है। कार्यक्रम के पश्चात पौधारोपण सम्बंधित गोष्ठी की जाएगी । गायत्री शक्तिपीठ के मुख्य प्रबंध ट्रस्टी महेश पंड्या एवं गायत्री प्रज्ञापीठ के मुख्य प्रबंध ट्रस्टी राजेन्द्र पोरवाल ने शहरवासियों से अपील की हैं कि 21 जून अंतर्राष्टीय योग दिवस पर उक्त दोनों स्थानों पर आयोजित एक दिवसीय योग शिविर में अधिक से अधिक संख्या में शामिल हो कर स्वास्थ्य लाभ प्राप्त करें ।

शाजापुर में दो साल से संजीवनी क्लिनिक बंद

घटिया निर्माण पर भड़कीं कलेक्टर, अब नपा इंजीनियर से होगी वसूली

शाजापुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। ज्योति नगर में 22.44 लाख रुपए की लागत से बना मुख्यमंत्री संजीवनी क्लिनिक दो साल बाद भी शुरू नहीं हो सका है। शुक्रवार को कलेक्टर ऋजु बाफना ने इस भवन का औचक निरीक्षण किया। निर्माण में गंभीर कमियां मिलने पर उन्होंने नगर पालिका इंजीनियर से राशि वसूलने के आदेश दिए हैं।

कलेक्टर ने सीएमएचओ डॉ. कमला आर्य को तत्काल एक जांच समिति बनाने के निर्देश दिए हैं। तीन सदस्यों की यह कमेटी मामले की जांच कर सात दिनों के भीतर अपनी रिपोर्ट सौंपेगी। दरअसल यहां बना यह संजीवनी क्लीनिक बंद पड़ा था। जिसके यहां होने की जानकारी खुद वार्डवासियों को भी नहीं थी। क्योंकि इसे लेकर जिम्मेदारों ने कोई ध्यान नहीं दिया जो झाड़ियों से घिरकर दिखाई भी नहीं दे रहा था। शुक्रवार को जब कलेक्टर के आने की सूचना मिली तो नगर पालिका ने आनन-फानन में परिसर की साफ-सफाई करवाई। इसके बाद जब कलेक्टर वहां पहुंची उन्होंने मुख्यमंत्री संजीवनी क्लिनिक भवन का निर्माण कार्य गुणवत्तापूर्ण एवं निर्धारित मापदंड अनुसार नहीं होने पर संबंधित नगर पालिका इंजीनियर पर नाराजगी व्यक्त की एवं सीएमएचओ डॉ. कमला आर्य को समिति गठित कर जांच करने एवं जांच उपरांत संबंधित इंजीनियर से राशि वसूली की कार्यवाही करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर नगर पालिका सीएमओ भूपेंद्र दीक्षित, डीपीएम शैलेन्द्र सोनी, डीएचओ डॉ. दिनेश कुमार गंगोरिया सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

तीसरा भी हो गया लापरवाही का शिकार- नगर में कुल तीन संजीवनी क्लिनिक बनाए जाने थे, जिसके लिए 75 लाख रुपए का बजट भी तय था। लेकिन जमीन न मिलने के कारण प्रशासन को दो क्लिनिक सरेंडर करना पड़े थे। बमुश्किल यह इकलौता क्लीनिक शहर को नसीब हुआ था लेकिन वह भी प्रशासनिक लापरवाही की वजह से चालू नहीं हो पाया। जबकि यहां मार्च महीने में मेडिकल ऑफिसर की नियुक्ति भी की जा चुकी थी। नगर पालिका द्वारा भवन को स्वास्थ्य विभाग को हैंडओवर न किए जाने के कारण डॉक्टर अब तक प्रभार नहीं ले सके।

जैविक खेती, आज की आवश्यकता विषय पर व्याख्यान का आयोजन

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस कृष्णा जी राव पवार शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय देवास के इको क्लब,राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा, आईक्यूऐसी के सहयोग से महाविद्यालय के प्राचार्य के मार्गदर्शन में जैविक खेती ,आज की आवश्यकता विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया।

मुख्य वक्ता डॉ गिरीश शिव नवीन विज्ञान महाविद्यालय देवास ने उपस्थित छात्र छात्राओं को बताया कि आज रासायनिक वस्तु का उपयोग हमारे जीवन में अधिक होता जा रहा हे,क्योंकि फसलों के उत्पादन बढ़ाने के लिए रासायनिक खादों का उपयोग अधिक मात्रा में किया जा रहा हे ।

यही रासायनिक खादों के उपयोग से उत्पादित अन्न हम कहते हे जो हमारे स्वस्थ के लिए हानिकारक हे।

इसलिए जो भी कृषक हे उनको जैविक खेती की ओर अग्रसर होना पड़ेगा, जभी इस समस्या से हम मुक्ति मिलेगी।

इसके बाद राष्टीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी प्रो राकेश कोटिया ने उपस्थित छात्र छात्राओं को बताया कि जायदा रासायनिक खाद के उपयोग से उत्पादन तो बढ़ता हे,लेकिन मिट्टी की उर्वरक क्षमता कम हो जाती हे,इसलिए पुराने पारंपरिक कृषि हमको अब करनी पड़ेगी।

बहुप्रतीक्षित पुलिया का निर्माण अब अंतिम चरण में, एक दर्जन से अधिक गांव के लोग होंगे लाभान्वित

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। एक दर्जन गांवों को जोड़ने वाली बहुप्रतीक्षित पुलिया का निर्माण अब तेजी से चल रहा है जो अब अंतिम चरण में पहुंच चुका है। इस पुलिया के बन जाने से ग्रामीणों को काफी राहत मिलेगी और नदी में बाढ़ आने, नदी पुर होने की स्थिति में भी ग्रामीण आसानी से आवागमन कर सकेंगे।

दरअसल ग्राम साप्टी पहुंचने वाले मार्ग पर लंबे समय से ग्रामीणों को आने-जाने में परेशानी का सामना करना पड़ता था। क्योंकि यहां पर पुलिया नहीं थी। इसके साथ ही यहां से करीब दर्जनभर गांव के लोगों को भी परेशानी उठाना पड़ती थी। लंबे समय तक ग्रामीणों द्वारा यहां पर पुलिया की मांग की जा रही थी। आखिरकार ग्रामीणों की पहल रंग लाई और कुछ वर्ष पहले ही पुलिया का निर्माण प्रारंभ हुआ, लेकिन बाद में ये काम अटक गया। ऐसे में अब फिर से पुलिया का काम जारी है। इससे उम्मीद है कि अब काम जल्द ही पूरा हो जाएगा और लोगों को राहत मिलेगी।

बारिश में मजबूर हो जाते थे ग्रामीण, टूट जाता था संपर्क- जिले के ग्राम साप्टी से ग्राम चौमा, बिजाना आदि गांव जाने के लिए ग्रामीणों को नदी पार करना पड़ती थी। अन्य दिनों में तो लोगों को समस्या नहीं थी, लेकिन बारिश में नदी पार करना उनके लिए सबसे बड़ी मुसीबत थी। क्योंकि बारिश के समय जब नदी में पानी बढ़ जाता है तो लोगों को लंबा रास्ता तय करके दूसरे स्थान से घुमकर जाना पड़ता था। वहीं जब ज्यादा बारिश हो जाती तो नदी के उफान पर आने के कारण घंटो तक पानी उतरने और मार्ग खुलने की प्रतीक्षा करना पड़ती थी। इस स्थिति में कई बार इमरजेंसी पड़ने पर भी लोगों के काम अटक जाते थे। इसके चलते यहां पर सभी लोग पुलिया निर्माण की मांग करने लगे। लगातार मांग के बाद यहां पर पुलिया का निर्माण प्रारंभ हुआ, लेकिन अधूरे निर्माण के बाद काम बंद हो गया था।

अधूरे निर्माण से बढ़ी परेशानी

सापटी के समीप कई वर्षों से अधूरी पड़ी पुलिया के कारण मार्ग पर पानी भर जाता था, जिससे शाजापुर से इन ग्रामों का संपर्क कई बार कट जाता था। विद्यार्थियों, किसानों और ग्रामीणों को आवागमन के लिए लंबा चक्कर लगाना पड़ता था। नदी पुर होने के कारण कई बार घंटों इंतजार करना पड़ता था। लोगों ने कहा कि अधूरा निर्माण लोगों की और ज्यादा परेशानी बढ़ा रहा था। इसके चलते इसे पूर्ण करने की मांग होती रही।

ग्रामीणों के अनुसार अब पुलिया का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है जो लगभग पूर्ण होने की स्थिति में है। पुलिया के निर्माण के बाद बारिश के समय भी चौमा, बिजना सहित आसपास के गांवों का शाजापुर से संपर्क बना रहेगा। इससे ग्रामीणों को आवागमन, कृषि कार्यों और आवश्यक सेवाओं के लिए काफी सुविधा मिलेगी। क्षेत्रवासियों ने पुलिया निर्माण कार्य पूर्ण होने पर खुशी जताते हुए उम्मीद की है कि आगामी वर्षा ऋतु से पहले यह महत्वपूर्ण परियोजना पूरी तरह तैयार होकर जनता को समर्पित कर दी जाएगी। जिससे सभी को राहत मिलेगी।

अंधा कानून... अंधी व्यवस्था! बदनावर में बैंक ने बेगुनाह किसान दिलीप पाटीदार को बनाया डिफाल्टर

सुध लेने के बजाय अफसर रच रहे वसूली की साजिश

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। बैंकों की तानाशाही और घोर लापरवाही का एक ऐसा सनसनीखेज मामला सामने आया है, जिसने एक सीधे-साधे और निर्दोष किसान का जीना मुहाल कर दिया है। क्षेत्र के ग्राम खेड़ा निवासी किसान दिलीप चंपालाल पाटीदार पिछले दो महीनों से बैंक अधिकारियों की मनमानी और प्रताड़ना का शिकार हो रहे हैं। बैंक की एक कथित तकनीकी गलती के कारण इस बेगुनाह किसान पर पिछले तीन सालों से दो लाख रुपये का फर्जी कर्ज थोप दिया गया है, जिसके कारण आज वे अपने जायज किसान क्रेडिट कार्ड लोन के लिए दर-दर की ठोकरें खाने को मजबूर हैं।

लोन लेने पहुंचे तो खुला बैंक की प्रताड़ना का राज - पीड़ित किसान दिलीप पाटीदार को अपनी खेती-किसानी के लिए लोन की आवश्यकता थी। जब वे अपनी साख पर स्टेट बैंक ऑफ इंडिया में केसीसी की प्रक्रिया पूरी करने पहुंचे, तो वहां के अधिकारियों ने जो बताया उसे सुनकर किसान के पैरों तले जमीन खिसक गई। जांच में सामने आया कि बैंक ऑफ इंडिया की शाखा ने उनके नाम पर पहले से ही दो लाख रुपये का ऋण दर्ज कर रखा है।

निर्दोष किसान का दर्द- मैंने जीवन में कभी भी बैंक ऑफ इंडिया से कोई लोन लिया ही नहीं। बैंक की इस गंभीर लापरवाही ने मुझे डिफाल्टर बना दिया, जिसके कारण एसबीआई ने मुझे केसीसी देने से साफ मना कर दिया। बैंक वालों ने बिना किसी जांच-परख के मेरे नाम पर यह झूठा कर्ज कैसे चढ़ा दिया

जब पीड़ित किसान न्याय की गुहार लेकर बैंक ऑफ इंडिया की शाखा में पहुंचे, तो वहां मौजूद कर्मचारियों ने संवेदनहीनता की हदें पार करते हुए साफ कह दिया कि उनके नाम पर कोई लोन नहीं है। लेकिन जब किसान ने एसबीआई से मिला लिखित रिकॉर्ड उनके सामने रखा, तो बैंक अधिकारियों के झूठ का पर्दाफाश हो गया।

तब जाकर अधिकारियों ने अपनी गलती स्वीकार करते हुए बताया कि यह ऋण वास्तव में कठोड़िया बड़ा निवासी किसी दिलीप पवार नामक व्यक्ति का है, जिसे बैंक कर्मचारियों ने लापरवाही से किसान दिलीप पाटीदार के खाते में मढ़ दिया था। अधिकारियों ने कुछ दिनों में इसे सुधारने का खोखला आश्वासन दिया, लेकिन हफ्ते बीत जाने के बाद भी पीड़ित किसान को कोई राहत नहीं मिली।

समाधान के नाम पर अवैध वसूली की साजिश- इस पूरे मामले में बैंक प्रबंधन की भूमिका बेहद संदिग्ध और आरोपी जैसी नजर आ रही है। पीड़ित किसान ने जब हारकर सीएम हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज कराई, तो मामले को दबाने के लिए एक नया खेल शुरू कर दिया गया।

किसान दिलीप पाटीदार का सीधा आरोप है कि दो दिन पूर्व बैंक प्रबंधक दीपक अजमेरी ने उन्हें प्रताड़ित करते हुए एक अज्ञात मोबाइल नंबर थमा दिया और कहा कि यह व्यक्ति तुम्हारी समस्या ठीक कर देगा। जब पीड़ित किसान ने उस नंबर पर बात की, तो सामने वाले व्यक्ति ने 1500 रुपये रजिस्ट्रेशन शुल्क और 4500 रुपये अन्य खर्च (कुल 6000 रुपये) की मांग की।

जब गलती पूरी तरह से बैंक प्रबंधन की है, तो एक गरीब और बेगुनाह किसान से समाधान के नाम पर यह आर्थिक उगाही क्यों की जा रही है क्या बैंक के भीतर कोई बड़ा फर्जीवाड़ा फल-फूल रहा है

कई अन्य किसान भी हैं बैंक की इस प्रताड़ना के शिकार- विश्वसनीय सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, यह कोई अकेला मामला नहीं है। बैंक ऑफ इंडिया की इस शाखा में ऐसे कई मामले हैं जहां लोन कोई और डकार गया और उसकी प्रविष्टि किसी दूसरे सीधे-साधे किसान के नाम पर चढ़ा दी गई। बैंक की इस प्रताड़ना के कारण क्षेत्र के कई अन्य किसान भी रोजाना बैंकों के चक्कर काटने को मजबूर हैं और मानसिक रूप से प्रताड़ित हो रहे हैं।

दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग- क्षेत्र के आक्रोशित किसानों ने अब एकजुट होकर मांग की है कि बैंक के उच्च अधिकारी इस पूरे मामले को एक गंभीर अपराध मानते हुए तुरंत उच्च स्तरीय जांच कराएं। निर्दोष किसान दिलीप पाटीदार को तत्काल इस फर्जी कर्ज से मुक्ति दिलाई जाए और लापरवाही बरतने वाले तथा अवैध पैसों की मांग करने वाले बैंक प्रबंधक व दोषी कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए।

लोक सेवा केंद्र समय सीमा में नागरिकों को प्रदान करे सेवाएं - कलेक्टर

सीहोर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने जावर तहसील कार्यालय, लोक सेवा केंद्र, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और जावर नगर परिषद के कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विभागीय योजनाओं एवं राजस्व कार्यों की विस्तार से समीक्षा की और आवश्यक दिशा निर्देश दिए। जावर तहसील कार्यालय के निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन, अवैध कब्जा एवं रास्ता विवाद सहित विभिन्न राजस्व प्रकरणों की समीक्षा की। उन्होंने लंबित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए नामांतरण, बंटवारा एवं सीमांकन के मामलों का निर्धारित समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। विशेष रूप से छह माह से अधिक लंबित प्रकरणों की जानकारी लेते हुए उनके शीघ्र निराकरण पर जोर दिया। कलेक्टर ने तहसील की विभिन्न शाखाओं के कार्यों की भी जानकारी प्राप्त कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। लोक सेवा केंद्र जावर का निरीक्षण करते हुए उन्होंने नागरिकों को समय-सीमा में सभी सेवाएं उपलब्ध कराने तथा आधार केंद्र पर आने वाले लोगों के कार्य प्राथमिकता से करने के निर्देश दिए।

जावर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के निरीक्षण के दौरान उन्होंने एनसीडी कक्ष, जनरल वार्ड, डिलीवरी वार्ड, दवा वितरण कक्ष, फार्मेसी स्टोर तथा पैथोलॉजी कक्ष सहित सभी कक्षों का निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि सीमित स्टाफ के बावजूद बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना सराहनीय है और इसके लिए समस्त स्वास्थ्य अमला बधाई का पात्र है। निरीक्षण के दौरान ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर डॉ. अमित माथुर ने अस्पताल में संचालित सेवाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। जावर नगर परिषद जावर के निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने विभिन्न कार्यों एवं व्यवस्थाओं की जानकारी प्राप्त की। निरीक्षण के समय नगर पालिका सीएमओ श्री हरीश सोनी के अनुपस्थित पाए जाने पर उन्होंने गहरी नाराजगी व्यक्त की।

राजपुर में प्राकृतिक खेती कार्यशाला आयोजित

बडवानी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विश्व पर्यावरण दिवस एवं अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के मध्य आयोजित जनकल्याणकारी गतिविधियों के अंतर्गत शुक्रवार को राजपुर के मांगलिक भवन में प्राकृतिक खेती विषयक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन आत्मा, किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग, जिला बड़वानी के निर्देशन में किया गया। प्राकृतिक खेती कार्यक्रम में पूर्व राज्यसभा सांसद डॉ. सुमेरसिंह सोलंकी, लोकसभा सांसद श्री गजेन्द्रसिंह पटेल, पूर्व सांसद श्री सुभाष पटेल, जिला अध्यक्ष श्री अजय यादव, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री बलवंत सिंह पटेल, किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष श्री राजेन्द्र सिंह सितोले, मण्डल अध्यक्ष श्री कृष्णा धनगर एवं अन्य जनप्रतिनिधियों, कृषि सखियों, बीआरसी एवं कृषकों की सक्रिय भागीदारी रही। कार्यशाला में कुल 485 किसानों ने सहभागिता की, जिनमें विकासखण्ड बडवानी, पाटी, ठीकरी तथा राजपुर से किसान शामिल थे। कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केंद्र के प्रधान एवं प्रमुख वैज्ञानिक श्री डी.के. बडोदिया ने प्राकृतिक खेती के वैज्ञानिक पहलुओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि रासायनिक उर्वरकों एवं कीटनाशकों के निरंतर उपयोग से मिट्टी की उर्वरता कम होती जा रही है तथा भूमि कठोर बन रही है। उन्होंने किसानों को प्राकृतिक खेती प्रमुख घटक बीजामृत, जीवामृत, घनजीवामृत, आच्छादन, वापसा, निमास्त्रत्र, ब्रहमास्त्र की विधि एवं उपयोग समझाये। उन्होंने बताया कि प्राकृतिक खेती से उत्पादन लागत में कमी आती है तथा मिट्टी की उर्वरता एवं पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलता है। कार्यशाला के दौरान किसानों द्वारा किसानों ने कृषि वैज्ञानिक श्री डी. के. बडोदिया जी से विभिन्न विषयों पर चर्चा कर अपनी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया और अपने अनुभव साझा किये। कार्यक्रम में विभाग द्वारा प्राकृतिक खेती प्रमुख घटक बीजामृत, जीवामृत, घनजीवामृत, निमास्त्रत्र, ब्रहमास्त्र एवं विभिन्न फसलो के बीज की प्रदर्शनी लगाई गयी थी।

शिक्षा के मंदिर पर भू-माफियाओं का साया बर्दाश्त नहीं, याचिकाकर्ता महेश पाटीदार के संवेनदशील प्रयास पर हाईकोर्ट ने कहा— अतिक्रमणकारियों से मुक्त हो बच्चों के भविष्य की भूमि

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर के बहुप्रतीक्षित सीएम राइज स्कूल के विद्यार्थियों और भविष्य के हित में याचिकाकर्ता महेश पाटीदार द्वारा लड़ा गया कानूनी संघर्ष आखिरकार रंग लाया है। माननीय उच्च न्यायालय मध्य प्रदेश खंडपीठ इंदौर के माननीय न्यायमूर्ति विजयकुमार शुक्ला एवं माननीय न्यायमूर्ति आलोक अवस्थी की डिवीजन बेंच ने याचिकाकर्ता महेश पाटीदार की जनहित याचिका पर एक बेहद सख्त और ऐतिहासिक आदेश पारित किया है। न्यायालय ने बदनावर के चौपाटी क्षेत्र स्थित करोड़ों रुपए मूल्य की बहुमूल्य शासकीय भूमि से तत्काल अवैध अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए हैं।

कागजी कार्रवाई के खिलाफ याचिकाकर्ता महेश पाटीदार ने उठाई आवाज - इस पूरे मामले में याचिकाकर्ता महेश पाटीदार का रुख बेहद स्पष्ट और जनहित को समर्पित रहा। उनके द्वारा अपने अभिभाषक निपुण चौधरी, अशोक संघवी और सुश्री प्रीति पलसे के मार्फत कोर्ट को बताया गया कि कलेक्टर धार द्वारा 27 जुलाई 2022 को ग्राम खेड़ा, तहसील बदनावर के सर्वे नंबर 2106 व अन्य की कुल 6.075 हेक्टेयर बहुमूल्य भूमि सीएम राइज स्कूल को आवंटित की गई थी।

याचिकाकर्ता पाटीदार का मुख्य आरोप था कि- प्रशासन ने मात्र कागजों पर कार्रवाई करते हुए स्कूल को भूमि सौंप दी, जबकि हकीकत में उस करोड़ों की कीमती जमीन पर भू-माफियाओं और रसूखदारों का अवैध कब्जा बना रहा। चौपाटी जैसे मुख्य क्षेत्र में शासकीय भूमि पहले ही बेहद कम है, और इस अतिक्रमण के कारण स्कूल को पूरी जमीन नहीं मिल पा रही थी, जिससे विद्यार्थियों का भविष्य और स्कूल का विकास अधर में लटका हुआ था।

उल्लेखनीय है कि इस मामले में पूर्व में सीएम राइज स्कूल के विद्यार्थियों ने भी बदनावर के अनुविभागीय अधिकारी को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा था। इसके बावजूद जब स्थानीय प्रशासन की नींद नहीं खुली और कोई कार्रवाई नहीं हुई, तब याचिकाकर्ता महेश पाटीदार ने इस जनहित के मुद्दे को अपने हाथों में लिया और सीधे माननीय उच्च न्यायालय की शरण ली।

हाईकोर्ट का कड़ा रुख, कलेक्टर धार को दिए ये सख्त निर्देश- अशोक संघवी ने बताया कि याचिकाकर्ता के मजबूत पक्षों को सुनने के बाद माननीय उच्च न्यायालय ने जनहित में बड़ा फैसला सुनाया है। कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि यह भूमि पूरी तरह से सरकारी और सार्वजनिक संपत्ति है। याचिकाकर्ता द्वारा उठाए गए बिंदुओं को ही अभ्यावेदन मानकर कलेक्टर धार इस पूरे मामले की जांच करवाएंगे। शिकायत सही पाए जाने पर वे अतिक्रमण हटाने के लिए बाध्य होंगे। यदि कलेक्टर को इस आदेश के पालन में कोई कठिनाई आती है, तो वे सीधे माननीय उच्च न्यायालय से निर्देश प्राप्त कर सकते हैं। यदि राजस्व अमले को अतिक्रमण हटाने या अवैध निर्माण ध्वस्त करने के दौरान भू-माफियाओं के विरोध या खतरे की आशंका होती है, तो पुलिस अधीक्षक धार को तत्काल पर्याप्त पुलिस बल उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं।

नगर और छात्रहित में मील का पत्थर साबित होगा फैसला - याचिकाकर्ता महेश पाटीदार के इस साहसिक प्रयास और न्यायालय के इस कड़े आदेश के बाद अब बदनावर नगर, स्कूल प्रशासन और विद्यार्थियों में हर्ष की लहर है। वर्षों से लंबित इस गंभीर समस्या पर याचिकाकर्ता के अडिग रुख के कारण अब स्कूल को अपनी पूरी और सुरक्षित जमीन मिलने की पूर्ण आशा बंधी है।

इस महत्वपूर्ण जनहित याचिका को सफलतापूर्वक पैरवी करने वाली लीगल टीम में उच्च न्यायालय के अभिभाषक निपुण चौधरी, अशोक संघवी, सुश्री प्रीति पलसे, के.एल. जाट एवं संदीप पाटीदार शामिल थे, जिन्होंने याचिकाकर्ता के पक्ष को पूरी मजबूती के साथ कोर्ट के समक्ष रखा।

आदिवासियों की जमीन छीनने की प्रशासनिक साजिश के खिलाफ फूटा जयस और ग्रामीणों का आक्रोश

राज्यपाल और मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन, कहा— फैसला तुरंत बदलो, वरना अंजाम भुगतने को तैयार रहे सरकार

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विकास के झूठे ढोंग की आड़ में आदिवासी समुदाय को उनकी पुरखों की जमीन से बेदखल करने की प्रशासनिक साजिश के खिलाफ अब क्षेत्र में विद्रोह का बिगुल फूंक दिया गया है। ग्राम चिराखान में प्रस्तावित औद्योगिक परियोजना के नाम पर आदिवासियों के आधिपत्य वाली कीमती कृषि और चरनोई भूमि को पूंजीपतियों को सौंपने के विरोध में जय आदिवासी युवा शक्ति (जयस) संगठन और हजारों ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा है। जयस ने दो टूक शब्दों में तानाशाह व्यवस्था को ललकारते हुए साफ कह दिया है कि– आदिवासियों की जमीन छीनने का हर नापाक प्रयास खून की आखिरी बूंद तक बर्दाश्त नहीं किया जाएगा!

मामला जनपद पंचायत बदनावर के अंतर्गत आने वाले ग्राम चिराखान का है, जहां पटवारी हल्का नंबर 54, खसरा नंबर 116 की 81.534 हेक्टेयर (सैकड़ों बीघा) बहुमूल्य भूमि को उद्योग स्थापना के नाम पर एम.पी.आई.डी.सी. कॉरपोरेशन इंदौर और औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन विभाग को गुपचुप तरीके से हस्तांतरित कर दिया गया।

प्रशासन के इस जनविरोधी कदम से आक्रोशित ग्रामीणों और जयस पदाधिकारियों ने तीखा हमला बोलते हुए कहा कि यह पूरा क्षेत्र आदिवासी बाहुल्य है। यहाँ की पीढ़ियां वर्षों से इसी जमीन पर खून-पसीना बहाकर खेती-बाड़ी कर रही हैं और अपने मासूम बच्चों का पेट पाल रही हैं। यह जमीन इन आदिवासियों के जीवन-यापन का एकमात्र सहारा है, जिसे सरकार उद्योगपतियों की तिजोरी भरने के लिए छीनना चाहती है।

यह सिर्फ जमीन का टुकड़ा नहीं, हमारे पशुधन की चरनोई भूमि है, हमारी संस्कृति, परंपरा और जल-जंगल-जमीन से जुड़ा हमारा अस्तित्व है। अगर सरकार ने इस पवित्र भूमि पर उद्योगपतियों के कारखाने खड़े करने की कोशिश की, तो आदिवासी अपने अस्तित्व को बचाने के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार हैं।

गुस्साए आदिवासियों और जयस संगठन ने राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री के नाम एक कड़ा और चेतावनी भरा ज्ञापन सौंपकर मांग की है कि चिराखान में उद्योग विभाग को किया गया भूमि आवंटन तत्काल प्रभाव से निरस्त किया जाए। उन्होंने साफ कहा कि उद्योग लगाने हैं तो कहीं और बंजर जमीन खोजें, आदिवासियों की उपजाऊ छाती पर कारखाने बर्दाश्त नहीं होंगे।

ज्ञापन का वाचन तेजतर्रार नेता जगदीश डावर द्वारा किया गया। इस दौरान सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की गई और चेतावनी दी गई कि यदि इस आत्मघाती फैसले को वापस नहीं लिया गया, तो पूरे जिले में उग्र, चरणबद्ध आंदोलन और अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन शुरू कर दिया जाएगा, जिसकी पूरी तबाही की जिम्मेदारी गूंगे-बहरे शासन-प्रशासन की होगी।

जल-जंगल-जमीन की इस महाजंग में आदिवासियों की आवाज बुलंद करने के लिए जयस जिला अध्यक्ष सुनील डाबर, जिला महासचिव संतोष मुनिया, जिला महामंत्री विक्रम भाभर, तहसील अध्यक्ष राहुल गिरवाल, कार्यकारी अध्यक्ष ऊंकार भाभर, संरक्षक भेरूलाल वसुनिया, महामंत्री विनोद वसुनिया, उपाध्यक्ष मनीष डावर, सरपंच कालूराम भाभर, जनपद सदस्य चंदन भूरिया, नगर अध्यक्ष राकेश दिया, अर्जुन आम्बापाड़ा, अरविंद राठौर, कमलेश सिंगार सहित सैकड़ों की संख्या में आक्रोशित ग्रामीण और क्रांतिकारी जयस कार्यकर्ता मैदान में डटे रहे।

इंदौर प्रवास पर पधारे मुख्यमंत्री, पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष चिंटू वर्मा ने किया स्वागत

देपालपुर/ अंकित भोला परमार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव देश के सबसे स्वच्छ शहर इंदौर प्रवास पर पधारे, उनका पूर्व जिला अध्यक्ष चिंटू वर्मा ने स्वागत किया, सीएम के प्रवास के दौरान इंदौर नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा महापौर पुष्यमित्र भार्गव, विधायक मधु वर्मा, विधायक रमेश मेंदोला,सुदर्शन गुप्ता एवं अनेक भाजपा पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित थे।

जिला स्तरीय पशुपालक जागरूकता कार्यशाला का आयोजन

बडवानी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पशुपालन एवं डेयरी विभाग द्वारा शुक्रवार को सहायक आयुक्त जनजाति कार्य विभाग के सभागृह में दुग्ध उत्पादकों की जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया ।कार्यशाला के दौरान उप संचालक डॉ दिनेश पटेल ने बताया कि पशुओं का दुग्ध उत्पादन बढ़ाने हेतु पशुओं के पोषण कार्यक्रम पर ध्यान देना होगा जिसके लिए सायलेज संतुलित आहार बनाने की विधि उपयोग, उससे दुग्ध उत्पादन के लाभ, सायलेज की ई मार्केटिंग एवं गोरस एप की जानकारी भी दी गई । कार्यशाला में डॉ. महेंद्र बघेल ने पशुओं की नस्ल सुधार, बीमारियां तथा उनका उपचार एवं टीकाकरण के बारे में विस्तार से बताया।

पिटगारा चौराहे पर स्पीड ब्रेकर नहीं, लगातार हादसों से उठ रहे सवाल

दो परिवारों पर टूटा दुखों का पहाड़, एसडीएम ने दिए समाधान के निर्देश

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। ग्राम पिटगारा चौराहे पर फोरलेन निर्माण कंपनी की कथित लापरवाही के चलते सड़क सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। चौराहे से तेज गति से गुजरने वाले वाहनों के कारण लगातार दुर्घटनाएं हो रही हैं, जबकि यहां स्पीड ब्रेकर नहीं होने से राहगीरों और स्थानीय लोगों की जान जोखिम में बनी हुई है। चार दिन पूर्व हुए एक सड़क हादसे में 50 वर्षीय रमेश बाथम की मृत्यु हो गई। रमेश बाथम मूल रूप से इंदौर जिले के निवासी थे और ग्राम पिटगारा में एक छोटे रेस्टोरेंट तथा फल की ठेला गाड़ी संचालित कर अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे। इस दुर्घटना के बाद उनके परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है और आजीविका का संकट भी गहरा गया है। इससे पहले कानवन क्षेत्र के बीड़ गांव निवासी एक आंगनवाड़ी कार्यकर्ता की भी इसी चौराहे पर दुर्घटना में जान जा चुकी है। वह अपने परिवार की एकमात्र कमाने वाली सदस्य थीं, क्योंकि उनके पति का पहले ही निधन हो चुका था। उनकी मृत्यु के बाद उनका सात वर्षीय पुत्र अनाथ हो गया। लगातार हो रही इन दुखद घटनाओं के बावजूद चौराहे पर सुरक्षा के स्थायी इंतजाम नहीं किए जाने से ग्रामीणों में नाराजगी है। क्षेत्रवासियों का कहना है कि फोरलेन निर्माण के दौरान पूर्व में मौजूद स्पीड ब्रेकर हटा दिए गए, जिसके बाद दुर्घटनाओं का खतरा और बढ़ गया। मामले को लेकर जब बदनावर एसडीएम प्रियंका मिमरोट से चर्चा की गई तो उन्होंने तत्काल संज्ञान लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए तथा आश्वस्त किया कि समस्या का शीघ्र समाधान कर चौराहे पर स्पीड ब्रेकर सहित आवश्यक सुरक्षा उपाय सुनिश्चित किए जाएंगे, ताकि भविष्य में किसी अन्य परिवार को ऐसी त्रासदी का सामना न करना पड़े।

एक साहब, दो तहसीलें और बंद मोबाइल, बदनावर में रजिस्ट्री के लिए भटके किसान, जिला पंजीयक ने बंद किया फोन

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शासन भले ही सुशासन और ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के बड़े-बड़े दावे करे, लेकिन धार जिले की सबसे बड़ी और औद्योगिक क्षेत्र के रूप में विख्यात बदनावर तहसील में जमीनी हकीकत कुछ और ही बयां कर रही है। यहां उप-रजिस्ट्रार कार्यालय किसी सरकारी दफ्तर की तरह नहीं, बल्कि एक पार्ट-टाइम सेंटर की तरह चल रहा है। आलम यह है कि करोड़ों के राजस्व और विशाल क्षेत्रफल वाली इस तहसील के किसान, व्यापारी और आम जनता रजिस्ट्री कराने के लिए दफ्तर के चक्कर काटने को मजबूर हैं।

हफ्ते में सिर्फ 3 दिन खुलता है ताला, शनिवार-रविवार तो दूर, बाकी दिन साहब लापता - चौंकाने वाली बात यह है कि बदनावर का उप-रजिस्ट्रार कार्यालय सप्ताह में मात्र 3 दिन सोमवार, बुधवार और गुरुवार ही खुलता है। उप-रजिस्ट्रार ओमप्रकाश दायमा को प्रशासन ने एक साथ दो नावों की सवारी सौंप रखी है। उन्हें मंगलवार और शुक्रवार को सरदारपुर तहसील का अतिरिक्त प्रभार दे दिया गया है। शनिवार और रविवार को सरकारी अवकाश रहता है। ऐसे में बदनावर जैसी महत्वपूर्ण तहसील को भगवान भरोसे छोड़ दिया गया है।

बदनावर एक बड़ा व्यापारिक और औद्योगिक हब है। यहां जमीनों के सौदों के लिए क्रेता-विक्रेता दूर-दराज के शहरों से आते हैं। लेकिन सीमित दिनों और भारी भीड़ के कारण स्लॉट बुकिंग में भारी दिक्कतें आ रही हैं।

अगर किसी का स्लॉट बुक नहीं हुआ, तो उसे बैरंग लौटना पड़ता है।

किसानों और व्यापारियों को एक छोटी सी रजिस्ट्री के लिए 2 से 3 दिन तक चक्कर लगाने पड़ रहे हैं, जिससे उनका समय और पैसा दोनों बर्बाद हो रहा है।

क्षेत्र के किसानों और व्यापारियों ने जिला पंजीयक (लोक सूचना अधिकारी) डॉ. प्रभात बाजपेयी से पुरजोर मांग की है कि बदनावर के महत्व को देखते हुए उप-रजिस्ट्रार ओमप्रकाश दायमा को पूरे सप्ताह यहीं तैनात रखा जाए। साथ ही, सरदारपुर तहसील के लिए अलग से स्वतंत्र उप-रजिस्ट्रार की नियुक्ति की जाए ताकि दोनों तहसीलों की जनता को राहत मिल सके।

इस अव्यवस्था और जनता की परेशानी को लेकर संवाददाता ने जिला पंजीयक डॉ. प्रभात बाजपेयी से उनके मोबाइल नंबर (9826367211) पर संपर्क करने की कोशिश की, तो उनका फोन स्विच ऑफ मिला।

अब सवाल यह उठता है कि जब जिम्मेदार अधिकारी ही फोन बंद कर बैठ जाएंगे, तो जनता अपनी गुहार लेकर कहां जाए क्या वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी इस गंभीर समस्या का संज्ञान लेकर बदनावर को इस अस्थायी व्यवस्था से मुक्ति दिलाएंगे, या किसान और व्यापारी ऐसे ही दफ्तरों के चक्कर काटते रहेंगे।

सहायक प्राध्यापक पद पर चयनित डॉ. राहुल सिर्वी का भव्य स्वागत, आशीर्वाद समारोह में उमड़ा जनसैलाब

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। खजूरिया के युवा वैज्ञानिक एवं शोधकर्ता डॉ. राहुल सिर्वी के मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग की चयन प्रक्रिया के माध्यम से सहायक प्राध्यापक पद पर चयन होने तथा देशभर में द्वितीय रैंक प्राप्त करने पर गांव में भव्य स्वागत एवं आशीर्वाद समारोह का आयोजन किया गया।

डॉ. राहुल सिर्वी पहली बार अपने गांव पहुंचने पर उनके निवास से स्वागत यात्रा निकाली गई। गांव में जगह-जगह पुष्पवर्षा एवं माल्यार्पण कर उनका अभिनंदन किया गया।

इसके बाद नागदा रोड स्थित एक मैरिज गार्डन में आशीर्वाद समारोह आयोजित हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीणजन, समाजजन एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व कैबिनेट मंत्री राजा राजवर्धन सिंह दत्तीगांव थे। विशिष्ट अतिथियों में पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष मनोज सोमानी भाजपा नगर अध्यक्ष मनीष गुर्जर, भाजपा ग्रामीण मंडल अध्यक्ष गोविंद रघुवंशी, भाजपा जिला मीडिया प्रभारी मनोज कवि सहित भाजपा के वरिष्ठ पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

समारोह में समाज के वरिष्ठजन जगदीश परमार, भरतलाल परमार, दशरथ सिंदराज, जगदीश पटेल, गंगाराम शिक्षक, मोहनलालजी, गिरधारीलाल हामड़, विशाल सिर्वी सहित अनेक सम्मानित नागरिकों ने डॉ. राहुल को शुभकामनाएं एवं आशीर्वाद प्रदान किया।

इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि डॉ. राहुल सिर्वी की उपलब्धि क्षेत्र के युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने अपनी मेहनत, लगन और प्रतिभा के बल पर न केवल गांव और समाज, बल्कि पूरे क्षेत्र का नाम रोशन किया है।

उल्लेखनीय है कि डॉ. राहुल सिर्वी भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र, मुंबई तथा पंडित दीनदयाल ऊर्जा विश्वविद्यालय में शोध कार्य कर चुके हैं।

उनके 9 अंतरराष्ट्रीय शोध पत्र भी प्रकाशित हो चुके हैं, जो उनकी शैक्षणिक एवं शोध उपलब्धियों को दर्शाते हैं।

कार्यक्रम का सफल संचालन घनश्याम राठौर (बालोदा) ने किया।

आशीर्वाद समारोह के पश्चात उपस्थित अतिथियों एवं ग्रामीणजनों के लिए सहभोज का आयोजन भी किया गया।

अंत में एमबीबीएस डॉ. योगेंद्र सिर्वी ने सभी अतिथियों, समाजजनों एवं उपस्थित नागरिकों का आभार व्यक्त किया।

प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए झाबुआ में कार्यशाला, कृषकों का हुआ सम्मान

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया के मुख्य आतिथ्य में कृषि विज्ञान केंद्र परिसर स्थित कृषक सभागृह, झाबुआ में प्राकृतिक कृषि विषयक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में प्राकृतिक खेती के महत्व, पर्यावरण संरक्षण एवं टिकाऊ कृषि पद्धतियों पर विस्तार से चर्चा की गई।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने कहा कि ग्रामीण जीवन और कृषि हमारी संस्कृति की मूल पहचान हैं। महिलाएं परिवार की जिम्मेदारियों के साथ-साथ खेती-किसानी में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने कहा कि झाबुआ एक जनजातीय जिला है, जहां की परंपराएं प्रकृति के साथ सामंजस्य स्थापित करने की सीख देती हैं। हमारे पूर्वजों ने हमें जल, जंगल, जमीन और स्वच्छ वातावरण की अमूल्य धरोहर सौंपी है। आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को सुरक्षित रखने के लिए प्राकृतिक कृषि को पुनः अपनाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक खेती केवल कृषि पद्धति नहीं, बल्कि प्रकृति संरक्षण का माध्यम है, जिसके लिए सभी को समर्पण और मेहनत के साथ आगे आना होगा।

कार्यक्रम में कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट ने कहा कि किसान सदियों से प्रकृति के संरक्षक रहे हैं। जल, जंगल, जमीन एवं जैव विविधता के संरक्षण में किसानों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक खेती कोई नई अवधारणा नहीं है। वर्ष 1960 के दशक में खाद्यान्न उत्पादन बढ़ाने की आवश्यकता को देखते हुए उन्नत बीज, रासायनिक उर्वरकों एवं सिंचाई आधारित कृषि को बढ़ावा दिया गया, जिससे देश खाद्यान्न उत्पादन में आत्मनिर्भर बना।

करवड़ में खाद्य पंजीयन शिविर आयोजित, 37 खाद्य कारोबारियों को मौके पर मिला पंजीयन

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा जिले के विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों में खाद्य कारोबारियों के लिए लाइसेंस एवं पंजीयन शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में शुक्रवार को ग्राम करवड़ में खाद्य पंजीयन शिविर आयोजित किया गया, जिसमें करवड़ एवं आसपास के क्षेत्रों के खाद्य व्यवसायियों से आवेदन प्राप्त किए गए।

खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) के नियमों के अनुसार खाद्य व्यवसाय संचालित करने वाले सभी कारोबारियों के लिए खाद्य पंजीयन अथवा अनुज्ञप्ति प्राप्त करना अनिवार्य है। इसके अंतर्गत सब्जी एवं फल विक्रेता, मांस, मछली एवं अंडा विक्रेता, पान गुमटी संचालक, पानीपुरी एवं चाट सेंटर, देशी एवं विदेशी मदिरा दुकानें, किराना दुकानें, होटल एवं रेस्टोरेंट, स्वयं सहायता समूह, शासकीय एवं अशासकीय संस्थानों में संचालित कैंटीन, आइसक्रीम पार्लर, बेकरी, मेडिकल स्टोर तथा दूध विक्रेता (फेरी एवं डेयरी संचालक) सहित अन्य खाद्य व्यवसायी शामिल हैं। बिना खाद्य पंजीयन अथवा अनुज्ञप्ति के व्यवसाय संचालन पाए जाने पर नियमानुसार जुर्माने का प्रावधान है।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्री राहुल सिंह अलावा ने बताया कि शिविर में प्रातः 11 बजे से सायं 5 बजे तक पंजीयन एवं अनुज्ञप्ति हेतु आवेदन प्राप्त किए गए। खाद्य कारोबारियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए मौके पर ही कुल 37 खाद्य कारोबारियों को खाद्य पंजीयन प्रदान किए गए।

उन्होंने बताया कि शासन द्वारा पंजीयन प्रक्रिया को सरल बनाया गया है। अब प्रोपराइटर के फोटो एवं पहचान पत्र के आधार पर खाद्य पंजीयन प्राप्त किया जा सकता है। साथ ही मांस व्यवसाय से जुड़े विक्रेताओं के लिए ग्राम पंचायत अथवा नगरीय निकाय से अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) प्राप्त करना अनिवार्य है।

मानसून की देरी बढ़ा रही किसानों की चिंता, उत्पादन प्रभावित होने की आशंका

आंध्रप्रदेश में अटका पड़ा मानसून, नगर में प्री-मानसून एक्टिविटी के चलते हो रही हल्की वर्षा, अब तक बोवनी से दूर किसान

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जून माह आधा बीत चुका है, लेकिन अभी तक मानसूनी बारिश ने दस्तक नहीं दी है। नगर में प्री-मानसून एक्टिविटी के तहत हो रही बारिश से लोगों को गर्मी से राहत जरूर मिल रही है, लेकिन खेतों में पर्याप्त नमी के लिए मानसूनी बारिश की दरकार है, जिसके अभाव में किसान अब तक बोवनी नहीं कर पाए हैं। जिसके लिए उन्हें पर्याप्त वर्षा की जरूरत है।

मौसम विभाग के अनुसार जिले में मानसून आने में अभी 8 से 15 दिन की देरी है। इसके अभाव में नगरवासी अभी भी झुलसाने वाली गर्मी का सामना कर रहे हैं। शुक्रवार को भी तेज धूप खिलने से लोगों का गर्मी से बुरा हाल हो गया। हालांकि शाम को आसमान पर छाने से लोगों को गर्मी से राहत भी मिल गई। पिछले कुछ दिनों से मौसम का यही हाल बना हुआ है और नगर में प्रतिदिन हल्की वर्षा हो रही है। लेकिन बोवनी के लिए अभी मानसूनी बारिश का इंतजार है, जिसके अभाव में खेतों में पर्याप्त नमी नहीं आई है। जिससे किसान ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। जिले में हर साल लगभग 3 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में सोयाबीन की बुवाई होती है, लेकिन इस बार पर्याप्त बारिश न होने के कारण किसान अभी तक बोवनी शुरू नहीं कर पाए हैं। कई किसानों ने अपने खेत तैयार कर लिए हैं और अब वे बारिश का इंतजार कर रहे हैं।

इन समस्याओं का भी सामना कर रहे किसान- किसानों की माने तो इस बार उन्हें कई समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। बारिश की कमी के साथ-साथ बीज और डीजल की उपलब्धता भी एक चुनौती बनी हुई है। उन्होंने आशंका जताई कि यदि समय पर बारिश नहीं हुई तो सोयाबीन का अंकुरण प्रभावित होगा और फसल ठीक से उग नहीं पाएगी। पप्पू ठाकुर लगभग 40 बीघा क्षेत्र में सोयाबीन की खेती की तैयारी कर रहे हैं। बारिश न होने के कारण किसान अभी तक बोवनी शुरू नहीं कर पाए हैं। वहीं बारिश के अभाव में फसल में अंकुरण और पौधों के सूखने का खतरा भी बढ़ रहा है। साथ ही मानसून में देरी का सीधा असर सोयाबीन की फसल की गुणवत्ता और मात्रा पर पड़ेगा। कम बारिश के कारण पौधे कमजोर रह सकते हैं, जिससे फलियां ठीक से नहीं भरेंगी और उत्पादन में भारी गिरावट आ सकती है। उन्होंने यह भी बताया कि कई किसानों ने महंगे दामों पर बीज खरीदे हैं, और यदि बारिश नहीं हुई तो उनका यह निवेश भी खतरे में पड़ जाएगा। जिन किसानों ने शुरुआती बारिश के भरोसे बोवनी कर दी थी, उनकी फसल में अंकुरण और पौधों के सूखने का खतरा बढ़ गया है। वहीं, जिन किसानों ने अभी तक बुवाई नहीं की है, वे अब भी अच्छी बारिश का इंतजार कर रहे हैं।

22 जून के बाद है संभावना- किसानों ने बताया कि मानसून की यह देरी हजारों किसानों के लिए गंभीर चिंता का विषय बन गई है। यदि आने वाले दिनों में पर्याप्त बारिश नहीं होती है, तो न केवल बोवनी प्रभावित होगी, बल्कि सोयाबीन के उत्पादन में भी बड़ी गिरावट दर्ज की जा सकती है, जिससे किसानों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है। वहीं मौसम विभाग की माने तो 22 जून के बाद मानसून दस्तक दे सकता है।

विश्व सिकल सेल दिवस पर थांदला में आयोजित हुआ रक्तदान शिविर

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विश्व सिकल सेल दिवस के अवसर पर जिला प्रशासन द्वारा संचालित ÷जीवन धारा अभियान ड्ड एक बूंद उम्मीद की÷ के तहत सिविल अस्पताल थांदला में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट शामिल हुए तथा रक्तदान करने वाले रक्तदाताओं का मेडल एवं प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मान किया।

इस अवसर पर सिविल अस्पताल थांदला परिसर में स्थापित ब्लड डोनेशन काउंटर एवं ब्लड डोनेशन बस के माध्यम से स्वैच्छिक रक्तदान किया गया। कलेक्टर ने रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि रक्तदान मानवता की सेवा का सबसे बड़ा माध्यम है और इससे अनेक लोगों का जीवन बचाया जा सकता है।

कलेक्टर डॉ. भरसट ने कहा कि जिले में सिकल सेल बीमारी के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ रक्तदान को जन आंदोलन का स्वरूप देने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि आज भी कई लोगों में यह भ्रांति है कि रक्तदान करने से शरीर कमजोर हो जाता है, जबकि यह पूरी तरह गलत धारणा है। रक्तदान न केवल जरूरतमंद मरीजों के लिए जीवनदायी है, बल्कि इससे शरीर में रक्त निर्माण की प्रक्रिया भी सक्रिय रहती है और रक्त संचार बेहतर होता है। उन्होंने कहा कि झाबुआ एक जनजातीय जिला है, जहां सिकल सेल बीमारी के मामले अपेक्षाकृत अधिक पाए जाते हैं। भारत सरकार ने वर्ष 2047 तक सिकल सेल रोग उन्मूलन का लक्ष्य निर्धारित किया है और इस लक्ष्य की प्राप्ति में स्वैच्छिक रक्तदान की महत्वपूर्ण भूमिका है। सिकल सेल रोगियों को अक्सर रक्त की आवश्यकता पड़ती है, ऐसे में प्रत्येक सक्षम व्यक्ति को नियमित रूप से रक्तदान कर इस अभियान से जुड़ना चाहिए। कलेक्टर ने बताया कि जिला प्रशासन द्वारा रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए वर्षभर का कैलेंडर तैयार किया गया है, जिसके तहत विभिन्न अवसरों पर रक्तदान शिविर आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि जिले को रक्त की दृष्टि से आत्मनिर्भर बनाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

21 जून को जिलेभर में मनाया जाएगा 12वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश शासन के सामान्य प्रशासन विभाग, भोपाल के निर्देशानुसार 21 जून 2026 को 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर जिले में सामूहिक योग कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। जिला मुख्यालय झाबुआ में मुख्य कार्यक्रम स्थानीय पीएम श्री शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया के मुख्य आतिथ्य में आयोजित होगा। कार्यक्रम के लिए मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री जितेन्द्रसिंह चौहान को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।

कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट के निर्देशन में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर जिले के सभी ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों में योग कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिनके लिए विकासखण्डवार नोडल एवं सहायक नोडल अधिकारियों की नियुक्ति की गई है।

पेटलावद विकासखण्ड में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व सुश्री तनुश्री मीणा को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। ग्रामीण क्षेत्र के लिए मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत पेटलावद श्री गौरव जैन तथा नगरीय क्षेत्र के लिए मुख्य नगर पालिका अधिकारी पेटलावद श्री राहुल वर्मा को सहायक नोडल अधिकारी बनाया गया है। यहां योग दिवस कार्यक्रम सांदीपनि विद्यालय पेटलावद में आयोजित होगा।

थांदला विकासखण्ड में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व श्री भास्कर गाचले को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। ग्रामीण क्षेत्र में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत थांदला श्री देवेन्द्र बराडिया तथा नगरीय क्षेत्र में मुख्य नगर पालिका अधिकारी थांदला श्री कमलेश जायसवाल को सहायक नोडल अधिकारी बनाया गया है। यहां योग दिवस का आयोजन दशहरा मैदान, थांदला में किया जाएगा।

मेघनगर विकासखण्ड में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व सुश्री अवनधती प्रधान नोडल अधिकारी रहेंगी। ग्रामीण क्षेत्र में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत मेघनगर सुश्री प्रज्ञा साहू तथा नगरीय क्षेत्र में मुख्य नगर पालिका अधिकारी मेघनगर श्री राहुलसिंह वर्मा को दायित्व सौंपा गया है। यहां कार्यक्रम सांदीपनि विद्यालय, मेघनगर में आयोजित होगा।

राणापुर विकासखण्ड में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व श्री महेश मंडलोई को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। ग्रामीण क्षेत्र के लिए मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत राणापुर श्री बलवानसिंह मवासे तथा नगरीय क्षेत्र के लिए मुख्य नगर पालिका अधिकारी झाबुआ श्री मिलन पटेल को जिम्मेदारी दी गई है। यहां योग दिवस कार्यक्रम सांदीपनि विद्यालय, राणापुर में आयोजित किया जाएगा।

प्रदेशाध्यक्ष के निर्देश के बावजूद सड़क पर नहीं उतरी एनएसयूआई, कॉलेज में भी कर दी खानापूर्ति

संगठन ने दिया नोटिस, तीन दिन में मांगा जवाब

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। मीनाक्षी नटराजन के मुद्दे को लेकर हावी होने का प्रयास कर रही कांग्रेस को उसी के संगठन का साथ नहीं मिल रहा है। उन्हीं के कार्यकर्ता प्रदेशाध्यक्ष के आदेश का पालन नहीं कर रहे हैं। जो सड़क पर उतरने से परहेज करने लगे हैं। मीनाक्षी नटराजन के नामांकन को लेकर एनएसयूआई को विरोध प्रदर्शन करने के निर्देश दिए गए थे, जिन्होंने केवल खानापूर्ति कर दी। इसे लेकर अब एनएसयूआई जिलाध्यक्ष को नोटिस जारी किया गया है।

भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन के जिला अध्यक्ष मनीष पवार को प्रदेश संगठन की ओर से कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। नोटिस में तीन दिन के भीतर जवाब मांगा गया है। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी के निर्देश पर 15, 16 और 17 जून को राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस की अधिकृत उम्मीदवार मीनाक्षी नटराजन का नामांकन रद्द होने के विरोध में जिला स्तर पर प्रदर्शन किया था। भाजपा कार्यालय घेराव और पुतला दहन जैसे कार्यक्रम प्रस्तावित थे। लेकिन शाजापुर में ये आंदोलन अपेक्षित रूप से नजर नहीं आए। कांग्रेस ने केवल प्रेस वार्ता कर विरोध दर्ज कराया, जबकि एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने कॉलेज में कुछ देर प्रदर्शन किया और चले गए। जिसका न कोई असर नजर आया और न ही कोई चर्चा हुई। यह प्रदर्शन केवल खानापूर्ति बनकर रह गया। यही नहीं चंद मीनिट हुए इस प्रदर्शन में मुट्ठीभर लोग भी शामिल नहीं हुए जिससे इस आंदोलन का कुछ असर होता। जिससे प्रदेशाध्यक्ष भड़क गए और नोटिस जारी कर दिया।

प्रदेशाध्यक्ष ने जिलाध्यक्ष को यह दिया नोटिस

प्रदेश कार्यालय से जारी नोटिस में कहा गया है कि 16 जून को आयोजित किए जाने वाले पुतला दहन कार्यक्रम की जानकारी ग्रुप मैसेज से पहले ही दे दी गई थी। इसके बावजूद कार्यक्रम आयोजित नहीं किया गया। इसे संगठन के प्रति घोर लापरवाही और उदासीनता माना गया है। जिस पर प्रदेशाध्यक्ष ने कड़ी आपत्ति दर्ज की है। इधर शाजापुर जिले में पिछले दो महीनों के दौरान कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं पर चार एफआईआर दर्ज होने के बाद संगठन के भीतर राजनीतिक दबाव और डर की चर्चाएं भी तेज हो गई हैं। ऐसे में विरोध कार्यक्रमों की निष्क्रियता और नोटिस की कार्रवाई अब जिले की सियासत में चर्चा का बड़ा विषय बन गई है।

भाजपा ने कांग्रेस पर तंज कसा- एनएसयूआई जिलाध्यक्ष को जारी नोटिस के बाद भाजपा ने कांग्रेस पर तंज कसा है। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता एवं शाजापुर के पूर्व मीडिया प्रभारी विजय जोशी ने कहा कि यह नोटिस नहीं, बल्कि कांग्रेस की संगठनात्मक विफलता का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि जिस पार्टी के कार्यकर्ता नेतृत्व के आह्वान पर सड़क पर उतरने को तैयार नहीं हों, उसकी राजनीतिक स्थिति का अंदाजा लगाया जा सकता है। जोशी ने सवाल उठाया कि आंदोलन के लिए अपने कार्यकर्ताओं को नोटिस देने वाली कांग्रेस जनता के मुद्दों पर संघर्ष का दावा कैसे कर सकती है।

ठोस अपशिष्ट प्रबंधन की समीक्षा बैठक में कलेक्टर ने दिए प्रभावी कचरा प्रबंधन एवं स्वच्छता के निर्देश

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट की अध्यक्षता में जिला स्तरीय ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्र ठोस अपशिष्ट प्रबंधन समिति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में कलेक्टर ने ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन की व्यवस्थाओं की विस्तृत समीक्षा करते हुए अधिकारियों को स्वच्छता कार्यों में गति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि घर-घर कचरा संग्रहण, स्रोत स्तर पर गीले एवं सूखे कचरे का पृथक्करण, नियमित परिवहन एवं वैज्ञानिक तरीके से कचरे के निष्पादन की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। सभी नगरीय निकायों एवं ग्राम पंचायतों में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियमों का प्रभावी पालन कराया जाए तथा जनजागरूकता गतिविधियों के माध्यम से नागरिकों की सहभागिता बढ़ाई जाए।

कलेक्टर ने निर्देश दिए कि कचरा संग्रहण वाहनों का नियमित संचालन किया जाए तथा सार्वजनिक स्थलों, बाजार क्षेत्रों एवं जल स्रोतों के आसपास किसी भी प्रकार का कचरा जमा न होने दिया जाए। उन्होंने ट्रेंचिंग ग्राउंड एवं अपशिष्ट प्रसंस्करण स्थलों की नियमित मॉनिटरिंग करने, कंपोस्ट निर्माण को बढ़ावा देने तथा प्लास्टिक अपशिष्ट के पृथक संग्रहण एवं निष्पादन की प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बैठक में पेयजल व्यवस्थाओं की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर ने कहा कि नगरीय निकायों के तालाबों एवं जल स्रोतों के आसपास विशेष स्वच्छता अभियान चलाया जाए। तालाबों के किनारे साफ-सफाई एवं पौधारोपण कार्य कराए जाएं ताकि पर्यावरण संरक्षण के साथ जल स्रोतों की गुणवत्ता भी बनी रहे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जल प्रदाय व्यवस्था सुचारू रहे तथा नागरिकों को स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराया जाए। साथ ही जलजनित बीमारियों की रोकथाम के लिए नियमित जल गुणवत्ता परीक्षण भी सुनिश्चित किया जाए।

इस दौरान जन प्रतिनिधिगण, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री जितेन्द्र सिंह चौहान, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व झाबुआ श्री महेश मंडलोई, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व थान्दला श्री भास्कर गाचले, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व मेघनगर सुश्री अवनधती प्रधान एवं अन्य संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

खुले एवं अनुपयोगी बोरवेलों को सुरक्षित रूप से बंद करना अनिवार्य, कलेक्टर ने जारी किए प्रतिबंधात्मक आदेश

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में खुले एवं अनुपयोगी बोरवेलों से बच्चों तथा पशुओं की सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुए कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी डॉ. योगेश तुकाराम भरसट ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163 के अंतर्गत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किए हैं। यह आदेश 20 जून 2026 से 20 अगस्त 2026 तक प्रभावशील रहेगा। जारी आदेश में कहा गया है कि निजी अथवा शासकीय भूमि पर स्थित अनुपयोगी एवं खुले बोरवेल/ट्यूबवेल गंभीर दुर्घटनाओं का कारण बन सकते हैं। ऐसे मामलों में बच्चों या पशुओं के बोरवेल में गिरने की आशंका बनी रहती है, जिससे जनहानि की संभावना रहती है। इन परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए जिले की राजस्व सीमा में सभी भूमि स्वामियों, संस्था प्रमुखों एवं बोर खननकर्ताओं के लिए आवश्यक निर्देश जारी किए गए हैं।

आदेशानुसार बोर खनन के दौरान किसी भी स्थिति में बोरवेल का मुंह खुला नहीं छोड़ा जाएगा। जिन बोरवेलों में पानी नहीं है अथवा जो उपयोग में नहीं हैं, उन्हें भूमि स्वामी, मकान मालिक या संबंधित संस्था प्रमुख द्वारा सुरक्षित रूप से बंद करना अनिवार्य होगा। सभी अनुपयोगी बोरवेलों को लोहे की प्लेट, सीमेंट स्लैब अथवा अन्य मजबूत ढक्कन (कैप) से पूरी तरह बंद किया जाना आवश्यक रहेगा।

कलेक्टर ने बताया कि जनसुरक्षा की दृष्टि से यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू किया जाना आवश्यक है। इसलिए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163(2) के अंतर्गत यह आदेश एकपक्षीय रूप से पारित किया गया है। आदेश का उल्लंघन करने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 223 के तहत वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

आदेश के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में डोंडी पिटवाकर सूचना प्रसारित करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही आदेश की प्रतियां जिला कार्यालय, समस्त नगर पालिका एवं नगर परिषद कार्यालयों, जनपद पंचायतों, तहसील कार्यालयों, पुलिस थानों तथा अन्य सार्वजनिक स्थलों के सूचना पटल पर चस्पा की जाएंगी।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

रविवार को कुछ पल के लिए गायब हो जाएगी परछाई

उज्जैन में दिखेगा 'जीरो शैडो डे' का अद्भुत नजारा- साल का सबसे बड़ा दिन भी रहेगा 21 जून

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। कल 21 जून को उज्जैन के लोगों को एक अनोखी और दुर्लभ खगोलीय घटना देखने का अवसर मिलेगा। इस दिन दोपहर में कुछ समय के लिए लोगों और वस्तुओं की परछाई लगभग गायब हो जाएगी। खगोल विज्ञान में इसे 'जीरो शैडो डे' यानी शून्य छाया दिवस कहा जाता है।

जीवाजीराव वेधशाला अधीक्षक डॉ आरपी गुप्त के अनुसार 21 जून को दोपहर 12 बजकर 28 मिनट पर सूर्य उत्तरी गोलार्द्ध में अपनी अधिकतम स्थिति के करीब होगा। इस दौरान सूर्य की किरणें उज्जैन पर लगभग सीधी पड़ेंगी, जिससे खड़ी वस्तुओं की परछाई बेहद छोटी होकर कुछ क्षणों के लिए नजर नहीं आएगी। इस अद्भुत खगोलीय घटना का अवलोकन वेधशाला परिसर में शंकु यंत्र के माध्यम से कराया जाएगा।

21 जून को वर्ष का सबसे बड़ा दिन भी माना जाता है। इस दिन उज्जैन में सूर्योदय सुबह 5¬42 बजे होगा, जबकि सूर्यास्त शाम 7¬16 बजे होगा। यानी दिन की अवधि 13 घंटे 34 मिनट और रात केवल 10 घंटे 26 मिनट की रहेगी।

वैज्ञानिकों का कहना है कि पृथ्वी सूर्य की परिक्रमा करती है, जिसके कारण सूर्य वर्षभर कर्क रेखा और मकर रेखा के बीच स्थान बदलता दिखाई देता है। 21 जून को सूर्य कर्क रेखा के सबसे निकट पहुंचता है। उज्जैन कर्क रेखा के समीप होने के कारण यहां सूर्य की किरणें लगभग लंबवत पड़ती हैं और परछाई लुप्त होती दिखाई देती है।

खगोलविदों के मुताबिक 21 जून के बाद सूर्य की आभासी गति दक्षिण दिशा की ओर दिखाई देने लगेगी, जिसे दक्षिणायन कहा जाता है। इसके साथ ही उत्तरी गोलार्द्ध में दिन धीरे-धीरे छोटे और रातें लंबी होने लगेंगी। आगामी 23 सितंबर को दिन और रात लगभग बराबर हो जाएंगे। विशेषज्ञों का मानना है कि यह घटना खगोल विज्ञान के विद्यार्थियों और आम लोगों के लिए प्रकृति के वैज्ञानिक रहस्यों को करीब से समझने का बेहतरीन अवसर है।

महाकाल और गोपाल मंदिर क्षेत्र में भूमिगत होगी बिजली लाइन

300 करोड़ का प्रस्ताव तैयार, पुराने शहर में हटेंगे तारों के जाल- बिजली चोरी और फॉल्ट पर लगेगी रोक

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। महाकाल और गोपाल मंदिर क्षेत्र सहित पुराने शहर के प्रमुख इलाकों में जल्द ही बिजली के तार दिखाई नहीं देंगे। इन क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति के लिए भूमिगत (अंडरग्राउंड) केबल लाइन बिछाने की तैयारी की जा रही है। इसके लिए बिजली विभाग ने करीब 300 करोड़ रुपए का प्रस्ताव तैयार कर मुख्यालय भेजा है। मंजूरी मिलने के बाद चरणबद्ध तरीके से काम शुरू होगा।

योजना के तहत महाकाल मंदिर, गोपाल मंदिर, बाबा रामदेव रोड, चारधाम मंदिर और आसपास के क्षेत्रों की ओवरहेड बिजली लाइनों को जमीन के नीचे डाला जाएगा। इससे शहर में लटकते तारों से मुक्ति मिलेगी और धार्मिक व पर्यटन क्षेत्रों की सुंदरता भी बढ़ेगी। अधिकारियों के अनुसार यह परियोजना अगले कुछ वर्षों में पूरी की जाएगी। उज्जैन और इंदौर को इस योजना के लिए पायलट प्रोजेक्ट के रूप में चुना गया है। प्रस्ताव स्वीकृत होने के बाद शहर के प्रमुख मार्गों और घनी आबादी वाले क्षेत्रों में भूमिगत केबल नेटवर्क विकसित किया जाएगा।बिजली विभाग का मानना है कि भूमिगत लाइनें होने से करंट फैलने, बार-बार फॉल्ट आने और ट्रिपिंग जैसी समस्याओं में कमी आएगी। साथ ही बिजली रखरखाव पर होने वाला खर्च भी कम होगा। बारिश, आंधी और तूफान के दौरान बिजली आपूर्ति बाधित होने की समस्या से भी राहत मिलेगी। विभाग पहले चरण में आगर रोड क्षेत्र की चार कॉलोनियों में भूमिगत लाइनें बिछा चुका है। यहां सकारात्मक परिणाम मिलने के बाद दूसरे चरण में आधा दर्जन और कॉलोनियों में यह काम किया जा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि इससे लाइन लॉस और बिजली चोरी पर भी प्रभावी नियंत्रण लगेगा।

एक नजर में योजना और फायदे

-300 करोड़ रुपए का प्रस्ताव तैयार
-महाकाल और गोपाल मंदिर क्षेत्र होंगे शामिल
-ओवरहेड लाइनें होंगी भूमिगत
-बिजली चोरी और लाइन लॉस में आएगी कमी
-बारिश और आंधी में सप्लाई बाधित होने की घटेगी
-शहर की सुंदरता और सुरक्षा दोनों बढ़ेंगी।

सुबह सड़क कार्य देखने पहुंचे अधिकारियों को लोगों ने बताई पानी की समस्या

कमिश्नर-कलेक्टर, ने मौके से ही टैंकर भेजने के निर्देश

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सिंहस्थ संबंधित निर्माण कार्यों का अधिकारी रोज निरीक्षण कर रहे हैं। आज शुक्रवार सुबह जब कलेक्टर और कमिश्नर कवेलू कारखाना क्षेत्र में पहुंचे तो यहां के लोगों ने उन्हें पानी की समस्या बताई। इस पर उन्होंने प्रभावित क्षेत्रों में तत्काल टैंकर से पानी सप्लाई करने का निर्देश दिए।

उल्लेखनीय है कि सिंहस्थ-2028 की तैयारियों के तहत शहर में चल रहे मार्ग चौड़ीकरण कार्यों का शुक्रवार सुबह संभाग आयुक्त आशीष सिंह और कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने निरीक्षण किया। अधिकारियों ने कवेलू कारखाना से शांति नगर, राजेंद्र नगर, न्यू इंदिरा नगर होते हुए केटीएस शोरूम नानाखेड़ा क्षेत्र तक निर्माणाधीन सड़क का पैदल भ्रमण कर कार्य की प्रगति और गुणवत्ता का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान सड़क निर्माण और चौड़ीकरण कार्यों के बीच क्षेत्र के रहवासियों ने अधिकारियों को पेयजल संकट से अवगत कराया। लोगों ने बताया कि कई स्थानों पर पानी की समस्या बनी हुई है, जिससे रोजमर्रा की जरूरतें प्रभावित हो रही हैं। रहवासियों की शिकायत को गंभीरता से लेते हुए संभाग आयुक्त ने मौके पर ही नगर निगम अधिकारियों को तत्काल पानी के टैंकर भेजकर प्रभावित क्षेत्रों में पेयजल उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने मार्ग चौड़ीकरण कार्य को निर्धारित समय सीमा में पूरा करने और निर्माण कार्यों की गुणवत्ता बनाए रखने के निर्देश भी दिए। उल्लेखनीय है कि आगामी सिंहस्थ को देखते हुए शहर में सड़क, पेयजल और अन्य निर्माण कार्यों की अधिकारियों द्वारा लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है।

क्रिकेट खिलाड़ी युजवेंद्र चहल ने महाकाल की भस्म आरती में किए दर्शन

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारतीय क्रिकेट खिलाड़ी युजवेंद्र चहल ने आज शुक्रवार सुबह महाकालेश्वर मंदिर में भगवान महाकाल की प्रातःकालीन भस्म आरती में शामिल होकर दर्शन किए। उन्होंने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर भगवान महाकाल का आशीर्वाद प्राप्त किया। मंदिर पहुंचने पर महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति की ओर से सहायक प्रशासक आशीष फलवाड़िया ने उनका स्वागत एवं सम्मान किया। भस्म आरती के दौरान चहल श्रद्धा और भक्ति भाव से भगवान महाकाल की आराधना करते नजर आए। महाकाल मंदिर में समय-समय पर देश की कई प्रसिद्ध हस्तियां दर्शन के लिए पहुंचती हैं। इसी क्रम में युजवेंद्र चहल के आगमन को लेकर श्रद्धालुओं में भी उत्साह देखा गया। दर्शन के बाद उन्होंने भगवान महाकाल से देश, समाज और परिवार की सुख-समृद्धि तथा मंगलमय जीवन की कामना की।

रात में युवक की हत्या, दोपहर में मिली लाश

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। घर से अलग रहने वाले युवक की रात में हत्या कर दी गई और लाश को छुपा दिया गया। कुछ लोगों ने शुक्रवार दोपहर खून देखा तो मामले की सूचना पुलिस को दी। घटना स्थल से लाश बरामद होने पर मामला हत्या का सामने आया। पुलिस ने कुछ देर की जांच के बाद दो युवकों को हिरासत में लिया है। मामला भेरूगढ़ थाना क्षेत्र के 52 कुंड का है। दोपहर में कुछ लोग 52 कुंड के आसपास घूम रहे थे उन्होंने एक जगह पुराने कपड़ों का ढेर लगा देखा जिसके आसपास खून फैल रहा था। कपड़े हटाने पर एक युवक की लाश दिखाई दी मामले की सूचना पुलिस को दी गई। भेरूगढ़ थाना पुलिस मौके पर पहुंची। मामला हत्या का होना सामने आया मृतक की पहचान करने पर उसका नाम हीरालाल पिता मोतीराम केवट 40 साल होना सामने आया। जानकारी जुटाना पर सामने आया कि हीरालाल 52 कुंड के आसपास ही रहता था रात में सूर्य मंदिर के समीप सोता था। वह परिवार से अलग रहता था। पुलिस में परिजनों से संपर्क किया जो 52 कुंड के पास कालिया देह महल के पास रहने वाले थे। भाई सुरेश मौके पर पहुंचा और मृतक की पहचान हीरालाल के रूप में की। मृतक के शरीर पर काफी चोट के निशान थे। पुलिस में आसपास क्षेत्र में जानकारी जुटा तो पता चला कि हीरालाल, मुकेश और दीपक के साथ रहता था। रात में दोनों के साथ दिखाई दिया था। पुलिस ने दोनों पर हत्या का संदेह व्यक्त करते हुए दोनों को हिरासत लिया है। घटनास्थल पर विवेचना के बाद देर शाम शव पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल लाया गया।